डालटनगंज
(मेदिनीनगर)
मंगलवार
23.08.2022
भाद्रपद कृष्ण पक्ष 11
विक्रम संवत 2079

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रश्मि प्रवाह

दवा जेब में नहीं परंतु शरीर में जाये तो असर होता है, वैसे ही अच्छे विचार मोबाइल में नहीं हृदय में उतरें तो जीवन सफल होता है।

www.rastriyanaveenmail.com | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | वर्ष-29 अंक-304 पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 1.50

मुख्यमंत्री ने 217 आयुष प्रक्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों के बीच बांटा नियुक्ति पत्र

मानदेय के अलावे आयुष चिकित्सकों को मिलेगा हर माह इंसेंटिव : हेमंत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर करने की दिशा में हमारी सरकार निरंतर आगे बढ़ रही है। झारखंड में यूनानी, आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक चिकित्सा प्रक्षेत्र में पढ़ाई सुनिश्चित हो इसके लिये राज्य सरकार कटिबद्ध है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहनेवाले लोगों को भी आयुष चिकित्सा पद्धति का लाभ मिल सके इसके लिये सोमवार को 217 आयुष प्रक्षेत्र के डॉक्टरों को अनुबंध आधारित नियुक्ति पत्र मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं समझता हूं कि यूनानी, आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति एक ऐसी चिकित्सा पद्धति है जब आधुनिक तकनीकी चिकित्सा पद्धति की परिकल्पना नही हुई थी

तब से यह पद्धति चली आ रही है। निश्चित रूप से राज्य में स्वास्थ्य क्षेत्र लिए आज ऐतिहासिक दिन है। मुख्यमंत्री सोमवार को झारखंड मंत्रालय स्थित सभागार में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग अंतर्गत झारखंड आयुष प्रक्षेत्र के संविदा आधारित चयनित सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों का नियुक्ति प्रमाण पत्र वितरण समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उपस्थित आयुष प्रक्षेत्र के सभी नवनियुक्त डॉक्टरों को बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सभी नवनियुक्त आयुष डॉक्टर्स के प्रति भरोसा जताते हुए कहा कि आप जहां भी कार्यरत रहेंगे वहां अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी ईमानदारी और कर्मठता से करेंगे ऐसा मुझे विश्वास है।

झारखंड सरकार और श्री सत्य साईं हार्ट हॉस्पिटल के बीच एमओयू : इस अवसर पर झारखंड सरकार ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

आयुष चिकित्सा पद्धति आज भी काफी प्रभावी

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आयुष चिकित्सा पद्धति आज भी उतनी ही प्रभावी है, जितनी प्राचीन काल में थी, विशेषकर झारखंड प्रदेश के लिए आयुष एक बेहतर चिकित्सा पद्धति साबित हो सकती है। आयुष पद्धति जल, जंगल, जमीन, पठार, नदी-नाले और पहाड़ से घिरे इस आदिवासी बाहुल्य प्रदेश के लिए खास मायने रखती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां के लोगों का प्रकृति से गहरा जुड़ाव रहा है और प्राकृतिक तरीके से वे इलाज कराते आ रहे हैं। ऐसे में आज के समय में आयुष चिकित्सा पद्धति यहां के लिए काफी महत्वपूर्ण है। इस पद्धति से छोटी-बड़ी बीमारियों का तो इलाज होता ही है। इसके साथ बेहतर स्वास्थ्य जीवन और शरीर को तंदुरुस्त रखने के प्राकृतिक तौर-तरीकों को हम जानते तथा सीखते हैं। यह चिकित्सा पद्धति पहले भी प्रभावी थी, आज भी है और आगे भी रहेगी।

बसंत सोरेन से जुड़े खनन लीज मामले में अब सुनवाई 29 को

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारत निर्वाचन आयोग ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के छोटे भाई बसंत सोरेन से जुड़े खनन लीज मामले में अब 29 अगस्त को सुनवाई की तिथि निर्धारित की है। आयोग में बसंत सोरेन के मामले में सोमवार 22 अगस्त को सुनवाई की तिथि निर्धारित थी, लेकिन अब भारत निर्वाचन आयोग ने बसंत सोरेन के खनन लीज से संबंधित मामले की सुनवाई की तिथि 29 अगस्त को मुकर्रर कर दी है। इससे पहले चुनाव आयोग ने सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ खनन लीज मामले में 18 अगस्त को ही सुनवाई पूरी कर ली है और फैसला सुरक्षित रख लिया गया है। किसी भी दिन निर्वाचन आयोग की ओर से अपनी अनुशंसा सीएम हेमंत सोरेन के मामले में राज्यपाल को भेजी जा सकती है। गौरतलब है कि बीजेपी नेताओं की ओर से लोक प्रतिनिधित्व कानून 1951 की धारा 9ए के तहत सीएम हेमंत सोरेन की विधानसभा सदस्यता रद्द करने की मांग की है। हेमंत सोरेन के खिलाफ रांची के अनगड़ा में पत्थर लीज लेने के मामले में नियमों की अनदेखी करते हुए भाजपा नेताओं ने राज्यपाल से शिकायत की थी, जिसके बाद राज्यपाल ने भारत निर्वाचन आयोग से मंतव्य मांगा है। इसी तरह की शिकायत बीजेपी नेताओं ने दुमका के विधायक और सीएम हेमंत सोरेन के छोटे भाई बसंत सोरेन के खिलाफ भी दर्ज करायी है, जिसमें उनपर दुमका में पत्थर खदान लीज से संबंधित एक कंपनी में साझीदार होने का आरोप है। बसंत सोरेन इस मामले में भारत निर्वाचन आयोग को पहले ही अपना जवाब भेज चुके हैं। अपने जवाब में उन्होंने कहा कि आयोग से उन्होंने कोई तथ्य नहीं छिपाया है। चुनाव के दौरान सौंपे गये शपथ-पत्र में भी इसका उल्लेख है।

ट्रिपल मर्डर से दहला खूंटी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में खूंटी जिले के सदर थाना अंतर्गत भंडरा चंडीडीह गांव में मामूली बकाये के लिए एक युवक ने अपने 70 साल के मामा, 25 साल के ममेरे भाई और रिश्ते के एक भाई की कुदाल से मार कर हत्या कर दी। मृतकों में 70 वर्षीय बितना मुंडा, 25 वर्षीय उसका बेटा सुडा मुंडा और इनका एक रिश्तेदार विकास महतो शामिल है। हत्या का खुलासा तब हुआ जब मृतक का बड़ा बेटा सोमा मुंडा सोमवार सुबह खेत जाने के लिए घर पहुंचा तो देखा कि खून से लथपथ उसके पिता बीतना मुंडा, छोटा भाई सूडा मुंडा और एक रिश्तेदार विकास महतो जमीन पर पड़ा हुआ है। वहीं, हत्याकांड को अंजाम देने के बाद आरोपी रिश्तेदार भी नशे की हालत में शव के पास कुदाल लेकर रात भर बैठा रहा। जिसके बाद घरवालों ने उसकी जमकर पिटाई के बाद पुलिस को सौंप दिया। पुलिस तीनों शवों को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक हत्यारोपी हेमंत पूर्ति शुक्रवार को मुरहू थाना के ग्राम गांव हासा गजगांव से अपने मामा बितना मुंडा के घर चंडीडीह मेहमान गया गया था। तब से वह वहीं रह रहा था। बीती रात बितना मुंडा, सुडा मुंडा, विकास महतो और आरोपी हेमंत पूर्ति एक साथ खाना खाने के बाद शराब पी उसके बाद किसी बात को लेकर इनमें विवाद हो गया। उसी दौरान हेमंत पास रखे कुदाल से तीनों को मार डाला। मृतक बितना मुंडा का बड़ा बेटा सोमा मुंडा के मुताबिक घटना रात करीब 11 बजे घटी। उसने बताया कि विकास महतो कर्रा थाना के ग्राम चिउर का रहनेवाला था, जो उसी के घर रहता था। रात में चारों एक साथ खाना-पीना करने के बाद सोने की तैयारी में थे उसी ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

- नशे की हालत में घटना को अंजाम देने की बात आयी सामने
- मामूली बकाये के लिए मामा, भाई सहित तीन को कुदाल से काट डाला

निर्वाचन को रद्द करने के सुखदेव भगत की याचिका पर सुनवाई

रांची। लोहरदगा विधायक रामेश्वर उरांव के निर्वाचन को चुनौती देनेवाली कांग्रेस नेता सुखदेव भगत की चुनाव याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में रामेश्वर उरांव की ओर से सुखदेव भगत के द्वारा चुनावी दस्तावेज प्रस्तुत करने से संबंधित मांग के आलोक में जवाब दाखिल करने के लिए समय की मांग की गयी। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति गौतम कुमार चौधरी की अदालत ने रामेश्वर उरांव के अधिवक्ता को समय प्रदान करते हुए मामले की सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। याचिका में सुखदेव भगत की ओर से कहा गया है कि वर्ष 2019 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान रामेश्वर उरांव ने नामांकन पत्र में बताया था कि उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं है।

राज्यभर के साइबर अपराधियों की संपत्ति जब्ती की तैयारी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में साइबर अपराध पर नकेल कसने के लिए बड़ी कवायद की जा सकती है। राज्य पुलिस ने तकरीबन 40 कुख्यात साइबर अपराधियों की संपत्ति का ब्यौरा तैयार किया है। साइबर अपराध में संलिप्तत लोगों के खिलाफ ईडी से पत्राचार किया गया है, ताकि उनके खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के संगत धाराओं के तहत कार्रवाई की जा सके। राज्य पुलिस के पास संपत्ति जब्ती का अधिकार नहीं होता, लेकिन ईडी पीएलएमए के तहत अपराध से अर्जित संपत्ति को जब्त कर सकती है। ऐसे में राज्य सीआईडी ने देवघर, जामताड़ा समेत अन्य जिलों के चिन्हित बड़े साइबर अपराधियों की सूची तैयार की, इसके बाद उनके द्वारा अर्जित अचल संपत्तियों का भी पता लगाया गया है। सीआईडी ने पूरा विवरण पुलिस मुख्यालय को भेजा था। इसके बाद इस संबंध में राज्य पुलिस मुख्यालय ने पत्राचार किया है।

केंद्रीय दल ने किया था दौरा : बीते माह केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

- राज्य पुलिस ने ईडी को भेजा है प्रस्ताव
- पूर्व में भी ईडी कर चुकी है साइबर अपराधियों पर दबिश

सीएम की पत्नी के नाम फर्जी ट्विटर अकाउंट, पुलिस छानबीन में जुटी

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन के नाम से फर्जी ट्विटर अकाउंट बनाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में रांची के गोंदा थाने में सीएम हाउस की ओर से लिखित शिकायत की गयी है, जिसमें बताया गया है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन का फोटो का इस्तेमाल कर ट्विटर अकाउंट हैंडल किया जा रहा है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गयी है। मुख्यमंत्री आवास की तरफ से थाने में दिये गये आवेदन के अनुसार अज्ञात व्यक्ति ने कल्पना सोरेन की तस्वीर का इस्तेमाल करते हुए फेक अकाउंट बनाया है। मामले की जानकारी जब कल्पना सोरेन को हुई, तो उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस के वरीय अधिकारियों को दी। शिकायत मिलने के बाद रांची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। कल्पना सोरेन के नाम से आईडी बनानेवाले की पहचान करने में पुलिस जुटी है। तकनीकी टीम इस बात का पता लगाने में जुटी है कि किस आईपी एड्रेस से फेक आईडी बनाया गया है। बताया गया है कि कल्पना सोरेन का फोटो लगाये गये आईपी एड्रेस से कई अलग-अलग यूजर आईडी बनाये गये हैं और इनके माध्यम से कई ट्विट भी किये गये हैं। वहीं, कल्पना सोरेन की तस्वीर को देखकर कई लोगों ने उन्हें फॉलो भी किया और तेजी से उन्हें फॉलो करनेवालों की संख्या बढ़ रही थी, लेकिन जैसे ही मीडिया में उनके नाम से फेक आईडी बनाने की खबर आयी, लोगों ने अनफॉलो करना शुरू कर दिया।

राहुल नहीं बनेंगे कांग्रेस अध्यक्ष

- नया अध्यक्ष चुने जाने तक सोनिया ही रहेंगी अध्यक्ष
- मदद के लिए दक्षिण व उत्तर से बनाये जा सकते हैं दो कार्यकारी अध्यक्ष या उपाध्यक्ष

- ब्यूरो

नयी दिल्ली। राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष बनने से मना कर दिया है। वह किसी भी हालत में अध्यक्ष बनने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में गांधी परिवार से बाहर के किसी ऐसे व्यक्ति को अध्यक्ष चुनने की कोशिश होगी जो देशभर में जाना जाता हो और केंद्रीय सत्ता सर्वोच्च व ईडी, आयकर से बिना डरे लड़ सके। जब तक ऐसा व्यक्ति तय नहीं कर लिया जाता है तब तक सोनिया गांधी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनी रहेंगी, लेकिन उनकी मदद के लिए एक कार्यकारी अध्यक्ष उत्तर भारत से और एक दक्षिण भारत से बनाया जा सकता है। कार्यकारी अध्यक्ष की जगह उपाध्यक्ष भी बनाया जा सकता है। चर्चा है कि कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर कर्नाटक से मल्लिकार्जुन खड़गे और केरल से रमेश चेनिथला का नाम आगे आ रहा है। मालूम हो कि खड़गे फिलहाल राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। वह दलित हैं और गांधी परिवार के करीबी हैं। वह लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता भी रह चुके हैं। रमेश चेनिथला केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रह चुके हैं। वह भी गांधी परिवार के करीबी हैं। उत्तर भारत से राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का नाम चर्चा में है, लेकिन वह कार्यकारी अध्यक्ष बनने और राजस्थान छोड़ दिल्ली जाने के लिए राजी नहीं हो रहे हैं। यही हालत सचिन पायलट की है।

नड्डा विदा होंगे या कार्यकाल एक वर्ष बढ़ेगा?

विदा होंगे तो संघ अपने आदमी के लिए अड़ेगा या मोदी अपने चहेते को बनवायेंगे?

- कृष्णमोहन सिंह

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल 19 जनवरी 2023 को खत्म हो जायेगा। ऐसे में चर्चा शुरू हो गयी है कि सत्ताधारी पार्टी की कमान अब कौन संभालेगा? क्या नड्डा के कार्यकाल को बढ़ाया जायेगा या नये अध्यक्ष का चुनाव होगा? नया अध्यक्ष संघ का आदमी होगा या केंद्रीय सत्ता सर्वोच्च अपने किसी आदमी को अध्यक्ष बनवायेगा। भाजपा संसदीय बोर्ड से जिस तरह नितिन गडकरी को हटाया गया है, उसके बाद सबकी निगाह अगले भाजपा अध्यक्ष पर लग गयी है। भारतीय जनता पार्टी में राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव के लिए जो नियम है उसके अनुसार यह चुनाव प्रदेश संगठनों के चुनाव के बाद होता है। नियम के अनुसार यदि 50 प्रतिशत राज्यों में संगठन का चुनाव हो गया है तो राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कराया जा सकता है। एक राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल तीन वर्ष के लिए होता है। नड्डा को 20 जनवरी 2020 को भाजपा अध्यक्ष चुनाव गया और पद संभाले। उनका तीन वर्ष का कार्यकाल 19 जनवरी 2023 को पूरा हो रहा है। पार्टी के संविधान की धारा 21 के अनुसार, कोई भी व्यक्ति तीन-तीन साल के दो कार्यकाल तक ही भाजपा का अध्यक्ष रह सकता है। ऐसे में यदि मोदी चाहें तो नड्डा को फिर तीन वर्ष के लिए भाजपा अध्यक्ष बनाया जा सकता है, लेकिन 2023 के बाद भाजपा में बहुत उठा-पटक होने की संभावना है। ऐसे में आगे संघ के बड़े नेता के रूख पर निर्भर करता है कि क्या रूख अपनाते हैं। वैसे तो केंद्रीय सत्ता के दो की मनमानी को लेकर संघ में चर्चा शुरू हो गयी है।

देश के सभी 23 एम्स के बदले जायेंगे नाम!

स्थानीय नायकों के नाम पर रखने की तैयारी में सरकार

नयी दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने दिल्ली समेत सभी 23 एम्स का नाम स्थानीय नायकों, स्वतंत्रता सेनानियों, क्षेत्र की ऐतिहासिक घटनाओं अथवा स्मारकों के नाम पर रखने का प्रस्ताव किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा इस बाबत सुझाव मांगे जाने के बाद अधिकतर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने नामों की सूची सौंप दी है। एक अधिकारी ने बताया कि एम्स अपने सामान्य नाम से जाने जाते हैं और केवल उनके विशिष्ट स्थान से उन्हें पहचाना जाता है। बता दें कि कई एम्स संचालन में हैं जबकि अन्य प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के तहत स्थापित किये जा रहे हैं। सूत्र ने बताया कि इस संबंध में विभिन्न एम्स को विशिष्ट नाम देने के संबंध में सुझाव मांगे गये थे, जिन्हें स्थानीय या क्षेत्रीय नायकों, स्वतंत्रता सेनानियों, क्षेत्र की विशिष्ट भौगोलिक पहचान से जोड़ा जा सकता है, जहां संबंधित एम्स स्थित है। माना जाता है कि अधिकांश एम्स ने सुझाये गये नामों के लिए व्याख्यात्मक नोट के साथ तीन से चार नामों का सुझाव दिया है। छह नये एम्स - बिहार (पटना), छत्तीसगढ़ (रायपुर), मध्य प्रदेश (भोपाल), ओडिशा (भुवनेश्वर), राजस्थान (जोधपुर) और उत्तराखंड (ऋषिकेश) को पीएमएसएसवाई के पहले चरण में मंजूरी दी गयी थी और इनका संचालन पूरी तरह शुरू हो चुका है। वहीं, 2015 और 2022 के बीच स्थापित 16 एम्स में से 10 संस्थानों में एमबीबीएस और ओपीडी की सेवाएं शुरू की गयी हैं, जबकि अन्य दो में केवल एमबीबीएस कक्षाएं शुरू की गयी हैं। शेष चार संस्थान निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।

अब बिना पीएचडी व नेट के बनाये जा सकते हैं प्रोफेसर

सत्ताधारी पार्टी से जुड़े लोगों की बल्ले-बल्ले

- ब्यूरो

नयी दिल्ली। अब लोग विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में बिना पीएचडी व नेट के भी प्रोफेसर बन सकते हैं। यूजीसी के नये फैसले के बाद अब प्रोफेसर बनना आसान हो गया है। इसके लिये आपके पास एकेडमिक डिग्री का होना जरूरी नहीं है। 18 अगस्त, 2022 को आयोजित यूजीसी की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गयी। इसके तहत इंडस्ट्री से जुड़े एक्सपर्ट भी देश के संस्थानों में सेवाएं दे सकेंगे। इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने से आईआईटी और आईआईएम के बाद यूजीसी ने प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस योजना लागू कर दी है। अलग-अलग क्षेत्रों के एक्सपर्ट बिना नेट और पीएचडी के बतौर प्रोफेसर दो साल तक यूनिवर्सिटी में क्लास ले सकेंगे। इस खबर के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। अंशु वाजपेयी नाम के यूजर ने लिखा, फर्जी डिग्री से नेता और अब आप देश में बिना डिग्री के प्रोफेसर बनेंगे, यानी शिक्षा पर आधारित नहीं बल्कि विचारों पर आधारित चयन होगा। वैसे सरकार ने आईआईटी और आईआईएम में पहले ही प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस योजना लागू की हुई है। कांग्रेस से जुड़े कई संगठनों ने इसे एक और मास्टर स्ट्रोक बताकर सरकार पर तंज कसा है। बसंत कुमार नाम के यूजर ने लिखा कि कई डिग्रियां ले लो, अपने-अपने घर के मुख्य जगह में टांगने के लिए, इधर बिना परीक्षा के प्रत्येक वर्ष 400 आईएएस लैटरल एंट्री से और विश्वविद्यालयों में अब प्रोफेसर बिना डिग्री के बन सकते हैं। मौज कर दी केंद्र सरकार ने, तो एक यूजर ने लिखा कि ठीक ही तो है, कौन सा पढ़ लिख कर नौकरी मिलने वाली है, बस दिल को तसल्ली मिली रहेगी कि डिग्री है मेरे पास! मालूम हो कि अभी तक यूजीसी मान्यता प्राप्त केंद्रीय विश्वविद्यालय, राज्यों के विश्वविद्यालयों समेत यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर के लिए योग्यता में नेट और पीएचडी होना जरूरी होता था लेकिन अब प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस योजना लागू होने से इसकी जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे म्यूजिक, नृतक, इंडस्ट्री समेत कई क्षेत्रों के एक्सपर्ट प्रोफेसर बन पायेंगे।

पलामू रेडक्रॉस सोसाइटी में तीन साल बाद भी नहीं हो पाया चुनाव

जरूरतमंदों को नहीं मिल रहा लाभ, पुरानी कमिटी को भंग नहीं किया

अमर नाथ सोनी

मेदिनीनगर। शहर के प्रसिद्ध एक मात्र भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की पलामू शाखा के कार्यकाल को समाप्त हुए तीन साल से भी ज्याद समय हो गया है। लेकिन अभी तक ना तो पूर्व की कमेटी भंग की गयी और ना ही नई कमेटी के लिए चुनाव ही कराया गया है। अजीब तो ये है कि अभी तक इसमें चुनाव कराने की कोई प्रक्रिया तक शुरू नहीं की गई है। सोसाईटी की ओर से पिछले छह वर्षों में एक भी वार्षिक आम सभा (एजीएम) तक नहीं बुलायी गयी। जबकि सोसाईटी के संविधान में स्पष्ट उल्लेख है कि वर्ष में एक बार एजीएम बुलाना अनिवार्य है। ज्ञात हो कि भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष उपायुक्त होते है। जबकि पूर्व के उपायुक्त के द्वारा भी इस दिशा में कोई पहल नही किया गया ।

एक भी बैठक नहीं हुई : सोसायटी की बैठक नही होने से सोसाइटी के कार्यों का लेखा-जोखा या वित्तीय प्रबंधन के बारे में सोसाइटी के किसी सदस्य को कोई जानकारी नहीं है। सदस्यों को तो यह भी पता नहीं है कि वर्तमान समय में सोसाइटी के

कितने सदस्य हैं। 11 दिसंबर 2016 को पलामू के तत्कालीन उपायुक्त अमित कुमार ने रेडक्रास सोसाइटी की पलामू शाखा का चुनाव इसलिए कराया था। उन्हें उम्मीद थी कि नयी कमिटी समाज को अपनी कार्यशैली से प्रभावित करेगी लेकिन कोई सकारात्मक परिणाम नही निकल पाया। स्थानीय लोग बताते हैं कि चुनाव के पूर्व की कमिटी इस कमिटी से ज्यादा सक्रिय थी।

जरूरतमंदों को नही आ रहा काम : रेड क्रॉस सोसाइटी का गठन जरूरतमंदों को किफायती मूल्य में उपचार की सुविधा प्रदान करने के लिए की गई थी लेकिन अभी सोसायटी की ओर से जरूरतमंदों का कोई भी कार्य नहीं किया जा रहा है। यहां केवल एक्सरे का काम रेड क्रॉस सोसाइटी में किया जा रहा है वह भी मनमाने ढंग से ही किया जाता है। रेड क्रॉस सोसाइटी में ग्रामीण क्षेत्र के लोगों एक्सरे का लाभ लेने आते है। लेकिन वह एक्सरे के रिपोर्ट से संतुष्ट भी नहीं होते हैं और किसी प्राइवेट में जाकर ही अपना एक एक्सरे करवाना पसंद करते हैं। इस प्रकार का सकते हैं कि रेड क्रॉस सोसाइटी केवल नाम मात्र का बचा रह गया है।

तीन विंग में अब केवल एक विंग ही बचा

सोसाइटी के पास स्वास्थ्य के क्षेत्र की तीन महत्वपूर्ण विंग कमिटी के पास थी। पहला ब्लड बैंक ,दूसरा आरोग्य सदन और तीसरा एक्सरे सेंटर। हालांकि चुनाव के बाद बनी नयी कमिटी इन धरोहरों को नही संभाल सकी और दो विंग को खो दिया। वर्तमान समय में ब्लड बैंक और आरोग्य सदन सोसाइटी के हाथ से निकल कर स्वास्थ्य विभाग के पास चला गया है। अब सोसाइटी के पास केवल एक्सरे सेंटर रह गया है, वह भी जरुरतमंदों के कितने काम आ रहा है, किसी को नहीं पता।

न्यूज गैलरी

पलामू डीसी का फेक आईडी बनाने वाले पर एफआईआर दर्ज

मेदिनीनगर। पलामू डीसी ए. डोडे के नाम का फेक आईडी बनाकर सोसल मीडिया पर लोगों को दिग्भ्रमित करने वाले अज्ञात व्यक्ति पर आज उपायुक्त के निर्देशानुसार साईबर थाना में एफआईआर दर्ज कर दिया गया है। इस आशय का एफआईआर कार्यपालक पदाधिकारी कपिलदेव ठाकुर ने दर्ज करायी है। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि एक अजनबी जिसका मोबाईल नम्बर 7488449135 है उसने कुछ दिन पहले पलामू के नए डीसी ए. डोडे के नाम से एक फर्जी आईडी बनाकर सोसल मीडिया पर एकाउंट खोला और उसमें डीसी की तस्वीर डाल दी तथा इस फेक एकाउंट का दुरूपयोग करते हुए अज्ञात कर्मी ने सोसल मीडिया पर आमलोगों से चंदा का कलेक्शन के लिए संदेश ही भेजना शुरू नहीं किया। बल्कि सोसल मीडिया के जरिये डीसी के अधीनस्थ पदाधिकारियों को भी हड़काना शुरू कर दिया। उदाहरण के तौर पर डीसी के फेक आईडी से टूटी-फूटी अंग्रेजी में नजारत उप समाहर्ता शैलेश कुमार सिंह से ही कैफियत लेना शुरू कर दिया कि इस वक्त आप कहां हैं, आपका लोकेशन क्या है? बाद में जब यह फेक आईडी प्रशासन की पकड़ में आया तब डीसी ने इसे गंभीरता से लेते हुए आज अपने मातहत अधिकारी के माध्यम से एफआईआर दर्ज कराया है। समझा जा रहा है कि जल्द ही फेक आईडी नम्बर का खुलाशा हो जायेगा और आरोपी का चेहरा सामने होगा। ज्ञातव्य हो कि इससे पहले तत्कालीन डीसी शशि रंजन के नाम पर भी फेक आईडी बनाया गया था। ऐसी घटनाओं के शिकार पलामू में अक्सर बड़े अधिकारी होते आ रहे हैं तब है कि इसपर बड़ा एक्शन नहीं होने की वजह से शरारती तत्वों की हरकत लगातार बढ़ती जा रही है। अब जब पलामू के नए डीसी ने तुरंत एक्शन लिया है तो समझा जा रहा है कि ऐसी घटनाओं में आने वाले समय में ब्रेक लगने की गुंजाईश है।

मुखिया ने धोती-साड़ी-लूंगी का किया वितरण

मेदिनीनगर। सदर प्रखंड मुख्यालय स्थित जन वितरण प्रणाली के दुकानदार हृदया तिवारी और सदर प्रखंड के मुखिया अध्यक्ष अनुज कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में रजवाडी पंचायत अंतर्गत राशन कार्ड धारियों के बीच सोमवार को सोना सोबरन के तहत झारखंड सरकार द्वारा 10 रुपये में दिये जाने वाली धोती, साड़ी, लूंगी का वितरण किया। मौके पर उपस्थित अनुज कुमार त्रिपाठी ने कहा कि गरीबों के लिए सरकार अनेक महत्वकांक्षी योजना चलाकर घर-घर तक लोगो को लाभ पहुंचा रही है। केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा गरीबों को अनाज तथा कपड़ा देकर गरीबों को इज्जत ढकने का कार्य कर रही है। सरकार गरीबों के बीच जो कपड़ा वितरण कर रही है उसमें उत्तम क्वालिटी की सुधार लाने की जरूरत है ताकि गरीब ही धोती साड़ी लूंगी का इस्तेमाल कर सकें। मौके पर उप मुखिया प्रभात रंजन पांडे सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बसपा ने किया समीक्षा बैठक

उंटारी रोड। जिले के उंटारी रोड प्रखंड अंतर्गत स्थित डेवडर अंबेडक भवन के प्रांगण में बहुजन समाज पार्टी ने प्रखंड स्तरीय समीक्षा बैठक किया। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष विजय राम ने किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बसपा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार ने संबोधन मे पार्टी के साथ मजबूती से बने रहने के लिए सभी लोगों से आग्रह किया। वहीं विशिष्ट अतिथि बसपा के झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष सह पूर्व विधान सभा प्रत्याशी राजन मेहता ने कहा की बसपा समाज के सभी वर्गों के उत्थान एवं कल्याण के लिए सदैव तात्पर रहती है। आगे उन्होंने कहा की कुछ मनुवादी किस्म के लोग बहुजन समाज पार्टी को जाती विशेष पार्टी का नाम देते है। मैं (राजन मेहता) उन्हे बताना चाहता हूँ की ये कोई जाती विशेष पार्टी नहीं है। इस पार्टी मे सभी जाती धर्म के लोग जुड़े हैं। और सभी मिल कर पार्टी को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में विशेष रुप से उपस्थित बसपा के प्रदेश सचिव कृष्णा दुबे, बसपा के पलामू जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता, बसपा के गढ़वा जिला महासचिव सुदेश्वर राम, राष्ट्रीय नाई महासभा जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र ठाकुर, पंचायत समिति पति सुदामा राम, उप मुखिया दुर्गेश रवि ,बलराम रवि, पंचायत समिति सदस्य गुड्डू मेहता, उंटारी रोड प्रखंड प्रमुख पति तरुण वर्मा के साथ सकड़ों लोग उपस्थित रहे।

साड़ी-धोती व लूंगी किया वितरण

पाटन। झारखंड सरकार के महत्वकांक्षी योजना सोना सोबरन धोती साड़ी योजना का वितरण जन वितरण प्रणाली दुकान पाटन के ग्राम बसदह में किया गया। वहीं जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष उमाशंकर सिंह व डीलर अध्यक्ष शेषनाथ सिंह के द्वारा कार्ड धारियों तथा गरीब बुजुर्गों के बीच धोती साड़ी लूंगी का वितरण किया गया। जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि यह योजना झारखंड सरकार की है। पूरे पाटन प्रखंड में सभी जन वितरण प्रणाली दुकान के डीलरों को धोती साड़ी लूंगी वितरण करने के लिए दिया गया है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोग पैसा के अभाव में अपना कपड़ा खरीदने में असमर्थ रहते हैं। पैसा के अभाव में सालों साल तक कपड़ा नहीं ले पाते हैं। परंतु मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का महत्वकांक्षी योजना सोना सोबरन धोती के तहत सभी गरीब परिवार के लोगों को 10 रुपये में धोती साड़ी और लूंगी दिया जा रहा है। ताकि ग्रामीण क्षेत्र का कोई भी महिला या पुरुष बिना कपड़े के ना रह सके।

पीपरा पुलिस ने पांच फरार वारंटियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। पुलिस अधीक्षक पलामू के निर्देश पर पीपरा थाना पुलिस ने रविवार को समकालीन अभियान के तहत पीपरा प्रखंड के अलग-अलग मामले में फरार पांच वारंटी को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया। इसमें हत्या के मामले में डिहरिया गांव के वारंटी अरविंद भुंईया, डायन बिसाही मामले में मधुबाना गांव के युगत रजवार, अवैध महुआ शराब मामले में तेंदुई गांव के महेंद्र राम चंद्रवंशी, अंबा झरना गांव के नवदीप साव, कालीपुर गांव के अर्जुन राम को गिरफ्तार किया गया था। थाना प्रभारी सूरज चेल ने बताया कि इन सभी व्यक्ति के खिलाफ न्यायालय से वारंट निर्गत किया गया था। यह काफी दिनों से फरार चल रहे थे। जिसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। छापामारी दल में थाना प्रभारी सूरज चेल के अलावा एसआई अजय कुमार सिंह, अभय आनंद, पिनियस मुंडा, एएसआई कुशेश्वर सिंह और आईआरबी 3 के जवान शामिल थे।

सतबरवा में मात्र दस प्रतिशत धान की रोपनी

नवीन मेल संवादाता

सतबरवा। प्रखंड में 10प्रतिश धान की रोपनी अब तक हुई है। परन्तु जिला प्रशासन इसे झूठलाने का प्रयास करते हुए सतबरवा प्रखंड में 35 से 40 % धान की रोपनी होंने की बात कह रही है। जो सरासर गलत है। उक्त बातें सोमवार को भाजपा पलामू जिला युवा मोर्चा सदस्य आशीष कुमार सिन्हा ने कही। उन्होंने जिला प्रशासन व सरकार से सतबरवा प्रखंड को अविलंब सुखाड़ क्षेत्र घोषित करने की मांग की है। सिन्हा ने कहा कि सतबरवा प्रखंड अंतर्गत 10 पंचायत है। प्रखंड के पांच पंचायत दुलसुलमा, सतबरवा, रबदा, पोंची, बारी पंचायत के आधे भाग से भी कम क्षेत्र में मलय नहर के पानी से सिंचाई होता है। 5 पंचायत के आधे भाग तथा शेष पांच पंचायत में सिंचाई की समुचित व्यवस्था नहीं है। फल स्वरूप इस वर्ष धान की रोपनी नहीं हो पाई है। कुल मिलाकर पूरे प्रखंड क्षेत्र में मात्र 10% ही धान की रोपनी हो पाई है। इसे झूठलाते हुए जिला प्रशासन 35 से 40% धान की रोपनी होंने की बात कर रही है, जो सरासर गलत है, झूठ है। श्री सिन्हा ने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ प्रशासनिक पदाधिकारी रह कर जमीनी हकीकत से रूबरू होंगे। तो पता चलेगा कि किसानों की हालत बहुत ही दयनीय है। जिला प्रशासन व सरकार सतबरवा प्रखंड को अविलंब सुखाड़ क्षेत्र घोषित करें। नहीं तो हम लोग आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय के 134 विद्यार्थियों को मिला प्रतिपूर्ति

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। हैदरनगर के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बभंडी में जिला परिषद सदस्य संगीता देवी, मुखिया संतोष कुमार सिंह व जितेंद्र सिंह की उपस्थिति में 134 विद्यार्थियों के बीच कोविड काल के एमडीएम के प्रतिपूर्ति राशि का वितरण किया। प्रभारी प्रधानाध्यापक आजाद हैदर सिद्दीकी ने बताया कि वर्ग एक से पांच के बच्चो को 665 रुपये की दर से 134 बच्चो को राशि दी गयी है। उन्होंने कहा कि कोविड काल की प्रतिपूर्ति राशि का लाभ सभी विद्यार्थियों को मिलना चाहिए। जिला परिषद सदस्य संगीता देवी ने कहा कि विद्यार्थी उक्त राशि का उपयोग कॉपी, कलम में कर मन लगाकर पढ़ाई करें तो उनका भविष्य उज्ज्वल होगा। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास होगा। मुखिया संतोष कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षक स्कूल समय पर आएं व जाएं। उन्होंने शिक्षको से बच्चो को संस्कारयुक्त शिक्षा देने कि बात कही। इसमें एसएमसी अध्यक्ष सनोज कुमार, साधन सेवी उमेश राम, वार्ड सदस्य अंकू सिंह के अलवा कई शिक्षक, छात्र व अभिवावक उपस्थित थे।

शिक्षक के सेवानिवृत्ति पर विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित

सेवानिवृत्त शिक्षक रामप्रवेश सिंह मधुर स्वभाव के व्यक्तित्व थे : प्रमुख

नवीन मेल संवादाता

पांकी। प्रखंड मुख्यालय के अंतर्गत आरके प्लस टू स्कूल में पदस्थापित शिक्षक रामप्रवेश सिंह के सेवनिवृति उपरांत पूर्ववर्ती छात्रों के द्वारा प्रोजेक्ट हरिवंश नारायण बालिका उच्च विद्यालय परिसर में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह का उद्घाटन पांकी प्रमुख पंचम प्रसाद, उपप्रमुख अमित कुमार चौहान, डंडार पंचायत के मुखिया प्रदुमन सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुरूआत किया। प्रोजेक्ट हरिवंश नारायण बालिका उच्च विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रणीत कुमार ठाकुर की अध्यक्षता में किया गया। वहीं कार्यक्रम का संचालन शिक्षक कलीम अंसारी के द्वारा किया गया। आयोजित समारोह में पांकी प्रमुख पंचम प्रसाद ने संबोधित करते हुए सेवानिवृत शिक्षक के विद्यालय में शिक्षा के प्रति ईमानदारी पूर्वक किये कार्य, मधुर स्वभाव और कर्तव्य निष्ठा का चर्चा किये। वहीं कहा कि सेवा में आने वाला का सेवानिवृत होना एक परंपरा है। जिसका हर किसी को पालन करना ही है। इनका शिक्षको और छात्रों से हमेशा मधुर संबंध बना रहा। आज इनका विद्यालय से जाना हम सबों के लिए काफी दुखदायी है। सबने उनकी दीघार्यु और स्वस्थ्य जीवन की कामना किया। वहीं कईयों ने कहा कि इस मौके पर इतनी भीड़ उनके स्वभाव और कर्तव्य निष्ठा का एक उपहार है। तत्पश्चात प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रणीत कुमार ठाकुर, विद्यालय शिक्षक और गणमान्य लोग द्वारा सेवानिवृत्त शिक्षक को माला पहना कर एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया, वहीं प्रधानाध्यापक, शिक्षक, शिक्षिका, छात्र छात्रा और गणमान्य लोग द्वारा कई उपहार भेंट स्वरूप दिया गया। इस मौके पर, शिक्षक बिंदेश्वरी सिंह, रामजन्म सिंह, मजदूर किसान इंटर महाविद्यालय के प्राचार्य केसरी कुमार, पूर्व शिक्षक बनारस सिंह, पूर्व शिक्षक सदानंद सिंह, प्रोफेसर राकेश सिंह, ताहिर हुसैन, राकेश कुमार, कमलेश सिंह, ओंकार नाथ पाठक, अजय सिंह, तुलेस्वर यादव सहित कई शिक्षक, गणमान्य लोग और छात्र छात्रा उपस्थित थे।

निगम तैलीक साहू समाज संगठन का गठन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। तैलिक साहू समाज पलामू के द्वारा नगर निगम तैलिक साहू समाज संगठन निर्माण हेतु बैठक का आयोजन जिला अध्यक्ष ललन साहू के पर्यवेक्षण में रेड़मा स्थित 1 इंडिया फैमिली मार्ट के ग्राउंड फ्लोर पर आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता दानवीर साहू ने किया। बैठक का संचालन पवन कुमार गुप्ता ने किया। बैठक के मुख्य अतिथि प्रमंडलीय अध्यक्ष राम दास साहू के सुपुत्र अनिल साहू थे। उपस्थित सभी अतिथियों को माला पहनाकर स्वागत किया गया। जिला सचिव अजय साहू ने कमेटी चुनाव के प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए सभी के सर्वसम्मति के द्वारा निम्नलिखित कमेटी के लोगों का चुनाव किया गया। जिसमें संरक्षक दानवीर साहू, नागेंद्र कुमार ऊर्फ नागिन ,सुरेश आनंद, महेश साहू और राजेश कुमार गुप्ता ऊर्फ छोटू बाबू,अध्यक्ष दिनेश गुप्ता(पूर्व सैनिक) सचिव पवन कुमार गुप्ता(शिक्षक) सह सचिव- रमेश कुमार साहू,कोषाध्यक्ष सुनील कुमार गुप्ता,उप कोषाध्यक्ष-प्रेम कुमार ऊर्फ छोटू,उपाध्यक्ष-श्री संतोष कुमार गुप्ता, श्री अखिलेश प्रसाद और संतोष कुमार उर्फ सिपाही जी।संगठन मंत्री,शंकर प्रसाद और छोटू जी सह संगठन मंत्री दया नंद प्रसाद,मीडिया प्रभारी प्रियदत्त देव उर्फ छोटू सह मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार को बनाया गया।कार्यकारिणी सदस्य राजेश आनंद ,महेंद्र प्रसाद, मुरली साहू ,नंदलाल प्रसाद, अभिषेक कुमार गुप्ता अभिषेक कुमार गुप्ता उर्फ अंकित कुमार सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए।

आज होगी नियोजन नीति पर सुनवाई

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड सरकार के द्वारा बनाये गये नये नियोजन नीति पर आज हाईकोर्ट में सुनवाई होगी। सुनवाई हाई कोर्ट के मुख्य न्यायधीश के बेंच में होगी। पिछले सुनवाई में कोर्ट के द्वारा आंशिक सुनवाई हुई थी। पूर्व में सुनवाई के दौरान सरकार के वकील के द्वारा कोर्ट को हिंदी भाषा को शामिल करने पर विचार करने का बात कही गई थी। गौरतलब है कि सरकार के द्वारा बनाई गई नई नियोजन नीति में राज्य से ही 10वीं और 12वीं पास करने की बाध्यता को रखी गई है। इसके साथ ही हिंदी भाषा को भी नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल नही किया गया है। जिसे लेकर रमेश हांसदा सहित कई अभ्यर्थियों ने कोर्ट में याचिका लगाई है। नई नियोजन नीति के कारण कई परीक्षाओं का तिथि नही जारी किया गया है। आज नियोजन नीति से संबंधित पांच याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की जायेगी। उधर पुराने नियोजन नीति पर भी सुप्रीम कोर्ट से फैसला आ गया है। जिसमे पुराने नियोजन नीति को रद्द कर दिया गया है। हाई कोर्ट के सुनवाई को लेकर सभी अभ्यर्थियों की नजर लगी हुई है वही नियोजन नीति के स्पष्ट हो जाने से कई नियुक्ति का भी रास्ता साफ होगा।

हैदरनगर में दुगार्पूजा की तैयार की रुपरेखा तैयार

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हैदरनगर में दुर्गा पूजा भव्य मनाने को लेकर समिति के सदस्यों ने राम मंदिर में बैठक कर रुपरेखा बनाने में जुट गये है। इस वर्ष भव्य दुर्गा पूजा के साथ पारंपरिक नवरात्र में नवाह परायण महायज्ञ करने का निर्णय लिया गया। समिति के संरक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि इस वर्ष भव्य दुर्गा पूजा के लिये माता की प्रतिमा का निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में गत दो साल से सांकेतिक तौर पर पूजा किया गया। लेकिन इस वर्ष हर्षोल्लास दुर्गा पूजा मनाई जायेगा। बैठक में समिति अध्यक्ष पवन कुमार जयसवाल, उपाध्यक्ष संतन चौधरी, सचिव प्रशांत कुमार मेहता, उपसचिव मुकेश कुमार, कोषाध्यक्ष रत्नेश कुमार के अलावा सक्रिय सदस्य रामप्रवेश मेहता, नंदलाल प्रसाद, अरुण कुमार, मोहन कुमार, वीरेंद्र प्रसाद सहित अन्य युवा शामिल हैं।

हरिहरगंज व पिपरा के सरोज व रविंद्र बने विधायक प्रतिनिधि

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। हरिहरगंज राकांपा प्रखंड अध्यक्ष सरोज प्रसाद कुशवाहा को हरिहरगंज नगर पंचायत क्षेत्र के लिए जबकि पिपरा प्रखंड के लिए रविंद्र कुमार सिंह को विधायक प्रतिनिधि बनाया गया है। पूर्व मंत्री सह हरिहरगंज-हुसैनाबाद विधायक कमलेश कुमार सिंह ने पत्र जारी किया है। नवनियुक्त विधायक प्रतिनिधि सरोज प्रसाद कुशवाहा व रविंद्र कुमार सिंह ने कहा कि जिस भरोसे के साथ मुझे यह जिम्मेवारी दी गयी है। उसका पूरी ईमानदारी के साथ निर्वह्न करूंगा। सरोज प्रसाद कुशवाहा तथा रविंद्र कुमार सिंह के विधायक प्रतिनिधि बनने पर कई लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। बधाई देने वालों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष अखिलेश मेहता, जिला सचिव अजय कुमार सिंह, अल्पसंख्यक प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद असलम, अल्पसंख्यक प्रखंड उपाध्यक्ष मो. जमील अहमद, मो. आबिद उर्फ मुन्ना, ओबीसी प्रकोष्ठ के कामदेव शर्मा, मो. बबलू कुमार सिंह, सुनील कुमार सिंह, जनेश्वर भुईयां, अरविंद पांडेय, भोला सिंह, सुनील ठाकुर, उपेंद्र मेहता, अरविंद मेहता, रविंद्र, विषम ठाकुर, संजीव पासवान सहित कई लोगों का नाम शामिल है। इस मौके पर विनय कुमार सिंह उर्फ बीनू सिंह, अजीत सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, पलामू।
ई0टेन्डर अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई0-निविदा संख्या-EE/RDSD/PALAMAU-05/2022-23

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	निविदा शुल्क रू0	अग्रधन की राशि रू0	कार्य पूर्ण करने के समय
1	2	3	4	5	6
1.	पलामू मनातू रोड के प्रखण्ड-सह-अंचल कार्यालय भवन एवं संबंधित आवासीय भवन का मरम्मति निर्माण कार्य।	1254988.86	2500.00	25500.00	02 माह।
2.	पलामू नौडीहा बाजार के प्रखण्ड-सह-अंचल कार्यालय भवन एवं संबंधित आवासीय भवन का मरम्मति निर्माण कार्य।	1262722.00	2500.00	25500.00	02 माह।
3.	पलामू पड़वा के प्रखण्ड-सह-अंचल कार्यालय भवन एवं संबंधित आवासीय भवन का मरम्मति निर्माण कार्य।	1273200.93	2500.00	25500.00	02 माह।
4.	पलामू हैदरनगर के प्रखण्ड-सह-अंचल कार्यालय भवन एवं संबंधित आवासीय भवन का मरम्मति निर्माण कार्य।	1274846.51	2500.00	25500.00	02 माह।

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :- 25.08.2022
2. ई-निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :- 01.09.2022 अपराह्न 5.00 बजे तक।
3. कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, पलामू के प्रतिनिधि द्वारा पुलिस अधीक्षक के कार्यालय परिसर में के कार्यालय में निविदा शुल्क, अग्रधन की राशि, शपथ, पत्र के मूल प्रति एवं अपलोड किये गये योग्यता दस्तावेज की एक प्रति जमा करने की तिथि एवं समय 02.09.2022 को अपराह्न 3.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय 03.09.2022 अपराह्न 02.00 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :- कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रममण्डल, पलामू।
6. ई-निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0-9304798195
7. निविदा शुल्क भारतीय स्टेट बैंक द्वारा निर्गत बैंक ड्राफ्ट/बैकर्स चेक के रूप में कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, पलामू के पक्ष में, जो भारतीय स्टेट बैंक डालटनगंज शाखा में भुगतेय होगा जो लौटाया नहीं जायेगा।
8. निविदादाता के यू-केन रजिस्ट्रेशन की फोटोकॉपी अपलोड़ करना अनिवार्य है।
9- Form of Bid and Bill of Quantity में दर भिन्न रहने पर संबंधित निविदादाता की निविदा अमान्य समझा जायेगा।
10. प्राक्कलित राशि घट-बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
11. विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट Jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल पलामू।

PR 276118 Rural Development(22-23)D

कार्यालयः कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) लातेहार
संयुक्त जिला कृषि कार्यालय भवन, कीनामाड़, लातेहार-829206
Website :- www.atmalatehar.in Email :- atmalatehar@gmail.com
Phone No.06565-295114

संविदा आधारित नियुक्ति हेतु विज्ञापन का शुद्धि पत्र

SUB MISSION ON AGRICULTURAL EXTENSION (SMAE) UNDER NATIONAL MISSION ON AGRICULTURAL EXTENSION & TECHNOLOGY (NMAET)

नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एण्ड टेक्नोलोजी योजना अन्तर्गत प्रकाशित विज्ञापन संख्या-**PR-257881 Agriculture (21-22)_D** दिनांक 27.11.2021 द्वारा लातेहार जिला के स्थानीय निवासियों से ही आवेदन की माँग की गई थी। सरकार के अपर मुख्य सचिव, कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार के संकल्प संख्या-8468 दिनांक 20.11.2018 एवं संकल्प संख्या-821 दिनांक 05.02.2021 के पारा-3 में माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय के वृहद पीठ के द्वारा पारित न्यायादेश के आलोक में आंशिक संशोधन करते हुए लातेहार जिला के निवासी होने की बाध्यता को समाप्त किया जाता है एवं झारखण्ड राज्य के स्थानीय निवासियों से आवेदन प्राप्त करने की तिथि 12.09.2022 तक विस्तारित की जाती है।

क्र० सं०	पद का नाम	रिक्त पदों की संख्या	शैक्षणिक योग्यता	कार्य अनुभव	सेवा का आधार	संविदा अवधि (अधिकतम एक वर्ष)	एकमुश्त मासिक परिलब्धि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Block Technology Manager (BTM)	7	Post Graduate in Agriculture/Allied Sector with Computer Skill	Minimum 2 years field experience in Agriculture Related activities.	Contractual	One Year	Consolidated Rs. 30000/p.m. (Rs.25000+5000)
2	Assistant Technology Manager (ATM)	19	Graduate/Post Graduate in Agriculture/Allied Sector	Preferably One Year	Contractual	One Year	Consolidated Rs. 25000/p.m. (Rs.21000+4000)

प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक/सहायक तकनीकी प्रबंधकों की श्रेणीवार रिक्तियाँ

क्र० सं०	पदनाम	कोटिवार रिक्त पदों की संख्या			कुल रिक्त पदों की संख्या
		सामान्य	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	
1	प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक	5	0	2	7
2	सहायक तकनीकी प्रबंधक	8	4	7	19

नोट:- 1) नियुक्ति शर्त्त एवं आवेदन पत्र प्रारूप के लिए लातेहार जिला के NIC वेबसाईट https://latehar.nic.in एवं आत्मा, लातेहार के वेबसाईट www.atmalatehar.in से प्राप्त किया जा सकता है।
2) पूर्व के विज्ञापन संख्या-PR-257881 Agriculture (21-22)_D दिनांक 27.11.2021 के आलोक में आवेदन जमा करने वाले आवेदनकर्त्ता को पुनः आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

जिला कृषि पदाधिकारी-सह-
परियोजना निदेशक आत्मा लातेहार।

PR 276083 Agriculture(22-23)D

बिल्डिंग के बावजूद पंचायत भवन में चल रहा है उप स्वास्थ्य केंद्र

टॉर्च लाइट के सहारे होती हैं प्रसव

नवीन मेल संवाददाता

सगालीम। पंचायत भवन में चल रहा है उप स्वास्थ्य केंद्र,रात के अंधेरे में होती है प्रसव। राष्ट्रीय नवीन मेल में प्रमुखता से खबर छपने के बाद पलामू उपायुक्त ने मामले की गंभीरता से लेते हुए पूरे मामले की जांच का

राष्ट्रीय नवीन मेल में छपी खबर का असर

आदेश संबंधित अधिकारियों को दिया है। अब देखना होगा कि क्या इस मामले में जांच कर दोषी लोगों पर कार्रवाई की जाती है या मामले की लीपापोती कर दिया जायेगा। पूरे मामले की जांच हेतु एक विशेष टीम का गठन की जायेगी। गठित टीम द्वारा पूरे मामले की जांच की जायेगी और दोषी पाये जाने पर संबंधित लोगों पर कार्रवाई की बात कही जा रही है। इधर पंचायत के मुखिया सुनील कुमार प्रजापति ने भी स्वास्थ्य विभाग को कटघरे में लिया है। मुखिया ने आरोप लगाया है कि एएनएम आनंद ज्योति के द्वारा अपने मनमानी तरीके से पंचायत भवन में पिछले कई दिनों से उप स्वास्थ्य केंद्र का संचालन किया जा रहा है और विभाग इस पर मूकदर्शक बने हुए हैं। यदि पूरे मामले की जांच कर दोषी लोगों पर कार्रवाई नहीं होती है तो वे बहुत जल्द राज्य के स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर मामले को अवगत कराते हुए दोषी पर कार्रवाई की मांग करेंगे। बता दें कि पलामू जिले के पांकी प्रखंड के सगालीम उप स्वास्थ्य केंद्र का संचालन पंचायत भवन में की जा रही है। जिसे लेकर पंचायत के मुखिया सुनील कुमार प्रजापति ने आपत्ति जताते हुए पलामू उपायुक्त से पूरे मामले की जांच की मांग किया है। मुखिया ने बताया है कि उप स्वास्थ्य केंद्र का नया बिल्डिंग बन कर पिछले कई वर्षों से तैयार है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उक्त बिल्डिंग में उप स्वास्थ्य केंद्र शिफ्ट नहीं करा रही है। एएनएम द्वारा अपनी मर्जी से उप स्वास्थ्य केंद्र का संचालन पंचायत भवन में की जा रही है जो गंभीर मामला है। पंचायत भवन में उप स्वास्थ्य केंद्र का संचालन होने पर पंचायत भवन में आसपास गंदगी ही गंदगी फैली हुई है। जिससे पंचायत भवन में आने वाले लोगों के बीच कई बीमारी फैलने की आशंका बनी रहती है।

बिल्डिंग के बावजूद पंचायत भवन में चल रहा है उप स्वास्थ्य केंद्र, टॉर्च के लाइट के सहारे
निरीक्षण में मुखिया ने पकड़ी गड़बड़ी, पंचायत भवन में केंद्र के संचालन पर जताई आपत्ति

न्यूज गैलरी

एलीट पब्लिक स्कूल में शोक सभा का आयोजन

मेदिनीनगर। एलीट पब्लिक स्कूल चियाँकी में विद्यालय के सचिव डा. आशा सिन्हा एवं प्राचार्य की उपस्थिति में एक शोक सभा का आयोजन किया है। जिसमें ताबर गाँव के रहने वाले छात्र अमन, अकमल एवं अफसर जो इस विद्यालय चौथी, पंचमी के छात्र थे जिनकी मृत्यु गोरा गाँव स्थित माइन्स फैक्ट्री के बगल में बने गढ़े में जमा पानी में डूबने से हो गयी है। इस शोक सभा को संबोधित करते हुए सचिव डा. आशा सिन्हा ने कहा कि यह विद्यालय के लिए अपूरणीय क्षति है एवं इस दु:ख की घड़ी में बच्चे के माता-पिता एवं परिजन को ईश्वर साहस दे। साथ ही मृत आत्मा की ईश्वर शांति प्रदान करें। इस शोक सभा में विद्यालय की सभी कक्षाओं में छात्र-छात्राएं साथ ही सभी शिक्षक शिक्षिकाएं एवं पूरा विद्यालय परिवार शामिल हुआ।

पलामू असंगठित कामगार ने रैयती भूमि को बचाने की मांग की

मेदिनीनगर। पलामू असंगठित कामगार कांग्रेस के चेयरमैन अनिल कुमार सिंह ने राजस्व एवं भूमि सुधार के प्रधान सचिव को पत्र लिखकर लोक प्रयोजनार्थ अर्जित रैयती सरकारी भूमि को पूर्व भू-स्वमी द्वारा भू-माफिया के सहयोग से जल संचायन को भरकर बिक्री करने से रोकने की मांग किया गया है। पत्र के माध्यम से मांग किया गया है कि जो भूमि शाहपुर ठाकुरबाड़ी के बांध के रूप जल संचायन एवं भूमि संरक्षण हेतु सरकार अर्जित कर आम जनता के लिए तालाब सरकारी राशि से नियमित कराया गया था।वो झारखण्ड सरकार के नाम से दर्ज है। उपर्युक्त भूमि को पूर्व भू-स्वमी एवं चैनपुर अंचल द्वारा भू-अभिलेख में हेर-फेर कर तालाब का अस्तित्व मिटटी भरकर समाप्त किया जा रहा हैं। साथ ही तालाब को बदलकर जमीन समतल कर भूमि को भू-माफियाओं द्वारा बिक्री करने की साजिश की जा रही हैं। आस पास के जनता द्वारा उक्त तालाब से संरक्षित भू-जल का उपयोग किया जाता हैं। नाली वगैरह का निकास भी हैं, जिसे बन्द कर दिया जा रहा हैं। विरोध करने पर भू-मफियाओं द्वारा डराया धमकाया जा रहा हैं।जिससे आम जनता काफी डरी हुई है।उन्होंने मांग किया है की खाता की सरकारी जमीन जो सर्वे में अनाबाद झारखण्ड सरकार है उसे अतिक्रमण मुक्त करते हुए पुनः तालाब एवं बांध का निर्माण कर संरक्षित किया जाए।

बजाज का खुला शोरूम युवाओं में हर्ष

मेदिनीनगर। शहर के रांची रोड रेडमा में स्थित जेपीएस बजाज शोरूम में पल्सर का नया मॉडल एन 160 लॉन्च किया गया। पल्सर का यह नया मॉडल बाइक प्रेमी ग्राहकों में काफी आकर्षक है। बजाज शोरूम के ऑनर अभिषेक सिंह और बजाज कंपनी ने बताया कि पल्सर के लेटेस्ट मॉडल एन 160 का निर्माण नई तकनीकी और ग्राहकों की जरूरत को ध्यान में रखकर किया गया है। पल्सर का लेटेस्ट मॉडल एन 160 में डुवेल चैनल एबीसी, इनफाईनाईट डिस्प्ले, यूएसबी चार्जर, प्रोजेक्टर एलईडी हेड लैंप, अंडरबेली एग्जास्ट, जैसी आधुनिक फीचर्स और नई तकनीक से लैस है। ग्राहक इस गाड़ी की ऑनलाइन बुकिंग करा सकते हैं। जेपीएस बाजाज के शोरूम में चार आकर्षक रंगों में उपलब्ध है। तत्काल सभी गाड़ियों की बुकिंग हो चुकी है। जेपीएस बजाज शोरूम में पल्सर के नये मॉडल एन 160 की आने वाली गाड़ियों के लिए बुकिंग जारी है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 126582 रुपए मात्र है।

नाट्कीय ढंग से विवाह संपन्न

मेदिनीनगर। पांकी में घंटो ड्रामे के बाद राधा हुई दीपक की। रविवार की दोपहर करीब 2 बजे राधा रानी नामक महिला ने पिपराटाड़ थाना क्षेत्र के बिहारीखाप निवासी दीपक वैद पिता बैजनाथ बैद नामक व्यक्ति पर जबरजस्ती सिंदूर देने का आरोप लगाई थी। इस मामले में दीपक वैद द्वारा पूछे जाने के बाद उन्होंने बताया की हमलोग के बीच करीब एक वर्ष से प्रेम प्रसंग चला आ रहा है था। हमलोग दोनो को शादी करनी थी इसलिए हमलोग नाटकीय रूप दिये थे। घंटो ड्रामे के बीच एक झलक पाने के लिए हजारों भीड़ जुटी हुई थी। मौके पर पांकी पुलिस पहुँचकर मामले को शांत कराया । इसके बाद लड़के पक्ष से गाँव के प्रबुद्ध ग्रामीणों ने दोनो प्रेमी युगल को देर रात्रि लोहरसी चटी मन्दिर के प्रांगण में विधिवत पूजा अर्चना कर विवाह कराया।

पलामू में निगम का एक्शन, कई दुकानें सील

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम के द्वारा सोमवार को आज दुकानों का अधिक बकाया होने के कारण मुख्य बाजार के 28 दुकानों को एवं स्टेशन रोड वनांचल मार्केट के 04 दुकानों को सील किया गया। जिसमे निगम के अधिकारियों के साथ प्रशासन का भी सहयोग रहा। निगम के द्वारा पूर्व में भी सभी दुकानदारों को अपना बकाया जमा करने का नोटिस दिया गया था लेकिन कई दुकानदारों ने अपना बकाया जमा नही किया। जिसके उपरांत अंतिम चेतावनी देते हुए कुछ दिन पूर्व भी बकाया जमा करने की नोटिस दिया गया। जब इन दुकानदारों ने तय सीमा में भी अपना बकाया जमा नही किया तो निगम के द्वारा दुकानो को सील कर दिया गया

है। जहां वनांचल मार्केट के दुकानदारों पर लगभग दो लाख पांच हजार नौ सौ इक्कीस रुपये का बकाया है। अधिक बकाया वाले दुकानदारों का ही दुकान को सील किया गया है और बाकी कई दुकानदारों को जल्द बकाया जमा करने को कहा गया है। कई दुकानों का बकाया 20 साल से भी है तो कई दुकानों का बकाया पांच से सात साल से बकाया है। वही मुख्य बाजार के दुकानदारों पर लगभग ग्यारह लाख पचास हजार चार सौ इक्यावन रुपये का बकाया है।

किन दुकानो को किया गया सील : मुख्य बाजार में 28 दुकानदारों के दुकानों को सील किया गया है। उसमें उमर खय्याम, गुलाम कुतुब, एमडी खालिक ,रामदास साहू जगदीश प्रसाद अग्रवाल, यमुना अग्रवाल, मनोज कुमार यासीन मन्ना ,मुरली केसरी, एमडी शब्बीर ,सुरेश प्रसाद गुप्ता ,हाफिज अहमद, हैदर अली ,खान मियां ,शंभू कुमार जोखन साव, मदन प्रसाद ,मोईदुइन, अभिषेक कुमार अविनाश कुमार, वंदना देवी ,रेखा देवी ,मोतीलाल ,राजेंद्र प्रसाद ,फुलवंती देवी, अनूप कुमार, रामधनी साव का दुकान सील किया गया है।जबकिं वनांचल मार्केट में रामप्रवेश दुबे, विजेंद्र सिंह, श्याम बिहारी राय और कैलाश सिंह की दुकान को सील किया गया है।

यज्ञ समिति की बैठक में कार्यसमिति का गठन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पोलपोल में श्री राम चरित्र मानस नवाह्न परायण यज्ञ व दुर्गा पूजा महोत्सव के 45 वे अधिवेशन को सफल बनाने को ले एक बैठक पोलपोल बाजार के प्रांगण में आयोजित की गई। इसमें कार्य समिति का गठन किया गया ।साथ ही बीते बर्ष 2021 का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। सर्व समिति से पुराने कमेटी को ही इस वर्ष भी श्री राम चरित्र मानस नवाह्न परायण यज्ञ संचालन व दुर्गा पूजा के लिए चयन किया गया। इसके तहत आनंद कुमार सिंह को अध्यक्ष ,शिव कुमार सिंह उपाध्यक्ष, शशी कुमार सिंह सचिव ,उमेश प्रसाद कोषाध्यक्ष, लीलेश्वर सिंह सह सचिव, सूर्य प्रकाश सिंह भोजन मंत्री, प्रयाग राम को सुरक्षा मंत्री ,मलिक कुमार सिंह को स्वागत अध्यक्ष, महेंद्र प्रसाद को मूर्ति प्रभारी बनाया गया है।वही पूजा अध्यक्ष उमाशंकर सिंह, विनोद ठाकुर, व ओमप्रकाश सिंह को बनाया गया है। संरक्षक मंडल में रामानुज तिवारी, राम चंद्र पांडेय, ,लक्ष्मण सिंह ,संतोष कुमार पांडेय, संतोष कुमार मिश्रा, ललित कुमार सिंह सुशील कुमार सिंह, सुरेश राम ,भरदुल सिंह, अखिलेश सिंह,रामवकिशोर पाण्डेय, जय नाथ सिंह,सचिन्द्र कुमार ,बलराम पाल, विवेकानंद त्रिपाठी, नंदलाल सिंह, भोला राम, केदार सिंह, मनोज चौधरी ,नानहू विश्वकर्मा, काशी प्रसाद, चक्रवती तिवारी, सुरेश राम, आदि लोगों को संरक्षक मंडल में रखा गया है।वही चन्दा प्रभारी में विवेक सिंह, दीपक सिंह, रिंकू सिंह, संजय राम ,अमित लाल को बनाया गया है ।सजावट समिति में अरविंद गुप्ता, नीतीश कुमार ,अतुल आनंद ,अमन कुमार, मनीष कुमार ,विशाल कुमार ,अमित कुमार, सुभाष लाल, सौरभ कुमार, आशीष प्रसाद,संतन लाल, छोटू लाल, सोनू प्रसाद, रंजीत लाल, बंशीधर प्रसाद को रखा गया है।

अभाविप ने चलाया सदस्यता अभियान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। अभाविप के द्वारा 22 अगस्त से 10 सितंबर तक सदस्यता अभियान का आयोजन किया गया है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी अभाविप पूरे पलामू जिले के सभी प्रखंडों मे सदस्यता महाअभियान चलायेगी एवं अधिक से अधिक छात्रों को जोड़ा जायेगा। इस सदस्यता अभियान के नियमित पलामू जिले का प्रमुख अभय वर्मा को बनाया गया है एवं साथ ही सह प्रमुख रामा शंकर पासवान एवं रोहित देव दुबे को बनाया गया है।सदस्यता अभियान पूरे पलामू जिले के सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में चलाया जायेगा। इस मौके पर उपस्थित पलामू जिला संयोजक अभय वर्मा ने कहां की परिषद के कार्यकर्ताओं ने 12 हजार नए छात्रो को जोड़ेने का लक्ष्य रहा है। नगर सह मंत्री रामा शंकर पासवान ने कहा कि मेदिनीनगर के प्रत्येक शिक्षण संस्थानों में परिषद के द्वारा सदस्यता महाअभियान चलाया जायेगा एवं हजारों नये छात्रों को जोड़ा जायेगा। सदस्यता अभियान का उद्घाटन जिला सह संयोजक रोहित देव की अध्यक्षता में जनता शिवरात्रि महाविद्यालय में कराया गया। जिसमें सैकड़ों छात्रों ने सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर परिषद के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य विनीत पांडे, जिला एसएफडी प्रमुख गोविंद मेहता,एसएफडी सह प्रमुख सुमित पाठक, आकाश कुमार नितीश दुबे उत्कर्ष तिवारी प्रकाश पांडे अभिषेक कुमार रवि आदि सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रही।

कांग्रेस ने की महंगाई पर चर्चा कार्यक्रम

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। विश्रामपुर विधानसभा के अंतर्गत नावा, पांडू, उटारी, विश्रामपुर प्रखंड में महंगाई पर चर्चा कार्यक्रम के तहत महंगाई चौपाल का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक के नेतृत्व में लगातार आज छठा दिन सोमवार को पलामू जिला के विश्रामपुर विधानसभा के अंतर्गत नावा, पांडू, उटारी, विश्रामपुर प्रखंड में महंगाई पर चर्चा कार्यक्रम के तहत महंगाई चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष संतोष चौबे ने किया। चौपाल के माध्यम से कांग्रेस जनों ने सभी दुकानदार

भाई आम जनों एवं आम उपभोक्ताओं को आसमान छूती मंगाई के लिए जिम्मेवार मोदी सरकार की नीतियों से अवगत कराया लोगों को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने कहा कि पलामू जिला कांग्रेस कमेटी पलामू के सभी विधानसभा प्रखंडों में इस तरह के कार्यक्रम करके महंगाई पर लोगों को अवगत करा रही है। मौके पर पूर्व प्रत्याशी अमृत शुक्ला बादल संतोष चौबे ईश्वरी प्रसाद सिंह सत्येंद्र सिंह जितेंद्र कमलापुरी देवांग शुक्ला नावा प्रखंड अध्यक्ष अमीर खुर्शीद आलम पांडू प्रखंड अध्यक्ष सच्चिदानंद शुक्ला उटारी प्रखंड अध्यक्ष अशोक सिंह विश्रामपुर नगर अध्यक्ष ऋषि पांडे मिस्टर अंसारी मुखिया छोटू सिंह तपेश्वर चौधरी मुकेश यादव प्रदीप पांडे श्याम सुंदर सिंह सत्येंद्र तिवारी रिंकू सिंह पी पांडे जुमराती अंसारी डॉ. खुर्शीद विजय पासवान सुनील शुक्ल इलियास अंसारी महेंद्र ठाकुर मनी चंद्रवंशी भूषण पांडे इरशाद अहमद काफी लोग उपस्थित रहे।

रेलवे स्टेशन पर चला विशेष चेकिंग अभियान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर सोमवार को विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व टीटीई इंस्पेक्टर बीएम पांडेय कर रहे थे। इस दौरान गरीब रथ, टाटा मुरी एक्सप्रेस, सवारी गाड़ी व अन्य ट्रैनों से सफर कर रहे 50 से अधिक यात्रियों को बेगैर टिकट यात्रा कर रहे पकड़ा गया। उनसे कुल पंद्रह हजार रुपये जुर्माना के रूप में वसूला गया। टीटीई इंस्पेक्टर बीएम पांडेय ने कहां की जो यात्री बगैर टिकट पकड़े जायेंगे अब उनकी खैर नहीं है। उनसे सीधी तौर पर जुर्माना वसूला जायेगा और किसी भी हालत में उन्हें छोड़ा नहीं जायेगा। उन्होंने कहा यह अभियान लगातार डालटेनगंज, गढ़वा रोड स्टेशन आदि स्टेशनों पर चलाया जा रहा है ताकि लोग टिकट के साथ ही अपनी यात्रा करें। गौरतलब है की आये दिनों में लगातार रेलवे की ओर से बिना टिकट के यात्रा कर रहे यात्रियों का चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। जिसमे जुर्माना के साथ साथ कई यात्रियों को जेल की भी सजा दी जा रही है।

पलामू जिले में अपर लोक अभियोजक के तीन पद रिक्त

नवीन मेल संवाददाता

मेदनीनगर। पलामू जिला व्यवहार न्यायालय में अपर लोक अभियोजक व सहायक लोक अभियोजक के कमी होने के कारण न्यायिक कार्य में काफी विलंब हो रहा है। विदित हो कि पलामू जिले में 5 अपर लोक अभियोजक व एक लोक अभियोजक का पद है। इसमें जिले में मात्र 2 लोक अभियोजक और एक लोक अभियोजक आदत है। वही जिले में 12 सहायक लोक अभियोजक के पद हैं। इसमें महज दो ही सहायक लोक अभियोजक कार्यत हैं 10 पद रिक्त है 10 पद रिक्त रहने के कारण न्यायिक कार्यों में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एक-एक सहायक लोक अभियोजक 88 कोर्ट के देखरेख में हैं। प्रभार में चल रहे हैं इससे लोगों को गवाही अभियोजन कार्य करने में काफी परेशानी हो रही है कई लोगों को दूरदराज से आए हम वकीलों को बिना काम कराये वापस लौटना पड़ रहा है। विदित हो कि जिले से साफ 70 किलोमीटर दूर के ग्रामीण न्याय कार्य हेतु सिविल कोर्ट डालटेनगंज में आते हैं परंतु जब उनका काम नहीं हो पाता तो वे निराश होकर लौट जाते हैं। विदित हो कि सहायक लोक अभियोजक का पदस्थापन जिले में न्यायालय में गृह विभाग के द्वारा किया जाता है वही अपर लोक अभियोजक का भी गृह विभाग से किया जाता है परंतु विगत तीन-चार वर्षों से सहायक लोक अभियोजक और अपर लोक अभियोजक की पदस्थापना पलामू जिले में नहीं की गई है। इस संबंध में अधिवक्ताओं का कहना है कि पलामू जिले में रिक्त पड़े सहायक अभियोजक व अपर लोक अभियोजक की नियुक्ति सिद्ध करने की मांग की है ताकि लोगों को शीघ्र सुलभ न्याय मिल सके वह जरूरी कार्य बाधित ना हो अभियोजन कार्य प्रभावित ना हो।

पलामू पुलिस ने कई दिनों से सक्रिय चोर को गिरफ्तार कर भेजा जेल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू एसपी चंदन सिन्हा के आदेश पर पाकी थाना की पुलिस ने कई दिनों से चोरी की घटना को अंजाम देने वाले (चार) चोर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार पाकी थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी को रविवार की रात करीब 10 बजे गुप्त सूचना प्राप्त हुई की कुछ संदिग्ध व्यक्ति पांकी मंझौली में बंद पड़े सरकारी भवन में मौजूद है एवं चोरी की घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे है। प्राप्त सूचना के आधार पर पांकी थाना प्रभारी के द्वारा एक टीम का गठित किया गया। टीम मझौली स्थित उक्त सरकारी भवन के पास पहुंची और सरकारी भवन को चारों तरफ से घेर लिया गया तथा सरकारी भवन के अन्दर प्रवेश कर तलाशी के कम में चार लड़के सदिग्ध में पाये गये। सभी संदिग्ध लड़के पुलिस को देखकर भागने लगे। जिन्हें पुलिस ने पकड़ा लिया इसके बाद थाना प्रभारी द्वारा कढ़ाई से पूछ-ताछ करने पर संदिग्धों ने अपना नाम (1) राहुल सिंह उम्र करीब 20 वर्ष पिता ललन सिंह (2) अखलेश कुमार उम्र करीब 22 वर्ष पिता बिनोद गुईया (3) सोनू कुमार भुईया उम्र करीब 18 वर्ष पिता अशोक भुईया (4) दिलीप कुमार उम्र करीब 19 वर्ष पिता स्व सुरेश भुईया सभी ग्राम मंझौली थाना पाँकी जिला पलामू बताया। पूछ-ताछ के क्रम में चारों अभियुक्तों ने अपने अपराध स्वीकारोक्ति बयान में बताया कि ये चारो मिलकर पिछले 6 माह से पांकी थाना अन्तर्गत कई जगहो से चोरी की घटना को अंजाम देते आ रहे है। चोरों में यह भी बताया कि मार्च 2022 में ब्राइट फोर्ड पब्लिक स्कूल पाँकी के ऑफिस का ताला तोड़कर सामान चोरी किये थे। दूसरी चोरी इनलोगो ने जुलाई 2022 में आत्मा कृषि विभाग सिंगल विन्डो सेन्टर पौंकी के ऑफिस से ताला तोड़कर चोरी किये थे तथा तीसरा चोरी जरही चौक के पास किराना दुकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों के पास से पुलिस ने एक डीप फ्रिजर टक्सजे टाटा कंपनी का,,एक मोटर स्टार्टर,दो दुलू पम्प (छोटा वाला), एक मिक्सी. एक स्टेबलाईजर,युपीएस,12भोल्ट बैट्री, एक सीपीयू,सिलींग फैन,चार उषा कंपनी का,एक स्टेबलाईजर, एक साउन्ड सिस्टम,लेनभो कंपनी का एक डेस्कटॉप,तीन स्टेन पंखा,एक बन्डल तार,एक बफर,एक साउन्ड सिस्टम ,इप्सोन कंपनी का एक प्रिन्टर,एक साउन्ड सिस्टम,एक बन्डल तार,एक सेट कम्प्यूटर सेट बरामद किया है।

छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी : अमित कुमार सोनी थाना प्रभारी पाकी पलामू,गुलशन गौरव,हिरालाल साह ,गौतम कुमार,रतन कुमार,भरदुल पासवान,ओम प्रकाश,अजित कुमार वर्मा,विभव शुक्ला,संजित कुमार चौधरी,देव कुमार पाठक,रामचन्द्र गोप शामिल थे।

न्यूज गैलरी

महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला बोल रैली 24 को

केतार। कांग्रेस पार्टी की मंहगाई और बेरोजगारी के खिलाफ प्रखंड स्तरीय हल्ला बोल रैली बुधवार को केतार में आयोजित की जाएगी।इसकी जानकारी देते हुए कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष राम भजन गुप्ता ने कहा की देश में बढ़ती मंहगाई , बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ कांग्रेस पार्टी का एकदिवसीय धारना प्रदर्शन बुधवार को कांग्रेस प्रखंड कार्यालय के समीप आयोजित की जाएगी।इस हल्ला बोल रैली में जिला अध्यक्ष अरबिंद तुफानी, विधानसभा प्रभारी हरविंदर सिंह, कांग्रेस नेता राज राजेन्द्र प्रताप देव, राहुल दुबे मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। उन्होंने प्रखंड के कांग्रेस कार्यकताओं और आम आवाम से अधिक संख्या में आकर हल्ला बोल रैली को सफल बनाने की अपील कि है। इस मौके पर बीस सुत्री अध्यक्ष संजय सिंह खरवार,कसमुदिन अंसारी मौजूद थे।

सहायक शिक्षक मनोज चौबे की माता का निधन

भवनाथपुर। प्रखंड के अरसली उत्तरी पंचायत के राजकीय मध्य विद्यालय के सहायक शिक्षक मनोज चौबे की78 वर्षीय माता सुशीला देवी का रविवार की रात असामयिक निधन हो गया। जिस कारण पूरे विद्यालय के साथ साथ उनके पैतृक गाँव में शोक की लहर दौड़ गयी। शिक्षक की माता के असामयिक निधन की खबर सुनते ही उनके निवास पर शोकाकुल परिवार को ढ़ाढस बंधाने एवं शोक संवेदना व्यक्त करने वालो का तांता लग गया। सोमवार को माताजी का अंतिम संस्कार गोबरदहा घाट पर विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ। उनके छोटे पुत्र प्रवीण चौबे ने उनको मुखाग्नि दी। शोक संवेदना व्यक्त करने वालो में विद्यालय के प्रधानाचार्य विजय कांत गुप्ता, रामस्वरूप राम, मनोज सोनी, शैलेंद्र ठाकुर, राकेश चौबे, डोमन चंद्रवंशी, आत्मा विश्वकर्मा, उदय गुप्ता मनोज बैठा मुन्ना शर्मा सहित कई लोगों नें शोक व्यक्त किया।

चिनियां पुलिस ने मारपीट के चार आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

चिनियां। थाना क्षेत्र के चपकली गांव के भाठादामर निवासी मारपीट के चार आरोपी को चिनिया पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले में चिनिया थाना प्रभारी विरेंद्र हांसदा ने बताया कि उक्त लोगों के खिलाफ गांव के ही पार्वती देवी थाने को आवेदन देकर कहा था कि मेरे भाई रामप्रवेश भुईया को लाठी-डंडे से पीटकर घायल कर घायल कर दिया गया है। आवेदन के आलोक में प्राथमिकी के नामजद अभियुक्त हरिनंदन भुईया सकेद्र भुईया उमा कुमार भुईया कल्लू उर्फ अकलू भुईया को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। जिसमें सभी अभियुक्तों की अनुसंधान में संलिप्तता पाई गई है। पीड़ित रामप्रवेश भुईयां का इलाज अस्पताल में चल रहा है। मारपीट का कारण पैसा का लेन देन बताया गया है। रामप्रवेश उक्त चारों लोगों को बाहर अपने ग्रांटेड बनकर पैसा ठेकेदार से दिलवाया था परंतु वे चारों लोग वहां से भाग गए। जब रामप्रवेश ने उन लोगों से पैसा मांगा तो वे लोग मारपीट पर उतारू हो गए तथा सभी लोग मिलकर रामप्रवेश की मारपीट कर घायल कर दिए थे उधर मामले की पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर ली है ।

कुकर फटने से एक की मौत

केतार। केतार थाना क्षेत्र के पाचाडुमर गांव में कुकर फटने से शिवपति चौधरी का 12 वर्षीय पुत्र रौशन कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार घर में गैस पर कुकर में दाल खाना पक रहा था। बगल में ही रौशन बैठा था। इसी क्रम में एकाएक कुकर फटने से रौशन कुमार का फेस बुरी तरह झुलस गया और घटनास्थल पर ही मौत हो गई।इस घटना से गांव में मातम पसर गया। वहीं परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

कस्तूरबा विद्यालय की छात्राओं ने प्रखंड कार्यालय का किया घेराव

वार्डन पर लगे आरोपों को हटाने की मांग की

नवीन मेल संवाददाता

धुरकी। प्रखंड मुख्यालय स्थित कस्तूरबा आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने सोमवार को प्रखंड कार्यालय का घेराव किया।

वहीं विद्यालय के छात्राओं ने कहां की वार्डन सुमन अग्रवाल पर लगाया गया झूठा आरोप को हटाया जाए.कंचन कुमारी के द्वारा 16 अगस्त 2022 को आरोप लगाया गया था कि कस्तूरबा विद्यालय की वार्डन सुमन अग्रवाल ने मुझे भूत भगाने के नाम पर पीट पीटकर जख्मी कर दी थी और नाली का पानी भी पिलाया गया था।

क्या कहती है छात्राएं :-

विदित हो कि कस्तूरबा विद्यालय की छात्राओं ने सोमवार को प्रखंड कार्यालय पहुंचकर कहा कि वार्डन सुमन अग्रवाल पर लगाया गया आरोप गलत है और वही उपायुक्त महोदय गढ़वा के नाम प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुण कुमार सिंह, व थाना प्रभारी को आवेदन सौंपा है आवेदन के माध्यम से कहा है कि हमारी वार्डन पर गलत आरोप लगाया गया है। उन्होंने कभी भी जाति सूचक शब्द का प्रयोग नहीं किया है हम बताना चाहते हैं कि हमारे विद्यालय में अस्सी परसेंट छात्राएं एससी एसटी जाति से आते हैं हम सभी छात्राओं से हमारी वार्डन मैम जाति तक नहीं पूछा तो फिर कंचन कुमारी को दलित समझकर कैसे पीट सकती है। यहां तक कि हमारी मैम को कंचन कुमारी का जात भी पता नहीं था और हम सभी छात्राओं के साथ में बिल्कुल एक परिवार की तरह रहती है जिस प्रकार एक मां अपनी बेटी को प्यार देती है उसी प्रकार हमारी मैम हमेशा हमारे साथ भी प्यार से रहती है।

अगर इतना सब कुछ के बाद भी हमारी मैम पर जाति सूचक का गलत आरोप लगाकर उन्हें जेल भेजने या सताने की कोशिश की जाएगी या उन्हें विद्यालय से हटाने की बात की जाएगी तो हम सभी छात्राएं भूख हड़ताल पर बैठेंगे और तब तक बैठेंगे जब तक हमारी मैम के ऊपर लगा झूठा आरोप को हटाया नहीं जाता मैम को इस आरोप से बचाने के लिए हम सभी छात्राएं अपनी जान तक लगा देंगे अगर इसी प्रकार एक महिला को सताया जाएगा जो कि पढ़ लिख कर आगे बढ़ी इसके बाद उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है वह भी झूठे आरोप के कारण अगर इसी तरह हमारे समाज में महिला को सताया जाएगा तो हम सभी छात्राएं भी पढ़ना छोड़ देंगे इसके जिम्मेदार सिर्फ आप होंगे छात्राओं ने यह भी कहा है कि आप हम सभी छात्राओं की बातों को सुनें जिससे किसी बेकसूर को सजा ना मिले और हमारी मैम सुमन अग्रवाल को हमारे साथ हमारे पास रहने दें। मौके पर निभा गुप्ता, रवीना सिंह, अंजलि कोरवा, सुषमा कुमारी, जैतून खातून, ललिता कुमारी सहित भारी संख्या में कस्तूरबा की छात्राएं मौजूद थी।

मिलिनियम पब्लिक स्कूल में साइंस कॉमर्स और आर्ट्स की कक्षाएं प्रारंभ

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। बिशुनपुर स्थित सीबीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त 10+2 मिलिनियम पब्लिक स्कूल में सोमवार से तीनों संकाय साइंस, कॉमर्स और आर्ट्स की कक्षाएं प्रारंभ हो चुकी है।विद्यालय के संस्थापक मुमताज राही व सचिव नूरजहां बेगम ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर विद्यालय के छात्र-छात्राए के द्वारा स्वागत गान के साथ शुभारंभ किया एवं नए छात्र छात्राओं को मिठाई खिलाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यालय के संस्थापक मुमताज राही ने कहा कि विद्यालय में बड़े शहरों से कुशल एवं अनुभवी शिक्षकों को नियुक्ति की जा चुकी है। जो सिलेवस के साथ-साथ IIT एवं NEET की पूर्ण तैयारी भी कराई जाएगी। विद्यालय संस्थापक मुमताज राही ने अपने भाव को प्रकट करते हुए कहा कि आशा है कि हमारे विद्यालय के छात्र छात्राएं मेडिकल इंजीनियरिंग के साथ-साथ आम शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में साइंस लैब कंप्यूटर लैब स्मार्ट क्लास रूम लाइब्रेरी आदि सुसज्जित है,जो ना सिर्फ गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा शिक्षा बल्कि बड़े शहरों की तरह सभी सुविधाओं को प्रदान करते हुए उन्हें नए अवसर प्रदान कराई जाएगी। इस अवसर पर प्राचार्य मो मंजूर आलम,नागेंद्र प्रसाद सिंह, अनेश कुमार, साबिर खान साहित विद्यालय परिवार के साथ साथ छात्र-छात्राएं भी उपस्थित थे।

थाना प्रभारी पर बालू डंप के आरोपियों को छोड़ने का आरोप

नवीन मेल संवाददाता

बिशुनपुरा/गढ़वा। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिशुनपुरा निवासी अनय गुप्ता पिता विश्वनाथ गुप्ता ने एसपी गढ़वा को आवेदन देकर बीते 14 अगस्त को संध्या गांव के ही कुछ लोगों के द्वारा सेंटरिंग लदे ट्रेक्टर पर जबरन अवैध डंप बालू मेरे ट्रेक्टर पर लोड कर फसाने व ड्राइवर से मोबाइल और पैसा छीनने तथा स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा सहयोग नही करने का आरोप लगाया है।

अनय गुप्ता ने 16 अगस्त को एसपी गढ़वा को दिए आवेदन में लिखा है कि संध्या गांव के शिवकुमार मेहता पिता स्व रामयाद मेहता के घर से सेंटरिंग अपने ट्रेक्टर पर लोड कर बंजारी निवासी ब्रहमा पाल के यहां ले जाने के क्रम में संध्या गांव स्थित सोमनाथ यादव के घर के पास घात लगाए हुए शम्भू यादव, संतु यादव, अमित यादव, उमा यादव, बिनय यादव, उखमजी यादव ये सभी संध्या गांव निवासियों ने मेरे ट्रेक्टर को रोककर पहले ड्राइबर से मोबाइल व पचपन हजार रुपए छीन लिए उसके बाद सेंटरिंग लदे ट्रेक्टर को अपने घर के पास ले जाकर सेंटरिंग गिरा दिए । वहीं पास में रखे अवैध बालू जो शम्भू यादव द्वारा रखा गया था उसे सभी मिल कर बालू को ट्रेक्टर पर लोडकर दिया। दूसरे ब्यक्ति से इसकी जानकारी मुझे मिली तो थाना प्रभारी बुधराम सामद को थाना जाकर जानकारी दी लेकिन प्रशासन का कोई स्टॉफ घटना स्थल पर नही पहुचा। जब अवैध डम्प बालू लोडकर संध्या देवी धाम के पास ट्रेक्टर लाकर खड़ी करने के बाद शम्भू यादव के फोन करने के बाद एएसआई शंकरानंद सरस पहुचें । जब घटना के बारे में बार बार आग्रह करने के बावजूद ट्रेक्टर थाना ले जाने लगे। तभी ग्रामीणों ने इसका विरोध किया तो बीच रास्ते मे गाड़ी खड़ी कर घटना स्थल की जांच करने पहुचें और सेंटरिंग मालिक, मिस्त्री, लेबर व ग्रामीणों से जांच पडताल की । जांच में दोषी ब्यक्ति शम्भू यादव को 14 अगस्त को दोपहर 11 बजे ही प्रशासन ने उसी समय गिरफ्तार कर बिशुनपुरा थाना ले गई और 15 अगस्त 2022 की 9:30 रात्रि में छोड़ दी। साथ ही बिशुनपुरा थाने में दिए आवेदन पर कोई कार्यवाई नही की गई।अनय गुप्ता ने एसपी से मामले की जांच कर करवाई करने की मांग की है।

युवक का शव बरामद कर छानबीन में जुटी भवनाथपुर पुलिस

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। करमाही गांव निवासी शंकर कोरवा के 18 वर्षीय पुत्र अजीत कोरवा का शव भवनाथपुर थाने की पुलिस ने कब्जे में लेकर सोमवार को पोस्टमार्टम कराने के लिए गढ़वा भेजकर अग्रेतर जांच में जुट गई है।

घटना के संबंध में मृतक के पिता शंकर कोरवा ने बताया कि उसका बेटा अजीत कोरवा शनिवार को घर से कैलान के लिए निकला था,फिर वह बरडीहा थाना क्षेत्र के नावाडीह अपने ममेरा भाई सतेंद्र कोरवा के घर चला गया,जहां से उसने रात्रि में ममेरा भाई के साथ बाईक से नगरउंटारी चला गया। जहां पर बाईक दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। जहां से ममेरा भाई सहित अन्य युवकों के सहयोग से नावाडीह ले गया। वहां से ही रविवार की देर शाम को शव उसके घर लाया गया। शंकर कोरवा ने बताया कि यह बात हमें हमारे नावाडीह के भगीना सतेंद्र कोरवा ने बताया उसी के आधार पर बता रहें हैं।

जबकि इस संबंध में भवनाथपुर थाना प्रभारी सतीश कुमार महतो ने बताया कि युवक का शव पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा भेज दिया गया है,पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का स्पष्ट पता चल पाएगा। उन्होंने कहा मृतक के भाई के द्वारा नगरउंटारी में बाइक दुर्घटना में मौत होने को लेकर आवेदन दिया गया है, हलांकि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

एसपी ने चतुर्भुजी मंदिर में टेका मत्था

नवीन मेल संवाददाता

केतार। गढ़वा एसपी अंजनी कुमार झा सपरिवार सोमवार को केतार स्थित सुप्रसिद्ध चतुभुर्जी मंदिर में पहुंचकर चतुभुर्जी मंदिर,भोले नाथ मंदिर,राधा कृष्ण मंदिर मे विधिवत पूजा अर्चना कर, माथा टेका। और जिला में अमन चैन खुशहाली के लिए आशीर्वाद मांगा। मंदिर में परिक्रमा के पश्चात एसपी ने संकल्प स्वरूप नारियल फोड़ा। इसके पश्चात एसपी ने मंदिर परिसर के विभिन्न जगहों का निरीक्षण किया और विधी व्यवस्था, साफ सफाई की सराहना की। मंदिर विकास समिति के सदस्यों द्वारा मां चतुभुर्जी की प्रतिमा एवं चुनरी एसपी और उनकी पत्नी को भेंट स्वरूप देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर एसपी ने कहा की केतार जैसे सुदूरवर्ती क्षेत्रों में मां का बहुत ही सुन्दर मंदिर और प्रतिमा स्थापित है। इस क्षेत्र के लिए यह गर्व की बात है। गढ़वा में पदस्थापना के बाद से ही इस मंदिर में आने कि इच्छा थी जो आज पुर्ण हुई। उन्होंने कहा की यहां का प्राकृतिक सौंदर्य बहुत ही सुन्दर है, पर्यटन की आपार संभावनाएं हैं। इस मौके पर जिप सदस्य ज्वाला प्रसाद,हेमंत पाठक, पंकज सिंह, कन्हाई प्रसाद सहित अन्य लोग मौजूद थे।

उपायुक्त का कार्यालय, (जिला समाज कल्याण शाखा), लातेहार।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिलान्तर्गत बाल विकास परियोजना कार्यालय लातेहार, चंदवा, बालुमाथ, बरवाडीह, महुआडांड़, मनिका, गारू अन्तर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों में रिक्त सेविका/सहायिकाओं का चयन आमसभा के माध्यम से की जानी है। तत्आलोक में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी की अध्यक्षता में आंगनबाड़ी सेविका/सहायिकाओं के पदों हेतु आयोजित ग्रामसभा के माध्यम से सरकार के प्रधान सचिव, महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के चयन नियमावली पत्रांक 585 दिनांक 02.06.2006 के आलोक में योग्य उम्मीदवार का चयन किया जायेगा।

रिक्ति के अनुसार बाल विकास परियोजना के पदवार एवं तिथिवार विवरणी निम्नवत है :–

1. बाल विकास परियोजना कार्यालय, लातेहार – केन्द्र के नाम – 1. लावागढ मस्जिद टोला (सेविका), 2. भूसूर उत्तर (सेविका) 3. कीनामाड़ (सहायिका), 4. मननचोटाग 2 (सहायिका), 5. आरागुंडी (सहायिका), 6. मांदरचुटिया (सहायिका), 7. अंबाझारण (सहायिका), 8. डुडेंगीखुर्द (सेविका)
   नोट :– (दिनांक 08.09.2022 से लेकर 29.09.2022 तक आमसभा की तिथि निर्धारित है)
2. बाल विकास परियोजना कार्यालय, चंदवा – केन्द्र का नाम – 1. रूदमुर्तिया (सहायिका), 2. सासंग (सेविका), 3. रखात (सेविका), 4. कुसुमटोली–1 (सेविका), 5. तिलैयाटांड (सेविका), 6. जमीरा (सहायिका), 7. हरैया (सेविका), 8. एकमहुआ (सेविका), 9. रक्सी – 1 (सहायिका), 10. पतराटोली कामता (सहायिका)
   नोट :– (दिनांक 07.09.2022 से लेकर 19.09.2022 तक आमसभा की तिथि निर्धारित है)
3. बाल विकास परियोजना कार्यालय, बालुमाथ – केन्द्र का नाम – 1. ओकेया –1 (सेविका), 2. शांति (सहायिका), 3. मारंगलोईया (सहायिका), 4. लाटु (सहायिका), 5. बालुमाथ – 1 (सेविका), 6. बालुमाथ – 4(सहायिका), 7. सरधाबार (सहायिका)
   नोट :– (दिनांक 07.09.2022 से लेकर 30.09.2022 तक आमसभा की तिथि निर्धारित है)
4. बाल विकास परियोजना कार्यालय, मनिका – केन्द्र का नाम – 1. सेवधरा (सहायिका), 2. कुई (सेविका), 3. जेरूआ (सेविका), 4. बरवाडीह (सेविका), 5. कुटमू (सेविका), 6. रांकीकला (सेविका तथा सहायिका), 7. रेवतखुर्द (सहायिका), 8. कुरूंद (सहायिका)
   नोट :– (दिनांक 07.09.2022 से लेकर 15.09.2022 तक आमसभा की तिथि निर्धारित है)
5. बाल विकास परियोजना कार्यालय, बरवाडीह – केन्द्र का नाम – 1. बेरे (सहायिका), 2. बखोरीडेरा –1 (सहायिका), 3. लुकूमखाड़ (सहायिका) 4. मतनाग (सहायिका)
   नोट :– (दिनांक 12.09.2022 से लेकर 14.09.2022 तक आमसभा की तिथि निर्धारित है)
6. बाल विकास परियोजना कार्यालय – गारू – केन्द्र का नाम – 1. छोटी मायापुर (सहायिका), 2. लादु (सहायिका), 3. सीमाखास (सहायिका) 4. बारेसांढ – 1 (सेविका), 5. रोल (सेविका), 6. हेन्देहास (सहायिका)
   नोट :– (दिनांक 07.09.2022 से लेकर 10.09.2022 तक आमसभा की तिथि निर्धारित है)
7. बाल विकास परियोजना कार्यालय, महुआडांड – केन्द्र का नाम – 1. गोठगांव –1(सहायिका), 2. पारही नावाटोली (सेविका), 3. केवरकी केनाटोली (सेविका), 4. पहाड़कापु (सहायिका), 5. रामपुर (सेविका), 6. नगरप्रतापपुर – 2 (सहायिका), 7. पोखरडीह (सेविका), 8. मेंढारी (सहायिका), 9. गढबुढनी (सहायिका), 10. तिसीया (सेविका)
   नोट :– (दिनांक 22.08.2022 से लेकर 28.08.2022 तक आमसभा की तिथि निर्धारित है)

उपर्युक्त बाल विकास परियोजनावार निर्धारित सेविका एवं सहायिका पदों में उल्लेखित तिथियों के अनुसार आम सभा के माध्यम से चयन किया जायेगा। विस्तृत जानकारी के लिए संबंधित प्रखंडों के बाल विकास परियोजना कार्यालयों के सूचना पट् / बाल विकास परियोजना पदाधिकारी / महिला पर्यवेक्षिका अथवा जिला समाज कल्याण कार्यालय से संपर्क स्थापित किया जा सकता है। साथ ही लातेहार जिले के एन0आई0सी0 के वेबसाईट latehar.nic.in पर परियोजनावार विवरणी डाउनलोड किया जा सकता है।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी
लातेहार।

PR 276099 Social Welfare,Women and Child Development(22-23)D

कार्यालय, उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, पलामू
(जिला विकास शाखा)

अति अल्पकालिन निविदा

कार्यालय पत्रांक–909/वि0 दिनांक–18.08.22 द्वारा प्रबंधकीय समिति की दिनांक –08.08.2022 को सम्पन्न बैठक की कार्यवाही में अनुमोदित प्रस्ताव के आलोक में उपायुक्त, पलामू के कार्यालय में विशिष्ट कार्यो के सफल सम्पादन हेतु बाह्य श्रोत से मासिक दर पर एक इनोवा क्रिस्टा वाहन भाड़ा पर रखे जाने हेतु केवल व्यावसायिक रूप से GST में निबंधित निविदादाताओं से दिनांक–27.08.2022 को पूर्वाह्न 11:00 बजे तक निविदा आमंत्रित किया गया था। तकनीकी कारणों से निविदा दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं हो पाया।

अतः अब उपरोक्त निविदा प्राप्त करने तथा प्राप्त सभी निविदाओं को खोलने की तिथि निम्न प्रकार संशोधित की जाती है।

निविदा प्राप्त करने की तिथि– 01.09.22 को पूर्वाह्न 11:00 बजे तक।
निविदा को खोलने की तिथि– 01.09.22 को अपराह्न 03:00 बजे।
निविदा सीलबन्द लिफाफे में Registered/Speed Post/By Hand निम्न पते पर दिनांक–01.09.22 को पूर्वाह्न 11:00 बजे तक जमा करना होगा।
जिला विकास शाखा, ब्लॉक "सी", प्रथम तल,समाहरणालय पलामू, झारखण्ड, पलामू 822101
निविदा की शर्तो एवं विस्तृत जानकारी वेबासाईट Website: www.palamu.nic.in में देखा जा सकता है।
इसके अतिरिक्त कार्यालय अवधि में कार्यालय से भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

उप विकास आयुक्त,
–सह–सचिव, DMFT, पलामू।

PR.NO.276135 District(22-23):D

कार्यालय जिला परिषद, पलामू
(जिला अभियंता शाखा)
Email:- zilaparishad.palamu@gmail.com

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 07/2022–23

उप विकास आयुक्त–सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, पलामू के स्वीकृत्यादेश ज्ञापांक 691/जि0प0, दिनांक 18.08.2022 द्वारा प्राप्त आदेश के आलोक में वित्तीय वर्ष 2021–22 में 15वें वित्त आयोग आबद्ध निधि अन्तर्गत स्वीकृत योजनाओं में वर्णित कार्य के लिए झारखण्ड सरकार के समुचित श्रेणी में निविदा की शर्त– 1 के अनुसार जिला परिषद, पलामू में निबंधित संवेदकों से F_2 प्रपत्र पर मुहर बंद निविदा आमंत्रित की जाती है :–

1	विज्ञापन दाता का नाम	:–	जिला अभियंता, जिला परिषद, पलामू।
2	परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि	:–	दिनांक 24.08.2022 से 01.09.2022 तक (कार्यालय कार्य दिवस एवं समयावधि तक)
3	निविदा प्राप्त करने की तिथि	:–	दिनांक 02.09.2022 (मध्याह्न 12:00 बजे तक)
4	निविदा खुलने की तिथि	:–	दिनांक 02.09.2022 (अपराहन 02:00 बजे)
5	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	:–	जिला परिषद कार्यालय, पलामू।
6	निविदा प्राप्ति/जमा करने का स्थान	:–	जिला परिषद कार्यालय, पलामू।
7	निविदा खोलने का स्थान	:–	नये समाहरणालय (BLOCK- C) स्थित डी0आर0डी0ए0, सभाकक्ष
8	कार्य की विस्तृत विवरणी :–		

ग्रुप क्र0	प्रखण्ड	पंचायत	ग्राम	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Group-I	चैनपुर	कोशियारा	रामपुर	अमृत सरोवर योजना अन्तर्गत 1 एकड़ सरकारी भूमि पर सरोवर का निर्माण।	1810100.00	36500.00	5000.00	3 माह
Group-II	हुसैनाबाद	बेनी कला	सबानो	अमृत सरोवर योजना अन्तर्गत 1 एकड़ सरकारी भूमि पर सरोवर का निर्माण।	1606200.00	32500.00	5000.00	3 माह
Group-III	हुसैनाबाद	उर्दवार मंजुराहा	घुरूआ	अमृत सरोवर योजना अन्तर्गत 1 एकड़ सरकारी भूमि पर सरोवर का निर्माण।	1608000.00	32500.00	5000.00	3 माह
Group-IV	पाँकी	हुरलाँग	गोगाड़	अमृत सरोवर योजना अन्तर्गत 1 एकड़ सरकारी भूमि पर सरोवर का मरम्मति।	818500.00	16500.00	2500.00	3 माह
Group-V	पाँकी	अम्बाबार	लुकुआ	अमृत सरोवर योजना अन्तर्गत 1 एकड़ सरकारी भूमि पर सरोवर का मरम्मति।	1304600.00	26500.00	2500.00	3 माह

निविदा की शर्तें www.palamu.nic.in एवं कार्यालय जिला परिषद, पलामू के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला अभियंता, जिला परिषद, पलामू

PR 276156 District(22-23)#D

कार्यालय:-जिला स्वास्थ्य समिति, लातेहार
Sadar Hospital Campus, Latehar. E Mail ID: drhslatehar3@gmail.com.

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड अंतर्गत जिला स्वास्थ्य समिति, लातेहार के अधीन अनुबंध आधारित पारा कर्मियों एवं अन्य प्रखण्ड/जिला स्तरीय पदों के रिक्त/बैकलॉग पदों पर संविदा/अनुबंध के आधार पर चयन/नियुक्ति हेतु विज्ञापन।

विज्ञापन सं0–03/2022(DHS) आवेदन की अंतिम तिथि–08.09.2022

अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 2463(MD) दिनांक 24.08.2021 एवं जिला चयन समिति, लातेहार की बैठक में पारित निर्णय के आलोक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड अंतर्गत जिला स्वास्थ्य समिति लातेहार के अधीन नीचे अंकित संविदा/अनुबंध आधारित पारा कर्मी एवं अन्य प्रखण्ड/जिला स्तरीय पदो के निम्नरिक्त/बैकलॉग पदों पर चयन/नियुक्ति हेतु निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से निम्नवत् रूप से आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है:–

Sl No	Name of the Post	Unit/ Programme	Category wise Current Vacancy Status			
			UR	ST	SC	Total
1	ANMs	NHM RCH	0	0	25	25
2	ANM-MTC	NHM-MTC	0	0	1	1
3	Staff Nurse	NHM RCH	0	0	6	6
4	Staff Nurse-NBSU	SNCU/NBSU	2	1	1	4
5	GNMs-District NCD Clinic	NPCDS and NPHCE	1	1	0	2
6	District ProMIS Operator cum Store Keeper	NHM RCH	1	0	0	1
7	Lab Tech	NHM RCH	0	2	0	2
8	Block Data Manager	NHM RCH	0	1	0	1
9	AYUSH Pharmacists	NHM RCH	2	1	0	3
10	Councellors-District NCD Clinic	NPCDS and NPHCE	1	0	0	1
11	Councellors-CHC NCD Clinic	NPCDS and NPHCE	2	1	0	3
12	Clinical Psychologist-NMHP	NMHP	1	0	0	1
13	Psychiatric Social Worker-NMHP	NMHP	1	0	0	1
14	Dist.Prog.Cordinator-NTEP	(NTEP)	1	0	0	1
15	District PPM (Public Private Mix) Coordinator-NTEP	(NTEP)	1	0	0	1
16	Sr DOTS Plus TB/HIV Super visitor-NTEP	(NTEP)	1	0	0	1
17	Senior Tuberculosis laboratory supervisor(STLS-NTEP)	(NTEP)	1	1	0	2
18	Tuberculosis Health Visitor (TB/HV-NTEP)	(NTEP)	1	0	0	1
19	Senior Treatment Supervisor (STS NTEP)	(NTEP)	3	1	1	5
20	Pharmacists-NTEP	(NTEP)	1	0	0	1

- रिक्तियों की संख्या आवश्यकतानुसार घटाई एवं बढ़ाई जा सकती है।
- उपरोक्त विज्ञापन संबंधी विस्तृत जानकारी, शर्तें, अर्हता, आवेदन का प्रपत्र आदि का अवलोकन लातेहार जिले के अधिकृत वेबसाईट http://latehar.nic.in पर देखा जा सकता है।

असैनिक शल्य चिकित्सक सह
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, लातेहार।

PR.NO.276076 Health Med Edu and Family Welfare(22-23):D

न्यूज गैलरी

चंदवा में जहरीले सांप के काटने से महिला घायल, रेफर

चंदवा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत जमीरा पंचायत के अर्धे गांव निवासी ललिता देवी पति सुबोध गंझु जो रविवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे अपने खेत में मक्के की कोड़ाई एवं घास निकालने का काम कर रही थी उसी दौरान ललिता देवी को एक जहरीले सांप ने काट लिया। जानकारी के अनुसार ललिता देवी के पति ने बिना देरी किए अपने छोटे बच्चे को गोद में लिया और गांव से कुछ दूर पैदल चल कर सड़क पर आया वाहन पकड़कर सूझ बूझ के साथ सांप के काटने से घायल अपनी पत्नी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदवा लाया जहां डॉक्टरों ने उपचार कर बेहतर इलाज के लिए लातेहार सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

शहर में अपराधियों ने यूको बैंक के एटीएम काटकर रुपये उड़ाये

लातेहार। शहर के बीचों बीच दुर्गा मंदिर के सामने स्थित यूको बैंक के एटीएम से बीती रात अज्ञात चोरों ने गैस कटर मशीन से एटीएम काटकर रुपये चुरा लिए। हालाँकि एटीएम से चोरी गई राशि की पुष्टि नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सूचना मिलते ही लातेहार एसडीपीओ संतोष मिश्र, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता दलबल के साथ स्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि चोर सीसीटीवी कैमरा पर स्प्रे मारकर एटीएम में अंदर पहुंचे और शटर गिरकर एटीएम मशीन को गैस कटर से काट दिया। इधर पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि एटीएम मशीन में कटर मशीन लगाकर काटने का प्रयास किया गया है। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। जांच करने के बाद ही कुछ स्पष्ट बताया जा सकता है।

जेई ने किया बलबल गर्म जलकुंड का स्थल निरीक्षण

गिद्धौर(चतरा)। सोमवार को गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत बलबल स्थित गर्म जलकुण्ड व मां बागेश्वरी मंदिर परिसर के सुंदरीकरण कार्य को लेकर किया गया स्थल निरीक्षण। एनआरईपी के कनीय अभियंता जिप प्रतिनिधि सह समाजसेवी बालेश्वर यादव व उमेश गोप के साथ बलबल पहुंच सुंदरीकरण के कार्य के प्राक्कलन को लेकर स्थल की मापी की। इस दौरान बताया गया कि मां बागेश्वरी मंदिर परिसर में लगभग एक करोड़ के लागत से पीसीसी, शौचालय सहित अन्य कार्य किए जाएंगे। इधर विभाग के कनीय अभियंता ने बताया कि जल्द ही प्राकलन तैयार कर विभाग को दे दिया जायेगा। सिल निरीक्षण के दौरान उपेंद्र पांडेय, उमेश यादव सहित अन्य शामिल थे।

दुष्कर्म के नाबालिग आरोपी को भेजा गया बाल सुधार गृह

गिद्धौर(चतरा)। गिद्धौर थाना क्षेत्र के पेक्सा गांव से नाबालिग से दुष्क्रम के आरोप में एक नाबालिग को पुलिस ने निरुद्ध कर सोमवार को बाल सुधार गृह हजारीबाग भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग किशोरी के साथ नाबालिग किशोर द्वारा दुष्कर्म करने को लेकर पीडिता के द्वारा गिद्धौर थाने में लिखित आवेदन दिया गया। जिसपर पुलिस ने त्वरित कारवाई करते हुए आवेदन के आलोक में प्राथमिकी दर्ज कर नाबालिग को निरुद्ध कर किशोर न्याय बोर्ड में प्रस्तुत करने के उपरांत बाल सुधार गृह हजारीबाग भेज दिया गया। वहीं पीड़िता का 164 के बयान के लिए न्यायलय में प्रस्तुत किया गया।

एनटीपीसी के सतबहिनी जलाशय में डूबने से बच्चे की मौत, दस घंटे बाद मिला शव

टंडवा(चतरा)। टंडवा थाना क्षेत्र के सतबहिनी नदी के पास एनटीपीसी द्वारा निर्मित जलाश्य से गाडीलौंग निवासी अरविंद दास के लापता मासूम अंकुश राज का शव सोमवार के सुबह बरामद किया गया। शव के मिलते ही परिजनों में चिख-चित्कार मच गई। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि रविवार के शाम एक हीं घर के तीन बच्चे नदी के किनारे घूमने गये थे और जलाश्य के समीप तस्वीर लेने लगे इसी दौरान अंकुश का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूब गया। अंकुश को डूबता देख साथ में गये एक अन्य बच्चे ने बचाने की कोशिश की लेकिन वह भी नदी के गहरे पानी में डूबने लगे, तो गाड़ीलौंग निवासी भोला साव के द्वारा रस्सी के सहारे दोनों बच्चों को गहरे पानी से निकालने की कोशिश की लेकिन वह भी सिर्फ एक हीं बच्चे को हीं बचा पाया जबकि अंकुश डूब गया। साथ में गई बच्ची पानी के बाहर सुरक्षित थी। चरवाहा भोला साव ने घटना की जानकारी ग्रामीणों समेत परिवार वालों को दिया। उसके बाद पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी विजय कुमार सिंह, बीडीओ रंथु महतो समेत अन्य अधिकारियों के द्वारा राहत बचाव कार्य शुरू किया गया। एनटीपीसी से गोताखोरों को मंगवाकर शव को तलाशने का प्रयास की गई। लेकिन तीन घंटे के कड़ी मशक्कत के बाद भी कामयाबी नहीं मिला। सोमवार सुबह बालक का शव तैरता दिया। दुसी ओर लोगों ने एनटीपीसी प्रबंधन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि स्थानीय लोगों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। प्रबंधन अविलंब बैराज किनारे जल जमाव होने वाले किनारों पर बैरिकेडिंग करे।

मेगा प्रोजेक्ट से जुड़े मामलों की समीक्षा बैठक

समन्वय बनाकर कार्य करें : डीसी

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त अबु इमरान की अध्यक्षता में मेगा प्रोजेक्ट एवं राजस्व विभाग से जुड़े मामलों की समीक्षा बैठक हुई। जिसमें उपायुक्त ने मेगा प्रोजेक्ट से संबंधित जिले में संचालित इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों का गहन समीक्षा करते हुए संबंधितों को कई दिशा निर्देश दिए। वहीं उपस्थित एनटीपीसी, सीसीएल समेत के प्रतिनिधियों द्वारा जिले में चल रहे मेगा प्रोजेक्ट के अद्यतन प्रगति की जानकारी दी गई। साथ हीं विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं से भी अवगत कराया गया। नार्थ करणपुरा ट्रांसको लिमिटेड, झारखंड ऊर्जा संचरण निगम लिमिटेड, सीसीएल, एनटीपीसी समेत अन्य द्वारा भूमि अधिग्रहण के पश्चात रैयतों को मुआवजा भुगतान, वन विभाग से जुड़े मामले, एनओसी, एफआरए, रैयती मान्यता, अवार्ड, जीएम लैंड समेत अन्य मामलों की जानकारी लेते हुए उपायुक्त

ने संबंधित अधिकारियों को अपने स्तर से मामलों की समीक्षा कर जल्द निपटारा करने का निर्देश दिया। जिससे रैयतों को ससमय भुगतान एवं जिले में सभी प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की समस्या न हो। उपायुक्त ने जमीन मुआवजा राशि एवं अब तक किए भुगतान की पूर्ण जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आपस में समन्वय बनाए रखते हुए समस्याओं का ससमय समाधान एवं कार्य करने को कहा गया। बैठक में सीए लैंड, कठौतिया शिवपुर लाइन, टोरी शिवपुर न्यू लाइन प्रोजेक्ट, भारत गैस, एनएच डिवीजन हजारीबाग, चतरा बाईपास, सिमरिया बाईपास एवं हंटरगंज बाईपास पर भी विचार विमर्श करते हुए उपायुक्त ने प्रोजेक्ट क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं को दूर करने हेतु कई आवश्यक निर्देश दिया। इसके आलावे उपायुक्त ने वन प्रमंडल पदाधिकारी एवं साज को आपस में समन्वय स्थापित कर हजारीबाग-चतरा सड़क पर लगे पेड़ की जल्द कटाई का निर्देश दिया। ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट की समीक्षा करते हुए ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट में आने वाली समस्याओं का आपस में समन्वय स्थापित करते हुए निराकरण करने का निर्देश दिया। बैठक में डीएफओ उत्तरी, आर थांगन पांड्यान, दक्षिणी एसपी सिंह, एसी पवन कुमार मंडल, एसडीओ मुमताज अंसारी, एसडीओ सिमरिया सुधीर दास, जिला भू अर्जन पदाधिकारी गौरांग महतो, जिला परिवहन पदाधिकारी, संतोष कुमार सिंह व संबंधित मौजूद थे।

दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा हाइटेंशन बिजली तार

संजय कुमार राणा

पत्थलगड़ा(चतरा)। विभागीय उदासीनता के कारण जिले के पत्थलगड़ा प्रखंड अंतर्गत सिंघानी व लेंबोइया के बीच बल्थरवा बागी के पास पोल से झूलता 11 हजार हाई वोल्टेज बिजली तार कर दुर्घटनाक को आमंत्रण दे रहा। ज्ञात हो कि 11 हजार बिजली तार जमीन से कुछ ही दुरी के उपर जर्जर हालत में झूलता हुआ लटक रहा है। 11 हजार हाई वोल्टेज बिजली का तार बल्थरवा होते हुए ग्राम तेतरिया तक गई है। यह हाई वोल्टेज तार महज 6 से 7 फीट की ऊंचाई पर झूल रहा है। वर्तमान में तार के नीचे किसानों द्वारा धान की खेती की गई है। आए दिन किसान खेत में मवेशी भी चाराते हैं। पोल से झूलते हुए इस हाई वोल्टेज तार के कारण कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना की आशंका से सभी सहमे रहते हैं। बिजली विभाग को इसकी जानकारी होते हुए भी किसी प्रकार की पहल नहीं की जा रही है। स्थानीय किसान मौत के झूलते हाई वोल्टेज तार को देखकर दहशत में हैं और जान जोखिम में डालकर खेत में काम करने को मजबूर हैं।

सीएस से बालूमाथ सीएचसी में महिला चिकित्सक नियुक्त करने की अपील की

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ (लातेहार)। जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने लातेहार सिविल सर्जन से बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अविलंब महिला चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति करने की अपील की है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला परिषद उपाध्यक्ष अनिता देवी ने बताया कि जिला परिषद की बैठक में इस संबंध में प्रस्ताव रखा गया था। प्रस्ताव के अनुपालन में एक सप्ताह के भीतर महिला चिकित्सक की प्रतिनियुक्त कर देने की बात कही गयी थी। लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी महिला चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति नहीं की गयी है। सिविल सर्जन के द्वारा जिला परिषद उपाध्यक्ष को सप्ताह के भीतर महिला चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बालूमाथ में करने का आश्वासन दिया गया है।
ज्ञात हो कि बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में महिला चिकित्सक की कमी वर्षों से है। डॉ अमूल्या गुलाब लकड़ा के बाद कुछ दिनों के लिए एक महिला चिकित्सक की नियुक्ति बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हुयी थी। परंतु कुछ ही दिनों में उक्त महिला चिकित्सक का स्थानांतरण हो गया। तब से समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में महिला चिकित्सक का आभाव रहा है। परंतु इतने गंभीर विषय पर किसी भी जनप्रतिनिधि द्वारा अब तक कोई ठोस पहल नहीं किया गया है। जिला परिषद उपाध्यक्ष बनने के साथ ही अनीता देवी के द्वारा इस संबंध मे साकारातमक प्रयास किया जाना निश्चित ही प्रंशसनीय है। जिला परिषद उपाध्यक्ष के इस प्रयास से उम्मीद जगी है कि बालूमाथ में महिला चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति की वर्षों पुरानी मांग जल्द पूरी हो पाएगी।

महिला चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति करने पर सीएस ने दिया आश्वासन

चोरी के बाइक के साथ एक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

पत्थलगड़ा(चतरा)। सोमवार को पत्थलगड़ा थाना क्षेत्र से चोरी के बाइक के साथ एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया। थाना प्रभारी बमबम कुमार ने बताया कि बीते देर शाम पुलिस गश्ती के दौरान थाना क्षेत्र के कुब्बा गांव स्थित तीन मुहान मोड़ सीरम के पास वाहन चेकिंग के क्रम में कुब्बा गांव निवासी अमरकान्त कुमार पिता विदेशी दांगी को चोरी की मोटरसाकिल स्प्लेंडर प्लस जेएच 13 ए 5319 को जब्त किया गया। उसके बाद युवक को हिरासत में लेकर पूछ-ताछ किया गया, जिसमें अमरकान्त ने कबूल किया की बाईक चोरी की है। थाना प्रभारी ने आगे बताया कि बाइक चोरी में अन्य लोग भी शामिल हैं, जिनके गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। गश्ती टीम में जेएसआई दिलीप कुमार यादव व अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

विशेष समुदाय के लोगों ने बीएसएफ जवान के साथ की मारपीट, 14 लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के निंदिर गांव में बीएसएफ जवान प्रमोद कुमार यादव पिता धनेश्वर यादव के साथ हुए मारपीट के मामले में लातेहार थाना में 14 लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिसमें मुछवार अंसारी, इकबाल अंसारी,आसिफ अंसारी मुमताज मियां, असद अंसारी ,अशरफ अंसारी ,गुलाम अंसारी ,रुस्तम अंसारी, सफीक मियां ,सद्दाम अंसारी पिता कलीम अंसारी, नसीर अंसारी ,जुनैद अंसारी, राजा अंसारी का नाम शामिल हैं। बीएसएफ जवान प्रमोद कुमार यादव ने लातेहार थाना में आवेदन देकर बताया है कि 21 अगस्त 2022 को शाम पांच बजे मैं अपने दोस्त निंदिर गांव निवासी मनोज प्रसाद पिता स्व रामदेव प्रसाद के साथ मक्का बाजार से आ रहा था। इसी बीच बारियातू गांव के समीप एक फेरी वाला

आ रहा था। उस फेरी वाला को रोक कर पेंट दिखाने की बात कही। पेंट दिखाने के दौरान बोरा में बंधा हुआ मांस का गंध आने लगा। मेरे पूछने पर मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी गई। इसी दौरान फेरी वाला आदमी भागकर मुस्लिम इलाका में चला गया। तभी दस से बीस संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग लाठी डंडा, गड़ासा,तलवार से मारपीट करने लगे। इसी दौरान मारपीट की आवाज सुनकर गांव के एक सौ से अधिक संख्या में मुस्लिम समुदाय ने मारपीट कर जान से मारने की नियत से बेहोशी की हालत में रेलवे पटरी पर फेक दिया गया और मेरे दोस्त मनोज यादव के साथ मारपीट कर गायब कर दिया गया है। पुलिस को मारपीट की सूचना मिलने पर तुरंत घटना स्थल पर पहुंचकर घायल बीएसएफ जवान प्रमोद कुमार यादव को सदर अस्पताल लातेहार में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। इधर मुस्लिम समुदाय की ओर से भी लातेहार में आवेदन देकर बीएसएफ जवान पर मारपीट की प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस संबंध में लातेहार पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि दोनों की ओर से आवेदन देने पर लातेहार थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

केंद्र सरकार के विरोध में कांग्रेस एससी मोर्चा ने जुलूस निकाला, दिया धरना

खाद्य पदार्थों की दामों में बेतहाशा-वृद्धि से लोग परेशान: रविंद्र

नवीन मेल संवाददाता

बरवाडीह। केंद्र की मोदी सरकार की गलत नीतियों व महंगाई विरोधी नीतियों के विरोध में कांग्रेसी एससी मोर्चा द्वारा हल्ला बोल कार्यक्रम आयोजित कर प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष के निर्देश पर कांग्रेस एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष रविंद्र पासवान के नेतृत्व में सोमवार को प्रखंड के पुराना प्रखंड कार्यालय परिसर से कांग्रेस के सभी प्रकोष्ठ द्वारा एक जुलूस निकाली गई। जुलूस में शामिल कार्यकर्ताओं द्वारा केंद्र सरकार की गलत नीतियों के विरोध में जमकर नारेबाजी किया। जुलूस नगर भ्रमण कर प्रखंड कार्यालय पहुंचकर एक सभा में तब्दील हो गया।
जिसकी अध्यक्षता प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष रंजीत कुमार राजू ने की। सभा को संबोधित करते हुए एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष रविंद्र पासवान ने कहा कि आए दिनों गैस के दामों में बेतहाशा वृद्धि से उपभोक्ताओं के हालत खराब है। केंद्र सरकार द्वारा कई खाद्य पदार्थों में जीएसटी लगाए जाने व आए दिनों पदार्थों खाद्य पदार्थों की दामों में बेतहाशा-वृद्धि से आम लोगों की कमर तोड़ दी है। रंजीत कुमार राजू ने केंद्र सरकार से बेतहाशा महंगाई पर तत्काल अंकुश लगाने की मांग किया। उन्होंने पेट्रोलियम पदार्थों व रसोई गैस के दामों पर नियंत्रण करने की भी मांग किया कहा कि केंद्र की मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों से सभी वर्ग के लोग काफी परेशान है। कार्यक्रम के अंत में प्रखंड विकास पदाधिकारी, राकेश सहाय कार्यक्रम स्थल पहुंचकर धरना में बैठे लोगों से मांग पत्र लेकर धरना समाप्त करवाया। कार्यक्रम में एससी कांग्रेस प्रखण्ड अध्यक्ष आनंद कुमार पिंटू, वरिष्ठ कांग्रेसी रवींद्र राम, अवधेश मेहरा, विजय राम, संतोष कुमार कमलेश कुमार, बसंती देवी, राजकली देवी, बिगनी कुंवर, धनपतिया देवी,धनपति देवी, शांति देवी, मोहरी देवी, ऐनुल मिया सकीना बीबी, जूही बीबी, सविजन बीबी, रोशन बीबी, रामोतार भुइयां मुनीर अंसारी, भीम सेन तूरी विनोद तूरी, रामजीत मलार इत्यादि

मोरवाई में फुटबॉल टूर्नामेंट शुरू

बरवाडीह। प्रखंड के मोरवाई टाइगर ग्राउंड मे फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में समाजसेवी मनोज कुमार गुप्ता ने शिरकत की। मोरवाई मुखिया आशीष सिंह, पंचायत समिति सदस्य बीना देवी उर्फ रीना देवी, मोहन सिंह,दीपक सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे। फुटबॉल मैच की शुरूआती मैच बढनिया और मोरवाई के बीच खेला गया। टूर्नामेंट के पहले मैच में मोरवाई की टीम ने बढ़निया की टीम को 2-0 से हराकर जीत दर्ज की। टूर्नामेंट में आसपास की 2 दर्जन से अधिक टीमों ने हिस्सा लिया है। मौके में टूर्नामेंट आयोजन समिति के सभी सदस्य समेत काफी संख्या में फुटबॉल प्रेमी उपस्थित थे।

रजिस्ट्री सं.डी.एल.–33004/99 REGD. NO. D.L.-33004/99

भारत का राजपत्र, The Gazette of India
सी.जी.–डी.एल.–अ.-11052022-235708 , CG-DL-E-11052022-235708
असाधारण, EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii), PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित, PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2065] नई दिल्ली, मंगलवार, मई 10, 2022/वैशाख 20, 1944
No. 2065] NEW DELHI, TUESDAY, MAY 10, 2022/VAISAKHA 20, 1944

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 मई, 2022

का.आ. 2172(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 (1956 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3क की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 5255(ई.) दिनांक 17.12.2021, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित की गई थी, द्वारा झारखंड राज्य के लोहरदगा जिले में NH-143A के कि.मी. 12.80 से कि.मी. 29.08 तक लोहरदगा शहर के आसपास बाईपास का निर्माण, अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचालन के लिए उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और उक्त अधिसूचना का सार उक्त अधिनियम की धारा 3क की उपधारा (3) के अधीन तारीख "01.02.2022" को "हिन्दुस्तान" और तारीख "02.02.2022" को "दैनिक जागरण" दोनों में प्रकाशित किया गया था ;

और आक्षेप प्राप्त हुए थे और सक्षम प्राधिकारी ने उन पर विचार कर लिया है और आक्षेपों को अननुज्ञात कर दिया है ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, सक्षम प्राधिकारी की उक्त रिपोर्ट प्राप्त हो जाने पर और उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जन किया जाना चाहिए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (2) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन पर, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर आत्यन्तिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो जाएगी।

अनुसूची

झारखण्ड राज्य के लोहरदगा जिले में NH-143A के कि.मी. 12.80 से कि.मी. 29.08 तक लोहरदगा शहर के आसपास बाईपास का निर्माण के लिए अर्जन की जाने वाली भूमि का संरचना सहित अथवा संरचना रहित विवरण।

राज्य का नामः झारखण्ड				जिले का नामः लोहरदगा	
क्रमिक संख्या	सर्वेक्षण संख्या	भूमि का प्रकार	भूमि की प्रकृति	भूमि का क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	भूस्वामी हितबद्ध व्यक्तियों का नाम
1	2	3	4	5	6
तालुक का नामः लोहरदगा					
गांव का नामः निगनी					
168	133	निजी	टांड 2	0.1045326	मंगरा उराँव , पिता–सोमरा उराँव, जाति– उराँव
169	141	निजी	टांड 1	0.0214893	बकसु उराँव, धनसा उराँव, पिता– गजा उराँव
170	142	निजी	टांड 2	0.222582	बकसु उराँव, धनसा उराँव, पिता– गजा उराँव
171	143	निजी	टांड 1	0.1458519	बकसु उराँव, धनसा उराँव, पिता– गजा उराँव
172	144	निजी	टांड 2	0.0453662	बकसु उराँव, धनसा उराँव, पिता– गजा उराँव
173	145	निजी	टांड 2	0.1140429	सुकरा उराँव , पिता–माकु उराँव, जाति– – एवं वो घुड़ उराँव , पिता–बिफै उराँव, जाति– उराँव
174	146	निजी	टांड 2	0.1448401	सुकरा उराँव , पिता–माकु उराँव, जाति– – एवं वो घुड़ उराँव , पिता–बिफै उराँव, जाति– उराँव
175	148	निजी	दोन 2	0.0061514	जबरा उराँव, वो डहरू उराँव वो बसुआ उराँव, पिता– सुकरा उराँव वगैरह
176	149	निजी	टांड 2	0.0401052	बकसु उराँव, धनसा उराँव, पिता– गजा उराँव
177	155	निजी	टांड 2	0.0787131	ठकरू उराँव , वो करमा उराँव , पिता–सुकर उराँव, जाति– उराँव
178	156	निजी	टांड 2	0.0847025	ठकरू उराँव , वो करमा उराँव , पिता–सुकर उराँव, जाति– उराँव
179	157	निजी	टांड 2	0.2428976	ठकरू उराँव , वो करमा उराँव , पिता–सुकर उराँव, जाति– उराँव
180	158	निजी	टांड 2	0.1792796	बुधुआ, सोमा पिता– रबिया उराँव
181	19	निजी	दोन 2	0.201295	ललीत साहु , पिता–अखज साहु, जाति– सौंडीक
182	20	निजी	दोन 2	0.0587212	बेचना उराँव , वो सुकरा उराँव , वो बन्देया पाहन , पिता–विरसा उराँव, जाति– – एवं वो शानिया उराँव , पिता–नगुवा उराँव, जाति– – एवं वो पचुवा उराँव , पिता–सुकरा उराँव, जाति– उराँव
183	360	निजी	टांड 2	0.2831242	मंगरा उराँव, कोले उराँव वगैरह
184	364	निजी	टांड 2	0.0061514	सुकरा उराँव वगैरह
185	365	निजी	टांड 2	0.0410765	महेश महतो, पिता– भौंरो महतो
186	367	निजी	टांड 2	0.0075273	तुलसी साहु, केदार साहु वगैरह
187	368	निजी	टांड 2	0.1740186	सालो देवी , पति–महेश राम साव, जाति– सौंडीक
188	369	निजी	टांड 2	0.4330231	करमा उराँव, पिता– लोथेया उराँव
189	370	निजी	टांड 2	0.4896803	महेश महतो, पिता– भौंरो महतो
190	371	निजी	टांड 2	0.2522461	शेख तिफजत , पिता–शेख मंगल, जाति– मुसलमान
191	372	निजी	टांड 2	0.2624848	प्रभु उराँव , पिता–रोपा उराँव, जाति– – एवं वो सोमा उराँव , पिता–झीरुवा उराँव, जाति– उराँव
192	373	निजी	टांड 2	0.0664104	प्रभु उराँव , पिता–रोपा उराँव, जाति– – एवं वो सोमा उराँव , पिता–झीरुवा उराँव, जाति– उराँव
193	382	निजी	टांड 2	0.0508296	जातरू उराँव , पिता–बैजुवा उराँव, जाति– उराँव एवं वो गौरी उराँव , पिता–शानिया उराँव, जाति– उराँव एवं वो सोमा उराँव , पिता–कंगलू उराँव, जाति– उराँव
194	383	निजी	टांड 2	0.0753541	जातरू उराँव , पिता–बैजुवा उराँव वगैरह
195	384	निजी	टांड 2	0.1081344	जातरू उराँव , पिता–बैजुवा उराँव, जाति– उराँव एवं वो गौरी उराँव , पिता–शानिया उराँव, जाति– उराँव एवं वो सोमा उराँव , पिता–कंगलू उराँव, जाति– उराँव
196	385	निजी	टांड 2	0.0276811	मंगरा उराँव वो कोले उराँव वो हितवा उराँव , पिता–बन्धना उराँव, जाति– उराँव
197	437	निजी	दोन 2	0.0682315	वकास्त मुईहरी
198	438	निजी	दोन 2	0.1110077	5/8– सोमा उराँव ई.मु.
199	439	निजी	टांड 2	0.2023472	जातरू उराँव , पिता–बैजू उराँव, जाति– – एवं वो मुसमात तीतरी , पिता–रमुआ उराँव, जाति– – एवं वो गौरी उराँव , पिता–शानिया उराँव, जाति– – एवं वो सोमा उराँव , पिता–कमलू उराँव, जाति– उराँव
200	441	निजी	टांड 2	0.0455686	जातरू उराँव , पिता–बैजू उराँव, जाति– – एवं वो मुसमात तीतरी , पिता–रमुआ उराँव, जाति– – एवं वो गौरी उराँव , पिता–शानिया उराँव, जाति– – एवं वो सोमा उराँव , पिता–कमलू उराँव, जाति– उराँव
201	457	निजी	टांड 2	0.2658033	जातरू उराँव , पिता–बैजुवा उराँव, जाति– उराँव एवं वो गौरी उराँव , पिता–शानिया उराँव, जाति– उराँव एवं वो सोमा उराँव , पिता–कंगलू उराँव, जाति– उराँव
202	462	निजी	टांड 2	0.0124241	जातरू उराँव , पिता–बैजू उराँव, जाति– – एवं वो मुसमात तीतरी , पिता–रमुआ उराँव, जाति– – एवं वो गौरी उराँव , पिता–शानिया उराँव, जाति– – एवं वो सोमा उराँव , पिता–कमलू उराँव, जाति– उराँव
203	463	निजी	टांड 2	0.0404694	विश्वनाथ महतो , वो सोमरा महतो , वो रुथू महतो , पिता–तुलसी महतो, जाति– – एवं वो गंदुरा महतो , पिता–बसुव महतो, जाति– उराँव
204	464	निजी	टांड 2	0.0566168	5/9– सम्मिलात मालिकान
205	465	निजी	टांड 2	0.0966815	5/9– सम्मिलात मालिकान
206	466	निजी	टांड 2	0.0519223	5/9– सम्मिलात मालिकान
207	474	निजी	दोन 2	0.00259	5/4– विश्वनाथ उराव वगैरह
208	476	निजी	दोन 2	0.0944152	5/9– सम्मिलात मालिकान
209	477	निजी	दोन 2	0.140348	5/7– गन्दुर उराव वगैरह
210	478	निजी	दोन 2	0.0193444	5/7– गन्दुर उराव वगैरह
211	479	निजी	टांड 2	0.0153784	5/7– गन्दुर उराव वगैरह
212	480	निजी	टांड 2	0.000607	5/7– गन्दुर उराव वगैरह
213	482	निजी	दोन 2	0.0489276	विश्वनाथ महतो , वो सोमरा महतो , वो रुथू महतो , पिता–तुलसी महतो, जाति– – एवं वो गंदुरा महतो , पिता–बसुव महतो, जाति– उराँव
214	488	निजी	दोन 2	0.0004452	5/7– गन्दुर उराव वगैरह

[फा.सं. RW/Ranchi/LA/Lohardaga Bypas/NH-143A/3D]

जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, लोहरदगा

PR 276056 Lohardaga(22-23)#D

न्यूज गैलरी

अवैध रूप से सागवान की लकड़ी ले जा रहे पिकअप वैन जब्त

लोहरदगा। अवैध लकड़ी का कारोबार करनेवाले कारोबारियों पर वन विभाग ने नकेल डालने की हर कोशिश की है बावजूद लकड़ी माफिया अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार रविवार की देर रात पिकअप वैन में अवैध रूप से लकड़ी ले जाने की गुप्त सूचना पर वन विभाग की टीम ने कार्रवाई किया। गुमला लोहरदगा मुख्य पथ विपरीत दिशा से आ रहे हैं पिकअप संख्या जेएच 01 एडी 2039 को संदेह के आधार पर रास्ते में रात्रि गश्ती कर रहे हैं वन विभाग की टीम के द्वारा रोकने का प्रयत्न किया गया। किंतु ड्राइवर वाहन की गति बढ़ाते हुए सेन्हा के निकट एक बस्ती में उसे छुपा दिया। तत्पश्चात काफी खोजबीन के बाद सागवान की लकड़ी से लदे उक्त वाहन को जब्त कर वन क्षेत्र कार्यालय लोहरदगा लाया गया। विभाग मामले की उचित छानबीन कर आग्रह पर कानूनी कार्रवाई हेतु जुट गई है। जब्त लकड़ी की एक अनुमानित मूल्य 50,000 रुपये है वही पिकअप चालक फरार होने में सफल रहा।

टेम्पो को बचाने में अनियंत्रित टैंकर सड़क के किनारे पलटा, कोई हताहत नहीं

कुडू - लोहरदगा। कुडू चंदवा मुख्य पथ एनएच 75 थाना क्षेत्र के ढुलुवा खुटा पुल के समीप सोमवार को सामने से आ रहे टेंपो को बचाने के चक्कर में एक टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया, दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार रेनुकूट से अल्मुनियम पावडर खाली कर रांची जा रहा टैंकर संख्या यूपी 64 एटी - 4235 रांची लौट रहा था। इसी बिच कुडू ढुलुवा खुटा पुल के समीप सामने से आरही तेज रफ़्तार टेंपो को बचाने के चक्कर में सड़क के किनारे पलट गया।

दो सालों से जलमीनार खुद ही प्यासी

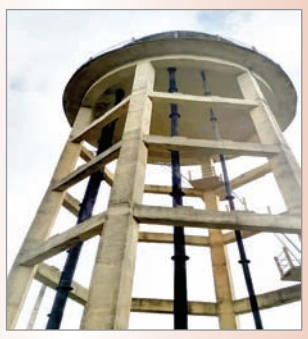

लोहरदगा। सदर प्रखंड के नदिया पंचायत के नदिया गांव में यह जल मीनार खुद ही प्यासी पड़ी हुई है ,स्थानीय निवासियों का कहना है कि लगभग दो-तीन साल से इस जलमीनार से पानी सप्लाई बंद है, पूछने पर कहा जाता है कि मशीन खराब हो गई है और सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जिला मुख्यालय से आधे से एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह जल मीनार आंसू बहा रही है तो खुद अंदाजा लगाया जा सकता है कि पदाधिकारियों की नजर आज तक इस पर इनायत नहीं हो रही है. सामाजिक विचार मंच जिले के उपायुक्त से यह मांग करती है इस दिशा में उचित कार्रवाई करने की कृपा की जाए ताकि स्थानीय जनता को पेयजल के लिए भटकना ना पड़े। उक्त जानकारी संयोजक कवलजीत सिंह ने दी।

बानो में सहायक शिक्षकों ने शहीद मुनेश्वर सिंह को दी श्रद्धांजलि

बानो। बानो विद्यालय बानो के प्रांगण में सहायक शिक्षकों ने शहीद मुनेश्वर सिंह की शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि दी। मौके पर सहायक अध्यापक ने माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। सहायक शिक्षक के प्रखंड अध्यक्ष उमाशंकर सिंह ने कहा आज पूरे झारखंड में हमारे प्रिय सहपाठी मुनेश्वर सिंह के याद में श्रद्धांजलि दी जाती है उन्होंने हमारे अधिकार की लड़ाई में भाग लिये। ज्ञात हो कि 22अगस्त 2007 को रांची के बिरसा चौक में आयोजित धरना प्रदर्शन में भाग लिया था। शिक्षकों के आंदोलन में पुलिस द्वारा लाठी चार्ज में घायल हो गये थे। आज हम उसी के याद में शहीद दिवस के रूप मनाते हैं। मौके पर बिश्वम्बर सिंह, मुरारी सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किया। इस अवसर परएक मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर सागेन सुरीन, रोजालिया कुजूर, याकूब सुरीन, बृन्दावती बड़ाईक, बूढ़ेश्वर सिंह दयमंती कुमारी, नूतन कंडुलना ,सोफिया कोनगाडी,राजेश सिंह बेनार्ड सुरीन आदि लोग उपस्थित थे।

बगडू पुलिस ने एक लाल वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

किस्को/लोहरदगा। जिले के बगडू थाना पुलिस ने एक लाल वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी विश्वजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में समकालीन अभियान के तहत बगडू थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तेतरडांड़ निवासी शौकत अंसारी का पुत्र रईस अंसारी को उसके घर से गिरफ्तार कर कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में लोहरदगा मंडल कारा भेज दिया है। इस संदर्भ में थाना प्रभारी विश्वजीत कुमार सिंह ने बताया कि वर्षों से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहे लाल वारंटी रईस अंसारी को समकालीन अभियान के दौरान उसके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। इधर समकालीन अभियान में थाना प्रभारी विश्वजीत कुमार सिंह के अलावा अन्य पुलिसकर्मी अभियान में शामिल थे।

सिनी संस्था ने राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कल्याण के तहत प्रशिक्षण के पश्चात निकाली रैली

ठेठईटांगर। सिनी संस्था द्वारा ठेठईटांगर रेफरल अस्पताल सभागार में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कल्याण दिवस के निमित्त प्रशिक्षण किया गया। जिसमे ठेठईटांगर के एएनएम आंगनवाड़ी सहिया, साथिया और आरोग्य एवं कल्याण राजदूत ने भाग लिया। साथ ही आरके एसके के कार्यों की विभिन्न विषयों की चर्चा की गयी। इसके साथ साथ ठेठईटांगर प्रखंड में रैली भी निकला गया जो ब्लॉक मैदान होते हुए भट्ठी टोली तक स्कूली बच्चों द्वारा रैली निकाला गया जिसमें स्कूली छात्राएं लड़का लड़की है एक समान दोनों को तो पूरा सम्मान, बाल विवाह अपराध है बच्चों के लिए अभिशाप है जैसे नारे लगा रहे थे और लोगों को जागरूक कर रहे थे। बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रिया प्रकाश एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी वासनी संस्था के सदस्य मौजूद थे।

वैक्सीनेशन में तेजी व जागरूकता लाने को लेकर अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने की बैठक

टीकाकरण को लेकर आमजनों को जागरूक करें क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व सामाजिक लोग : बीडीओ

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा/लोहरदगा। प्रखंड मुख्यालय के सभाकक्ष भवन में बीडीओ रंजीत कुमार सिन्हा, सीओ दिनेश प्रसाद गुप्ता एवं प्रमुख बरिया देवी ने सभी जनप्रतिनिधि व ग्राम प्रधानों के साथ कोविड-19 वैक्सीनेशन में तेजी लाने व जागरूकता लाने को लेकर एक बैठक किया। बैठक में क्षेत्र में आपसी सद्भावना बनाये रखने को लेकर बीडीओ ने विस्तार पूर्वक चर्चा की। बैठक के दौरान बीडीओ ने कहा कि प्रखंड क्षेत्र में वैक्सीनेशन का जो टारगेट है, वो शत प्रतिशत अब तक नही हो पाया है। जो काफी चिंताजनक विषय है इस बैठक के माध्यम से उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक लोगों तथा ग्राम प्रधान से विशेषकर अपील है की ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को टीकाकरण के प्रति जागरूक करें। कोविड 19 वैक्सीन को लेकर लोगों में फैली भ्रांतियों एवं अफवाहों को दूर करने के लिए जनप्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि इस वैक्सीन को लगाने से किसी भी तरह का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। बीडीओ ने सद्भावना मंच पर चर्चा करते हुए कहा की इस मंच के जरिए समाज में सुधार और आपसी भाईचारा कायम करना अहम मकसद है। इसके अलावा विभिन्न धार्मिक संप्रदायों के लोगों की सयुंक्त बैठक करना आम नागरिकों की जरुरतों को पूरा करना, मजदूर किसानों और पिछड़े लोगों की सेवा करना, यतीमों व बेवाओं की मदद करना, नवयुवकों को नशे की आदत और नैतिक भटकाव से बचाने के लिए प्रयास, पर्यावरण संरक्षण आदि क्षेत्र में काम किया जा रहा है। इसमें आप सभी की सहभागिता जरूरी है। प्रमुख बरिया देवी ने ईमाम एवं जनप्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि आप लोगों की बातों को जनमानस लोग सुनते हैं। लोगों को आप सब लोग समझाएं कि करोना महामारी पहले से विकराल रूप में फैल सकता है। इस बीमारी से अब बड़े-बूढ़े से लेकर बच्चों में भी इसका असर देखा जा रहा है। इसलिए इसका टीकाकरण जरूरी है। खासकर 45 वर्ष से ऊपर के लोगों को तीन टीका लगाना बेहद जरूरी है। टीका लगाने के उपरांत भी वे लोग मास्क का उपयोग करें। ताकि इस बीमारी से लड़ने की क्षमता मिले। सीओ दिनेश गुप्ता ने ईमाम एवं जनप्रतिनिधियों को बताया कि यह टीका लगाने से किसी भी तरह का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। बीमार व्यक्ति भी यह टीका लगा सकते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि यह टीका 45 वर्ष से ऊपर के सभी लोग जरूर लगवाएं। बैठक में मुख्य रूप से हॉप संस्था की मनोरमा एक्का, स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ संजय कुमार, सीडीपीओ कुमुदनी लकड़ा, नीता सरकार, मुखिया सुमित उरांव, इंद्रदेव उरांव, परमेश्वर महली, टेले उरांव, ममता कुमारी, सुमंती तिग्गा, धनेश्वरी उरांव, कइली उरांव, पंसस प्रमिला उरांव सहित सभी समाजिक कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

समकालीन अभियान के तहत सेन्हा पुलिस ने तीन वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेजा

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। समकालीन अभियान के तहत सेन्हा पुलिस ने एक लाल वारंटी एवं दो अन्य वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेजा। सेन्हा थाना क्षेत्र अंतर्गत चुरकु महुआ टोली निवासी रामदयाल उराँव के विरुद्ध न्यायालय द्वारा लाल वारंट जारी किया गया था। वहीं सेरेंगहातू निवासी मुंतजिर अंसारी एवं नसीमा खातून का भी वारंटी जारी हुआ था। जिसके आलोक में समकालीन अभियान के तहत सेन्हा थाना प्रभारी ऋषिकांत एवं ए एस आई राजेश शर्मा,सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी शस्त्र बल के साथ छापेमारी कर अलग अलग क्षेत्र से गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेजा। बताया जाता है कि रामदयाल उरांव 25 वर्ष पिता स्वर्गीय हिरामन उरांव चुरकु महुआ टोली निवासी जो कोर्ट नोटिस का अवहेलना करते हुए लंबे समय से फरार चल रहा था। वही अन्य वारंटी मुंतजिर अंसारी एवं नसीमा खातून को न्यायालय में गवाही नही देने के कारण गवाह वारंट जारी किया गया था। थाना प्रभारी ऋषिकांत ने बताया कि कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए तीनो वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

विद्या मंदिर स्कूल में संस्कृति महोत्सव का समापन

लोहरदगा। शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर के सभागार में बाल, किशोर एवं कन्या भारती के द्वारा बालसभा का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम संस्कृति महोत्सव सप्ताह के समापन कार्यक्रम के अंतर्गत कथा-कथन विषय में षष्ठ एवं सप्तम के भैया बहनों द्वारा प्रेरक कहानी की प्रस्तुति की गई। इसके बाद गीत, भजन एवं कविता की प्रस्तुति विभिन्न बहनों के द्वारा की गई। मौके पर रक्षाबंधन की पूर्व संध्या में आयोजित राखी बनाओ प्रतियोगिता एवं मेहंदी प्रतियोगिता में सम्मिलित कक्षा नवम एवं दशम की बहनों को प्रमाण पत्र दिया गया। इस कार्य का संपादन अंग्रेजी विषय की आचार्या मधुमिता शर्मा ने किया। इस अवसर पर विद्यालय में हिंदी विषय के आचार्य विष्णु दत्त पांडेय ने आचार्य पत्र वाचन के अंतर्गत 'नई शिक्षा नीति-2020' विषय पर अपना अभिभाषण प्रस्तुत किया। वंदे मातरम के साथ इस सभा का समापन किया गया।

जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में शुरू हुई पोस्टर प्रतियोगिता

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना कार्यक्रम, जिला परियोजना कार्यालय गुमला तथा सेंटर फॉर कैटालाइजिंग चेंज (सी-3) के तकनीकी सहयोग से झारखंड के सभी सरकारी विद्यालयों में 22 अगस्त से पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी । इस प्रतियोगिता में छठी से 12 वीं कक्षा के विद्यार्थियों को विद्यालय स्वास्थ्य एवम कल्याण कार्यक्रम के तहत निहित 15 विषयो में से किसी एक पर स्वेच्छा से पोस्टर तैयार करने होंगे। इस बाबत स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की महत्वपूर्ण ईकाई जे.सी.ई.आर.टी के द्वारा सभी जिलों को पत्र के माध्यम से निर्देश दिए हैं। उपरोक्त के आलोक में जिला शिक्षा पदाधिकारी अपूर्वा पॉल चौधरी ने कहा है कि 22 से 26 अगस्त तक विद्यालय स्वास्थ्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित होगी जिसमे प्रधानाध्यापक, एवं विद्यालय आरोग्य दूत और अन्य वरीय शिक्षक निर्णायक के रूप में रहेंगे। इसके बाद 29-30 अगस्त तक विद्यालयों से चयनित 3-3 प्रतिभागियों की प्रतियोगिता प्रखंड स्तर पर होगी जिसमें निर्णायक की भूमिका में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी एवं प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अनिवार्य रूप से होंगे, इसके साथ चयनित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को भी निर्णायक के रूप के शामिल किया जा सकता है। इसके बाद 1-4 सितंबर तक जिला स्तर पर इसका आयोजन होगा जिसमें निर्णायक के तौर पर जिला शिक्षा अधीक्षक, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी एवं सेंटर फॉर कैटालाइजिंग चेंज (सी-3) के प्रतिनिधि आदि सम्मिलित किए जायेंगे। यहां सर्वश्रेष्ठ पोस्टर बनाने वाले विद्यार्थी पुरस्कृत किए जायेंगे। इन प्रतियोगिताओं में सभी मध्य, माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक यथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, एकलव्य विद्यालय, जिला वार चयनित मॉडल स्कूल समेत अन्य सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी भाग लेंगे। पोस्टर प्रतियोगिता के संबंध में अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी अंबुज कुमार पाण्डे ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को पोस्टर ने ही अपनी जानकारी देनी होगी पोस्टर के दाहिनी ओर विद्यार्थी को अपना नाम रोल नंबर कक्षा स्कूल प्रखंड व जिला का नाम लिखना होगा प्रतियोगिता हेतु चिन्हित विषय है स्वास्थ्य बढ़ना, भावनात्मक कल्याण व मानसिक स्वास्थ्य, पारस्परिक संबंध मूल्य एवं जिम्मेदारी नागरिक, जेंडर समानता, पोषण एवं स्वास्थ्य, मादक द्रव्यों का सेवन की रोकथाम एवं प्रबंधन, स्वास्थ्य जीवन शैली को बढ़ावा देना, प्रजनन स्वास्थ्य एवं एचआईवी की रोकथाम, हिंसा व चोट के खिलाफ सुरक्षा, इंटरनेट व सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग, मानव तस्करी, बाल विवाह, सड़क सुरक्षा एवं दहेज प्रथा आदि शामिल हैं।

केरसई में कांग्रेस ने की महंगाई पर चर्चा के लिए नुक्कड़ सभा आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। कांग्रेस पार्टी के द्वारा रविवार को केरसई प्रखंड मुख्यालय में प्रखंड अध्यक्ष डेविड तिर्की की अध्यक्षता में महंगाई पर चर्चा के लिए नुक्कड़ सभा का आयोजन किया। सभा को संबोधित करते हुए सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि 2014 के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महंगाई पर रोक लगाने के लिए बड़े-बड़े वादे किए और आज मुकर गए हैं। देश में महंगाई चरम पर पहुंच गई है। महंगाई से हर रोज जनता त्राहिमाम कर रही है। सभी प्रकार के चीजों के दामों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कार्यकाल में महंगाई चरम पर है। वे इस पर एक शब्द बोलने से भी परहेज करते हैं। उनकी नीति के कारण ही अमीर और अमीर होते जा रहे हैं तथा गरीब और गरीब होते जा रहे हैं। देश में लोगों की नौकरियां खतरे पर पड़ गई है। कई लोगों की नौकरियां चली गई है। श्री बाड़ा ने कहा कि लोगों की आमदनी कम हो गई हैं और खर्च में काफी बढ़ोतरी हो गई है। केंद्र सरकार को इससे कोई लेना-देना नहीं है। बच्चों को पढ़ाने के खर्च से लेकर घर चलाने तक की सारी सामग्री के दामों में बढ़ोतरी हो गई है। अब वक्त आ गया है कि मोदी सरकार को देश से उखाड़ फेंकने का। इसलिए सभी एकजुट हों और कोंग्रेस का साथ दें। केरसई पहुंचे विधायक सहित अन्य कांग्रेसियों ने स्व इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सभा शुरू किया।

पूर्व मंत्री एनोस एक्का के बेटे संदेश एक्का को झापा पार्टी का युवा जिला अध्यक्ष बनाया

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। झारखंड पार्टी की बैठक सोमवार को पंडरीपानी में हुई। जिलाध्यक्ष मतियस बागे की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में संगठन मजबूती पर चर्चा की गई। बैठक में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए थे। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष व पूर्व मंत्री एनोस एक्का के बेटे संदेश एक्का को पार्टी का युवा जिला अध्यक्ष बनाया गया। बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि जल जंगल जमीन की बात कर ग्रामीणों को बरगला कर वोट हासिल करने वाला नेता किस तरह से जल जंगल और जमीन को बेचने का कार्य किया है वह किसी से छुपा नहीं है। उन्होंने कहा कि आज भी क्षेत्र में एनोस एक्का के ही कार्य देखने को मिलते हैं। बैठक में कहा गया कि आगामी चुनाव में एक बार फिर से झारखंड पार्टी की जीत सुनिश्चित करनी है बैठक में पंचायत चुनाव में जीतने वाले पार्टी समर्थित जनप्रतिनिधियों को सम्मानित भी किया गया बैठक में ओम प्रकाश अग्रवाल, बिरसा मांझी, आईरिन एक्का, जिप सदस्य अनीता सोरेंग, ललन प्रसाद, पिंटू सिन्हा, आमरेन समद,सुनील लुगुन, जॉनसन कांडूलना, गुडविन कांडुलना, सनियाल सुरीन, तारामणि साहू, सहित कई लोग

उपस्थित थे।

देश की ताकत है युवा : संदेश

युवा जिला अध्यक्ष बनने के बाद संदेश एक्का ने युवाओं में जोश भरते हुए कहा कि युवा ही देश की ताकत है अगर युवाओं ने चाहा लिया तो देश की तकदीर बदलने से कोई रोक नहीं सकता है उन्होंने एनोस एक्का के कार्यों की याद दिलाते हुए कहा कि एनोस एक्का ने जो कार्य किया है उसकी बराबरी कोई नहीं कर सकता है। अपने पिता को षड्यंत्र के तहत फंसाने की बात कहते हुए संदेश ने कहा कि जल जंगल जमीन को बेचकर, गरीब आदिवासी जनता के भावनाओं को बेचकर पैसे बनाने का काम किसने किया है यह किसी से छुपा नहीं है। संदेश में कहा कि जल जंगल और जमीन की लड़ाई झारखंड पार्टी ने शुरू की थी और क्षेत्र के युवाओं के दम पर वह इस लड़ाई को मंजिल तक पहुंचा कर दम लेंगे।

गढ़वा विशेष शाखा डीएसपी अरुण खलखो का रांची जाने के क्रम में कुडू में हुई मौत

यदि चिकित्सकों द्वारा व्यवस्थित एम्बुलेंस से भेजा जाता तो, बचाई जा सकती थी जान

नवीन मेल संवाददाता

कुडू-लोहरदगा। गढ़वा जिले के विशेष शाखा डीएसपी अरुण खलखो (55) का सोमवार की सुबह करीब 11 बजे निधन हो गया। मिली जानकारी के अनुसार रविवार की रात अचानक से शुगर बढ़ने के बाद उन्हें गढ़वा सरकारी अस्पताल ले जाया गया था। जहां उपचार के बाद भी शुगर नियंत्रित नहीं होने के बाद चिकित्सकों द्वारा उन्हें रांची के लिए रेफर किया गया था। लेकिन रांची ले जाते समय कुडू चंदवा के बिच में ही अचानक हालात बिगड़ने लगी। हालत बिगड़ने पर चालक उन्हें लेकर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र कुडू पहुंचा, जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। 1994 बैच के सब इंस्पेकटर रहे श्री खलखो गढवा विशेष शाखा में बतौर डीएसपी तैनात थे। मूल रूप से रांची जिले के मांडर थाना अंतर्गत बांसजाडी गांव के रहने वाले अरुण खलखो और उनका परिवार फिलहाल मांडर के खीस्त कॉलोनी में घर बनाकर रह रहा था।

घटना की खबर पर लोहरदगा पुलिस के कई अधिकारी पहुंचे कुडू अस्पताल : डीएसपी के आकस्मिक निधन की खबर सुन लोहरदगा मुख्यालय डीएसपी परमेश्वर प्रसाद, लोहरदगा सर्किल इन्स्पेक्टर सीएम हांसदा, सीसीआर सह कोर्ट प्रभारी इंस्पेक्टर बनारसी प्रसाद, विशेष शाखा लोहरदगा अवर निरीक्षक विकास कुमार सहित कई अधिकारी कुडू अस्पताल पहुंच मामले की जानकारी ली और उनके शव को एम्बुलेंस से रांची भेजा। मौके पर कुडू थाना की एसआई जोशफिना हेम्ब्रम, रामदेव राय, रामकुमार बैठा, संजय कुमार सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

गढ़वा अस्पताल के चिकित्सकों की बड़ी लापरवाही आई सामने : डीएसपी अरुण खलखो की मौत के पीछे गढ़वा अस्पताल के चिकित्सकों की बड़ी लापरवाही सामने आ रही हैं। जिन चिकित्सकों ने रात में उनका इलाज किया। वे उनकी स्थिति से भली भाँती वाकिफ थे इसीलिए उन्हें रिम्स रेफर किया उसके बावजूद उन्हें एंबुलेंस भेजना मुनासिब नहीं समझा। और उन्हें उनके निजी वाहन से ही इतनी लंबी दुरी तय करने की इजाजत दे दी। यदि उन्हें सुविधायुक्त एम्बुलेंस से ले जाया जाता तो शायद उनके प्राण की रक्षा की जा सकती थी।

पति ने अपनी पत्नी को मारकर किया घायल सदर अस्पताल सिमडेगा में ईलाज के दरमियान हुई मौत

कोलेबिरा। कोलेबिरा थाना क्षेत्र में पति ने अपनी पत्नी को मारकर किया घायल प्राप्त जानकारी के अनुसार एडेगा पंचायत के रामजड़ी तेतर टोली गांव निवासी एडिसन बरला नामक वयक्ति ने अपने 40 वर्षीय पत्नी विश्वासी बरला को आपसी विवाद में कहा सुनी के दौरान टांगी के पीछे भाग से मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया तत्पश्चात उनके परिजनों एवं ग्रामीणों के द्वारा घायल विश्वासी बरला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोलेबिरा लाया गया जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक इलाज किया एवं बेहतर ईलाज के लिए सदर सिमडेगा अस्पताल सिमडेगा रेफर कर दिया गया जिसमें ईलाज के बीच हुए मौत जिसके बाद कोलेबिरा पुलिस ने आरोपी को पकड़कर जेल भेल दिया गया और इस संदर्भ मे कोलेबिरा थाना काण्ड संख्या 50/2022 दिनांक 22.08.2022 धारा 302 भादवि अभियुक्त एडिशन बारला रामजडी कोलेबिरा सिमडेगा दर्ज कर लिया गया है मौत की सूचना मिलने पर सिमडेगा पुलिस के द्वारा शव को अपने कब्जे में ले कर अंत: परीक्षण के लिए भेज दिया वहीं पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के पश्चात परिजनों को शव सौंप दिया।

योगी सेना ने किया मटकी फोड़ प्रतियोगिता सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, मोटिया संघ बरवाटोली रहा विजेता

हिन्दू समाज को अपने धर्म के प्रति जागरूक होना जरूरी : भैरव सिंह

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। शहरी क्षेत्र के बरवाटोली चौक स्थित मनोकामना सिद्धि दुर्गा मंदिर परिसर में योगी सेना ने मटकी फोड़ प्रतियोगिता सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में कुल सात टीम ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रांची के प्रसिद्ध हिन्दू नेता भैरव सिंह उपस्थित हुए। अतिथियों ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मौके पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कलाकारों द्वारा एक से बढ़कर कार्यक्रम की प्रस्तुति किया गया। इधर मटकी फोड़ प्रतियोगिता में कुल 07 टीमों ने भाग लिया। जिसमें बजरंग दल अरेया, राजा बंगला श्री राम के दीवाने, मोटिया संघ, बक्शीडिपा जय श्री राम समिति, नवयुवक संघ बरवाटोली, लामन्टर बॉयज, सेरेंगहातू शामिल थे। यहां प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले मोटिया संघ बरवाटोली को 11 हजार रुपए नकद व शील्ड देकर सम्मानित किया गया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि भैरव

सिंह ने कहा कि सनातन धर्म संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए इस तरह के कार्यक्रम का होना जरूरी है। भैरव सिंह ने कहा कि लोहरदगा में मटका फोड़ प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रम हिंदू धर्म की मजबूती को दशार्ता है। जितने भी आज समस्याएं हैं हिंदू धर्म को लेकर खासकर धर्मांतरण, लव जिहाद आदि समस्याओं का निराकरण करने के लिए इस प्रकार के जागरण कार्यक्रम का आयोजन बहुत जरूरी है। गांव गांव में भक्ति जागरण कार्यक्रम का आयोजन करना होगा। यहां लोग आएंगे तो अपने धर्म के प्रति वे जागरूक होंगे और समाज को भी जागरूक करेंगे। भैरव सिंह ने कहा कि हिंदू समाज जब-जब जागरूक हुआ है संगठित हुआ है तब तब उसने पूरे विश्व का नेतृत्व किया है। हिंदू समाज को एकजुट होने के लिए धर्मांतरण जैसे बड़ी समस्याओं से लड़ना होगा। इधर कार्यक्रम के दौरान लोगों को अधिक भीड़भाड़ के कारण व्यवस्था नहीं होने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ा। हालांकि लोगों ने कार्यक्रम का आनंद जमकर उठाया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से योगी सेना के अध्यक्ष प्रवीण कुमार ठाकुर, जिला परिषद उपाध्यक्ष बिनोद उरांव उर्फ गुड्डू, पूर्व जिप सदस्य रामलखन प्रसाद, रितेश कुमार, रमेश साहू, रितेश कुमार, संतोष लकड़ा, रोहित साहू, बिनोद उरांव गुड्डू, गुप्तेश्वर प्रसाद, प्रत्यूष साहू, सचिन सिंघानिया, नागेंद्र प्रजापति, सरोज प्रजापति, मृण्युंजय मधुप, तुषार आरव, भोला साहू, नवीन ठाकुर, गौरव तमेडा समेत अन्य उपस्थित थे। इधर विधि व्यवस्था बनाये रखने को लेकर सदर थाना प्रभारी अनिल उरांव सदल बल के साथ कार्यक्रम स्थल पर मौजूद थे।

शिक्षक संघ के सदस्यों ने नये जिला शिक्षा पदाधिकारी से की मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। झारखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ सिमडेगा इकाई के पदाधिकारियों ने राज्य प्रतिनिधि उपन डांग की नेतृत्व में सिमडेगा के नव पदस्थापित जिला शिक्षा पदाधिकारी मोहन झा से शिष्टाचार मुलाकात की।

जहां पर सर्वप्रथम उन्हें सिमडेगा जिले में आगमन पर पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इस मौके पर सिमडेगा जिला में शिक्षा विभाग में शिक्षकों की समस्याओं के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की जिस पर नवनियुक्त जिला शिक्षा पदाधिकारी ने सकारात्मक बातें कही तथा कहा कि सभी कार्य विभाग एवं शिक्षकों के हित में होगी ताकि शिक्षा का स्तर पढ़ें और सिमडेगा जिले में बेहतर शिक्षा के स्तर पर काम किया जा सके वही मुख्य रूप से इस दौरान संघ के प्रधान सचिव अरुण कुमार सिंह सलाहकार केवल प्रसाद सिंह कोलेबिरा प्रखंड के पदाधिकारी सुजीत प्रस्तुत एवं लालधन नायक उपस्थित रहे।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.24 अरब डॉलर गिरकर 570.74 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12 अगस्त को समाप्त सप्ताह में 2.24 अरब डॉलर घटकर लगातार दूसरे सप्ताह गिरता हुआ 570.74 अरब डॉलर रह गया, इसके पिछले सप्ताह भी यह 89.7 करोड़ डॉलर कम होकर 572.97 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 12 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 2.7 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 506.9 अरब डॉलर रह गया। हालांकि इस अवधि में

स्वर्ण भंडार 30.5 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 40.62 अरब डॉलर पर पहुंची

स्वर्ण भंडार 30.5 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 40.62 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 10.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.13 अरब डॉलर पर रहा। इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 70 लाख डॉलर की बढ़त लेकर 4.99 अरब डॉलर हो गया।

19 प्रतिशत तक गिर सकता जोमैटो का शेयर, शेयर घटाने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। जोमैटो के शेयरों में पैसा लगाने वाले इनवेस्टर्स के लिए एक बुरी खबर है। एक ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि जोमैटो के शेयरों में और गिरावट आ सकती है। यह बात फॉरेन ब्रोकरेज हाउस नोमुरा ने कही है। नोमुरा ने फूड डिलीवरी प्लैटफॉर्म जोमैटो के शेयरों का कवरेज शुरू किया है। विदेशी ब्रोकरेज हाउस ने जोमैटो के शेयरों को रेड्यूस रेटिंग यानी कंपनी के शेयर घटाने की सलाह दी है। नोमुरा ने जोमैटो के शेयरों के लिए 50 रुपए का टारगेट प्राइस दिया है। यह बात एक रिपोर्ट में कही गई है। नोमुरा ने जोमैटो के शेयरों के लिए 50 रुपए का टारगेट दिया है। ऐसे में शुक्रवार के 61.40 रुपए के क्लोजिंग प्राइस से कंपनी के शेयरों में करीब 19% की गिरावट आ सकती है। नोमुरा इंडिया का कहना है कि फूड डिलीवरी में डबल-डिजिट कंट्रीब्यूशन मार्जिन एक मुश्किल काम है। ब्रोकरेज हाउस का मानना है कि जोमैटो का फूड डिलीवरी बिजनेस एडजस्टेड इबिट्डा लेवल पर एफवाई 24 की पहली तिमाही में प्रॉफिटेबल हो जाएगा। जोमैटो के शेयर इस साल अब तक 56% से ज्यादा गिर चुके हैं। इस साल की शुरूआत में 3 जनवरी 2022 को जोमैटो के शेयर 141.35 रुपए के स्तर पर थे। 22 अगस्त 2022 को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में जोमैटो के शेयर 62.15 रुपए के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं। वहीं, पिछले 6 महीने में जोमैटो के शेयरों में 22 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है।

रिमूवेबल डिवाइस से डेटा चोरी के मामले बढ़े

डेटा सेफ्टी के लिए बड़ा खतरा बन रही हैं यूएसबी ड्राइव्स, रिपोर्ट्स में मिली चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई रिपोर्ट में सामने आया है कि आधे से ज्यादा साइबर थ्रेट्स इस तरह डिजाइन किए गए हैं, जिनमें खास तरह से तैयार किए गए रिमूवेबल मीडिया का इस्तेमाल किया जाता है। सामने आया है कि साल 2021 के मुकाबले ऐसे खतरे तेजी से बढ़े हैं और इंडस्ट्रीज को इस दिशा में जरूरी कदम उठाने की जरूरत है। '2022 हनीवेल इंडस्ट्रीज साइबर सिक्योरिटी वरइ थ्रेट रिपोर्ट' के मुताबिक, वरइ से जुड़े मालवेयर और खतरे तेजी से बढ़ना इंडस्ट्री से जुड़े लोगों की चिंता बढ़ा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल 52% साइबर खतरों में खास तौर से डिजाइन किए गए रिमूवेबल मीडिया का इस्तेमाल किया गया। वहीं, साल 2021 में यह आंकड़ा 32% था और इसमें आई बढ़त तेजी से बढ़ते खतरे को दिखाती है। चौथे साल शेयर की गई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रिमोट ऐक्सेस से जुड़े कैपेसिटी वाले थ्रेट्स करीब 51% मामलों में सामने आए हैं। वहीं, खास तौर से इंडस्ट्रियल कंट्रोल सिस्टम्स को निशाना बनाने के लिए तैयार किए गए थ्रेड्स की संख्या भी पिछले कुछ साल के मुकाबले तेजी से बढ़ी है। ऐसे में इंडस्ट्रीज के लिए अतिरिक्त सुरक्षा स्तर को उनके सिस्टम का हिस्सा बनाना जरूरी हो जाता है। हनीवेल कनेक्टेड इंटरप्राइज साइबर सिक्योरिटी के वाइस प्रेसिडेंट एंड जनरल मैनेजर जेफ जिंडल ने कहा, विरोधी जानबूझकर रिमूवेबल मीडिया का इस्तेमाल शुरूआती अटैक के लिए करते हैं।

OFFICE OF DEPUTY COMMISSIONER-CUM-DISTRICT MAGISTRATE LATEHAR

Letter no. ..... Date .....

SUB–INVITATION OF SHORT TERM EXPRESSION OF INTREST TO ESTABLISH AND RUN A PLANNING AND MONITORING UNIT (PMU) FOR THE PROJECTS OF DISRTIC MINERAL FOUNDATION, SCA & SKILL DEVELOPMENT.

SL. NO	INFORMATION/SUBJECT	DETAILS
01	NAME OF WORK	TO ESTABLISH AND RUN A PLANNING AND MONITORING UNIT (PMU) FOR THE PROJECTS OF DISRTIC MINERAL FOUNDATION, SCA & SKILL DEVELOPMENT
02	DATE OF PUBLICATION OF BID	20-08-2022
03	PRE BID MEETING WITH INSTRESTED COMPANY/FIRM/ ORGANIZATION ETC AND RFP EVALUTION COMMITTEE	01-09-2022, from 03:00 PM
04	EARNEST MONEY TO BE DEPOSITED	Rs. 2,00,000/- (RupeesTwo Lakh Only)
05	TENDER DOCUMENT FEE	Rs. 10,000/- (Rupees Ten Thousand Only) in form of DD and favour of Inviting RFP/EOI authority payable at Latehar in any government recognized Bank.
06	LAST DATE & TIME FOR BID SUBMISSION	13-09-2022, up to 01:00 PM
07	BID SUBMMISSON PLACE	DRDA, Latehar(DMFT Section)
08	DATE AND TIME FOR BID OPENING	13-09-2022, 02:00 PM
09	BID OPENING PLACE	CHAMBER OF DEPUTY COMMISSIONER, COLLECTORIATE BUILDING, LATEHAR
10	NAME AND OFFICE FOR INVINTING RFP	DEPUTY COMMISSIONER, LATEHAR. COLLECORIATE BUILDING, LATEHAR.
11	HELPLINE NO. AND EMAIL ADDRESS	DDC, LATEHAR ddc-lat@nic.in 9431138603

NOTE: - For further detail please visit https:\\ latehar.nic.in. If RFP cannot open in schedule date due unavoidable circumstances, it will be re open in date of .....and.....

Deputy Commissioner, Latehar.

PR 276053 (Latehar)22-23*D

अगस्त में 8 प्रतिशत बढ़े कॉटन के दाम, कॉटन की कीमतों में गिरावट की संभावना कम

नई दिल्ली। शॉर्ट टर्म में डोमेस्टिक स्पॉट मार्केट में कॉटन का भाव 45,455 रु. से 47,500 रु. के दायरे में कारोबार करेगा। हालांकि कटाई के साथ भाव धीरे-धीरे कम होकर 40,000 रुपए के नीचे आ सकता हैं। उससे नीचे जाने पर कीमतें 35,000 रुपए प्रति गांठ के आस-पास पहुंच सकती है। ओरिगो ई मंडी के असिस्टेंट जनरल मैनेजर तरुण तत्संगी के मुताबिक आईसीई कॉटन में आई मजबूती के साथ ही देश में कपास उत्पादक इलाकों में भारी बारिश और कीड़ों की वजह से फसल खराब होने की खबरें है। इसी के चलते भारतीय हाजिर बाजार में कॉटन की कीमतों में 46,000 रुपए प्रति गांठ के ऊपर मजबूती देखने को मिली थी। अगस्त में अभी तक कॉटन की कीमतों में करीब 8 प्रतिशत की तेजी आ चुकी है। लगातार बारिश का कपास की फसल पर निगेटिव असर पड़ा है और ऐसा लग रहा है कि कॉटन की कीमतों ने इस साल देश में अनुमानित ज्यादा फसल के आंकड़े को नजर अंदाज कर दिया है।

रजिस्ट्री सं.डी.एल.–33004/99 REGD. NO. D.L.-33004/99

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

सी.जी.–डी.एल.–अ.-11052022-235708

CG-DL-E-11052022-235708

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2065] नई दिल्ली, मंगलवार, मई 10, 2022/वैशाख 20, 1944

No. 2065] NEW DELHI, TUESDAY, MAY 10, 2022/VAISAKHA 20, 1944

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 मई, 2022

का.आ. 2172(अ).–केन्द्रीय सरकार ने, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 (1956 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3क की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 5255(ई.) दिनांक 17.12.2021, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित की गई थी, द्वारा झारखंड राज्य के लोहरदगा जिले में NH-143A के कि.मी. 12.80 से कि.मी. 29.08 तक लोहरदगा शहर के आसपास बाईपास का निर्माण, अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचालन के लिए उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और उक्त अधिसूचना का सार उक्त अधिनियम की धारा 3क की उपधारा (3) के अधीन तारीख "01.02.2022" को "हिन्दुस्तान" और तारीख "02.02.2022" को "दैनिक जागरण" दोनों में प्रकाशित किया गया था ;

और आक्षेप प्राप्त हुए थे और सक्षम प्राधिकारी ने उन पर विचार कर लिया है और आक्षेपों को अननुज्ञात कर दिया है ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, सक्षम प्राधिकारी की उक्त रिपोर्ट प्राप्त हो जाने पर और उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जन किया जाना चाहिए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (2) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन पर, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर आत्यन्तिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो जाएगी।

अनुसूची

झारखण्ड राज्य के लोहरदगा जिले में **NH-143A** के कि.मी. 12.80 से कि.मी. 29.08 तक लोहरदगा शहर के आसपास बाईपास का निर्माण के लिए अर्जन की जाने वाली भूमि का संरचना सहित अथवा संरचना रहित विवरण।

राज्य का नामः झारखण्ड — जिले का नामः लोहरदगा

क्रमिक संख्या	सर्वेक्षण संख्या	भूमि का प्रकार	भूमि की प्रकृति	भूमि का क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	भूस्वामी हितबद्ध व्यक्तियों का नाम
1	2	3	4	5	6
तालुक का नामः सेन्हा					
गांव का नामः बनसरी					
76	102	निजी	दोन 2	0.0084986	विरसा उराँव , वो बुधराम उराँव , पिता–जोखना उराँव, जाति– उराँव एवं वो बन्धना उराँव , पिता–माधो उराँव, जाति– उराँव एवं वो फगुवा उराँव , वो अगुवा उराँव , पिता–मांगे उराँव, जाति– उराँव एवं वो ठकुरा उराँव , पिता–चम्पा उराँव, जाति– उराँव एवं वो एतवा उराँव , वो विशु उराँव , पिता–ठिठिया उराँव, जाति– उराँव एवं वो लोहरा उराँव , पिता–मंगरा उराँव, जाति– उराँव
77	103	निजी	दोन 2	0.134399	विरसा उराँव , वो बुधराम उराँव , पिता–जोखना उराँव, जाति– उराँव एवं वो बन्धना उराँव , पिता–माधो उराँव, जाति– उराँव एवं वो फगुवा उराँव , वो अगुवा उराँव , पिता–मांगे उराँव, जाति– उराँव एवं वो ठकुरा उराँव , पिता–चम्पा उराँव, जाति– उराँव एवं वो एतवा उराँव , वो विशु उराँव , पिता–ठिठिया उराँव, जाति– उराँव एवं वो लोहरा उराँव , पिता–मंगरा उराँव, जाति– उराँव
78	104	निजी	दोन 2	0.1416431	विरसा उराँव , वो बुधराम उराँव , पिता–जोखना उराँव, जाति– उराँव एवं वो बन्धना उराँव , पिता–माधो उराँव, जाति– उराँव एवं वो फगुवा उराँव , वो अगुवा उराँव , पिता–मांगे उराँव, जाति– उराँव एवं वो ठकुरा उराँव , पिता–चम्पा उराँव, जाति– उराँव एवं वो एतवा उराँव , वो विशु उराँव , पिता–ठिठिया उराँव, जाति– उराँव एवं वो लोहरा उराँव , पिता–मंगरा उराँव, जाति– उराँव
79	105	निजी	दोन 2	0.0855929	विरसा उराँव , वो बुधराम उराँव , पिता–जोखना उराँव, जाति– उराँव एवं वो बन्धना उराँव , पिता–माधो उराँव, जाति– उराँव एवं वो फगुवा उराँव , वो अगुवा उराँव , पिता–मांगे उराँव, जाति– उराँव एवं वो ठकुरा उराँव , पिता–चम्पा उराँव, जाति– उराँव एवं वो एतवा उराँव , वो विशु उराँव , पिता–ठिठिया उराँव, जाति– उराँव एवं वो लोहरा उराँव , पिता–मंगरा उराँव, जाति– उराँव
80	106	निजी	दोन 2	0.2319304	वकास्त भुईहरी
81	107	निजी	रस्ता	0.0574666	अनावाद सर्व साधारण
82	108	निजी	दोन 2	0.1228652	कमन उराँव , वो परवा उराँव , पिता–कोगले उराँव, जाति– उराँव एवं इसान उराँव , पिता–कोल्हा उराँव, जाति– उराँव एवं वो लुथरा उराँव , वो पुसा उराँव , पिता–जोखना उराँव, जाति– उराँव एवं वो बड़ही उराँव , पिता–चौना उराँव, जाति– उराँव एवं वो बजी उराँव , पिता–सुकुल उराँव, जाति– उराँव एवं वो भुखा उराँव , पिता–मांगा उराँव, जाति– उराँव एवं वो बदकी उराँव , पिता–करजा उराँव, जाति– उराँव एवं वो पलटु उराँव , वो सोना उराँव , पिता–महली उराँव, जाति– उराँव एवं वो वेनी उराँव , पिता–मनीया उराँव, जाति– उराँव एवं वो रामकुमार उराँव , वो ललन उराँव , पिता–सोमा उराँव, जाति– उराँव एवं वो लुथरा उराँव , पिता–जोए उराँव, जाति– उराँव एवं वो मदनी , पिता–जेरकु उराँव, जाति– उराँव एवं वो लेडे उराँव , वो रतिया उराँव , पिता–अकलु उराँव, जाति– उराँव एवं वो सुकरु उराँव , वो सुकरा उराँव , वो शंकर उराँव , वो करमा उराँव , पिता–घोके उराँव, जाति– उराँव
83	109	निजी	दोन 2	0.2492918	विपता उराँव , पिता–एयता उराँव, जाति– उराँव एवं वो डका उराँव , वो सुकरा उराँव , वो बरना उराँव , पिता–शनिचरवा उराँव, जाति– उराँव एवं वो एतवा उराँव , वो सुतिया उराँव , वो लुन्दु उराँव , वो सुकरा उराँव , पिता–धुंडु उराँव, जाति– उराँव
84	118	निजी	दोन 2	0.0665318	विरसा उराँव , वो भिनसरिया उराँव , पिता–हुड़ा उराँव, जाति– उराँव
85	124	निजी	दोन 2	0.0376366	सुकरा उराँव , पिता–सुखनाथ उराँव, जाति– उराँव एवं वो वादे उराँव , पिता–फगुवा उराँव, जाति– उराँव
86	125	निजी	डान 2	0.3186159	विपता उराँव , पिता–एयता उराँव, जाति– उराँव एवं वो डका उराँव , वो सुकरा उराँव , वो बरना उराँव , पिता–शनिचरवा उराँव, जाति– उराँव एवं वो एतवा उराँव , वो सुतिया उराँव , वो लुन्दु उराँव , वो सुकरा उराँव , पिता–धुंडु उराँव, जाति– उराँव
87	126	निजी	दोन 2	0.1664913	बुधु उराँव , पिता–बरना उराँव, जाति– उराँव
88	127	निजी	दोन 2	0.095346	भिखु उराँव , पिता–विरसा उराँव, जाति– उराँव एवं वो तिवारी उराँव , वो रंथु उराँव , वो जयराम उराँव , पिता–चमरा उराँव, जाति– उराँव एवं वो हिजिया उराँव , पिता–लेदा उराँव, जाति– उराँव एवं वो जिरकु उराँव , पिता–सुकरु उराँव, जाति– उराँव एवं वो जितु उराँव , वो रतिया उराँव , पिता–मंगा उराँव, जाति– उराँव एवं वो संतोष उराँव , पिता–सुकरु उराँव, जाति– उराँव एवं वो महादेव उराँव , वो सहदेव उराँव , वो महावीर उराँव , पिता–शनि उराँव, जाति– उराँव एवं वो मारो उराँव , पिता–गेन्दरा उराँव, जाति– उराँव
89	128	निजी	दोन 2	0.0058276	भिखु उराँव , पिता–विरसा उराँव, जाति– उराँव एवं वो तिवारी उराँव , वो रंथु उराँव , वो जयराम उराँव , पिता–चमरा उराँव, जाति– उराँव एवं वो हिजिया उराँव , पिता–लेदा उराँव, जाति– उराँव एवं वो जिरकु उराँव , पिता–सुकरु उराँव, जाति– उराँव एवं वो जितु उराँव , वो रतिया उराँव , पिता–मंगा उराँव, जाति– उराँव एवं वो संतोष उराँव , पिता–सुकरु उराँव, जाति– उराँव एवं वो महादेव उराँव , वो सहदेव उराँव , वो महावीर उराँव , पिता–शनि उराँव, जाति– उराँव एवं वो मारो उराँव , पिता–गेन्दरा उराँव, जाति– उराँव
90	168	निजी	दोन 1	0.0594091	गन्दुरा उराँव , वो एतवा उराँव , पिता–देशा उराँव, जाति– उराँव
91	169	निजी	दोन 2	0.1130716	घीना उर्फ जुलियस एक्का , पिता–मंगरा उराँव, जाति– उराँव
92	170	निजी	दोन 2	0.1301497	सुकरा उराँव , पिता–गन्दुरा उराँव, जाति– उराँव एवं वो गुंगा उराँव , पिता–बुधु उराँव, जाति– उराँव एवं वो जगतपाल उराँव , पिता–बुधाई उराँव, जाति– उराँव एवं वो ननकु उराँव , वो जोखना उराँव , पिता–जीता उराँव, जाति– उराँव एवं वो नडु उराँव , वो ठकरु उराँव , पिता–खुड़ा उराँव, जाति– उराँव
93	171	निजी	दोन 2	0.1598948	सुकरा उराँव , पिता–गन्दुरा उराँव, जाति– उराँव एवं वो गुंगा उराँव , पिता–बुधु उराँव, जाति– उराँव एवं वो जगतपाल उराँव , पिता–बुधाई उराँव, जाति– उराँव एवं वो ननकु उराँव , वो जोखना उराँव , पिता–जीता उराँव, जाति– उराँव एवं वो नडु उराँव , वो ठकरु उराँव , पिता–खुड़ा उराँव, जाति– उराँव
94	173	निजी	दोन 2	0.1143262	कमन उराँव , वो परवा उराँव , पिता–कोगले उराँव, जाति– उराँव एवं इसान उराँव , पिता–कोल्हा उराँव, जाति– उराँव एवं वो लुथरा उराँव , वो पुसा उराँव , पिता–जोखना उराँव, जाति– उराँव एवं वो बड़ही उराँव , पिता–चौना उराँव, जाति– उराँव एवं वो बजी उराँव , पिता–सुकुल उराँव, जाति– उराँव एवं वो भुखा उराँव , पिता–मांगा उराँव, जाति– उराँव एवं वो बदकी उराँव , पिता–करजा उराँव, जाति– उराँव एवं वो पलटु उराँव , वो सोना उराँव , पिता–महली उराँव, जाति– उराँव एवं वो वेनी उराँव , पिता–मनीया उराँव, जाति– उराँव एवं वो रामकुमार उराँव , वो ललन उराँव , पिता–सोमा उराँव, जाति– उराँव एवं वो लुथरा उराँव , पिता–जोए उराँव, जाति– उराँव एवं वो मदनी , पिता–जेरकु उराँव, जाति– उराँव एवं वो लेडे उराँव , वो रतिया उराँव , पिता–अकलु उराँव, जाति– उराँव एवं वो सुकरु उराँव , वो सुकरा उराँव , वो शंकर उराँव , वो करमा उराँव , पिता–घोके उराँव, जाति– उराँव
95	174	निजी	दोन 2	0.4572643	विपता उराँव , पिता–एयता उराँव, जाति– उराँव एवं वो डका उराँव , वो सुकरा उराँव , वो बरना उराँव , पिता–शनिचरवा उराँव, जाति– उराँव एवं वो एतवा उराँव , वो सुतिया उराँव , वो लुन्दु उराँव , वो सुकरा उराँव , पिता–धुंडु उराँव, जाति– उराँव
96	175	निजी	दोन 2	0.1052206	भिखु उराँव , पिता–विरसा उराँव, जाति– उराँव एवं वो तिवारी उराँव , वो रंथु उराँव , वो जयराम उराँव , पिता–चमरा उराँव, जाति– उराँव एवं वो हिजिया उराँव , पिता–लेदा उराँव, जाति– उराँव एवं वो जिरकु उराँव , पिता–सुकरु उराँव, जाति– उराँव एवं वो जितु उराँव , वो रतिया उराँव , पिता–मंगा उराँव, जाति– उराँव एवं वो संतोष उराँव , पिता–सुकरु उराँव, जाति– उराँव एवं वो महादेव उराँव , वो सहदेव उराँव , वो महावीर उराँव , पिता–शनि उराँव, जाति– उराँव एवं वो मारो उराँव , पिता–गेन्दरा उराँव, जाति– उराँव
97	176	निजी	दोन 2	0.1377985	विरसा उराँव , वो बुधराम उराँव , पिता–जोखना उराँव, जाति– उराँव एवं वो बन्धना उराँव , पिता–माधो उराँव, जाति– उराँव एवं वो फगुवा उराँव , वो अगुवा उराँव , पिता–मांगे उराँव, जाति– उराँव एवं वो ठकुरा उराँव , पिता–चम्पा उराँव, जाति– उराँव एवं वो एतवा उराँव , वो विशु उराँव , पिता–ठिठिया उराँव, जाति– उराँव एवं वो लोहरा उराँव , पिता–मंगरा उराँव, जाति– उराँव
98	177	निजी	दोन 2	0.0217726	याकुब उराँव , पिता–संतोष उराँव, जाति– उराँव एवं वो हरुण उराँव , पिता–युसुफ उराँव, जाति– उराँव एवं वो दाउद उराँव , वो संतोष उराँव , वो मरकुश उराँव , वो निमरोध उराँव , पिता–दाउद उराँव, जाति– उराँव
99	337	निजी	दोन 2	0.063537	मैकेल उराँव , पिता–पौलुस उराँव, जाति– उराँव एवं वो सोहन उराँव , वो मोहन उराँव , पिता–जीता उराँव, जाति– उराँव
100	338	निजी	दोन 2	0.4188588	विपता उराँव , पिता–एयता उराँव, जाति– उराँव एवं वो डका उराँव , वो सुकरा उराँव , वो बरना उराँव , पिता–शनिचरवा उराँव, जाति– उराँव एवं वो एतवा उराँव , वो सुतिया उराँव , वो लुन्दु उराँव , वो सुकरा उराँव , पिता–धुंडु उराँव, जाति– उराँव
101	339	निजी	दोन 2	0.209915	सुकरा उराँव , पिता–गन्दुरा उराँव, जाति– उराँव एवं वो गुंगा उराँव , पिता–बुधु उराँव, जाति– उराँव एवं वो जगतपाल उराँव , पिता–बुधाई उराँव, जाति– उराँव एवं वो ननकु उराँव , वो जोखना उराँव , पिता–जीता उराँव, जाति– उराँव एवं वो नडु उराँव , वो ठकरु उराँव , पिता–खुड़ा उराँव, जाति– उराँव
102	357	निजी	दोन 1	0.0060704	मनमसीह उराँव , वो जोहान उराँव , वो पाते उराँव , वो पियो उराँव , पिता–निर्मल उराँव, जाति– उराँव एवं वो मिसिले उराँव , वो वरना उराँव , वो निकु उराँव , वो अधरन उराँव , पिता–सामुएल उराँव, जाति– उराँव
103	363	निजी	दोन 2	0.0408337	सुकरा उराँव , पिता–गन्दुरा उराँव, जाति– उराँव एवं वो गुंगा उराँव , पिता–बुधु उराँव, जाति– उराँव एवं वो जगतपाल उराँव , पिता–बुधाई उराँव, जाति– उराँव एवं वो ननकु उराँव , वो जोखना उराँव , पिता–जीता उराँव, जाति– उराँव एवं वो नडु उराँव , वो ठकरु उराँव , पिता–खुड़ा उराँव, जाति– उराँव
104	364	निजी	बगीचा	0.3072845	सुकरा उराँव , पिता–गन्दुरा उराँव, जाति– उराँव एवं वो गुंगा उराँव , पिता–बुधु उराँव, जाति– उराँव एवं वो जगतपाल उराँव , पिता–बुधाई उराँव, जाति– उराँव एवं वो ननकु उराँव , वो जोखना उराँव , पिता–जीता उराँव, जाति– उराँव एवं वो नडु उराँव , वो ठकरु उराँव , पिता–खुड़ा उराँव, जाति– उराँव
105	365	निजी	दोन 1	0.3011736	जीता उराँव , वो मंगन उराँव , पिता–एतवा उराँव, जाति– उराँव एवं वो किसुन उराँव , पिता–विरसा उराँव, जाति– उराँव
106	366	निजी	दोन 2	0.1749899	राम अयोध्या महतो , वो रामधनी महतो , वो भोला महतो , पिता–महादेव महतो, जाति– कुम्हार एवं वो पुरू देवी , पति–गोन्दल कुम्हार, जाति– कुम्हार
107	367	निजी	दोन 2	0.055605	राम अयोध्या महतो , वो रामधनी महतो , वो भोला महतो , पिता–महादेव महतो, जाति– कुम्हार एवं वो पुरू देवी , पति–गोन्दल कुम्हार, जाति– कुम्हार
108	368	निजी	दोन 2	0.2751113	राम अयोध्या महतो , वो रामधनी महतो , वो भोला महतो , पिता–महादेव महतो, जाति– कुम्हार एवं वो पुरू देवी , पति–गोन्दल कुम्हार, जाति– कुम्हार
109	370	निजी	दोन 2	0.0006475	ठुठिया मुंडा , वो रैया मुंडा , वो लदुरा मुंडा , पिता–सुकरा मुंडा, जाति– मुण्डा एवं वो दुखन मुंडा , पिता–बदुरा मुंडा, जाति– मुण्डा
110	371	निजी	दोन 2	0.1259004	ठुठिया मुंडा , वो रैया मुंडा , वो लदुरा मुंडा , पिता–सुकरा मुंडा, जाति– मुण्डा एवं वो दुखन मुंडा , पिता–बदुरा मुंडा, जाति– मुण्डा
111	372	निजी	दोन 2	0.1166734	ठुठिया मुंडा , वो रैया मुंडा , वो लदुरा मुंडा , पिता–सुकरा मुंडा, जाति– मुण्डा एवं वो दुखन मुंडा , पिता–बदुरा मुंडा, जाति– मुण्डा
112	487	निजी	दोन 2	0.119911	गन्दुरा उराँव , वो एतवा उराँव , पिता–देशा उराँव, जाति– उराँव
113	488	निजी	दोन 2	0.1983408	जीता उराँव , वो मंगन उराँव , पिता–एतवा उराँव, जाति– उराँव एवं वो किसुन उराँव , पिता–विरसा उराँव, जाति– उराँव
114	489	निजी	दोन 2	0.1314043	जीता उराँव , वो मंगन उराँव , पिता–एतवा उराँव, जाति– उराँव एवं वो किसुन उराँव , पिता–विरसा उराँव, जाति– उराँव
115	490	निजी	दोन 2	0.2723998	एतवा उराँव , वो सुकू उराँव , पिता–जरू उराँव, जाति– उराँव एवं वो सोमा उराँव , वो लहसु उराँव , पिता–सुना उराँव, जाति– उराँव
116	491	निजी	दोन 2	0.0278025	मैकेल उराँव , पिता–पौलुस उराँव, जाति– उराँव एवं वो सोहन उराँव , वो मोहन उराँव , पिता–जीता उराँव, जाति– उराँव
117	95	निजी	दोन 2	0.0043707	सुकरा उराँव , पिता–गन्दुरा उराँव, जाति– उराँव एवं वो गुंगा उराँव , पिता–बुधु उराँव, जाति– उराँव एवं वो जगतपाल उराँव , पिता–बुधाई उराँव, जाति– उराँव एवं वो ननकु उराँव , वो जोखना उराँव , पिता–जीता उराँव, जाति– उराँव एवं वो नडु उराँव , वो ठकरु उराँव , पिता–खुड़ा उराँव, जाति– उराँव
118	98	निजी	दोन 2	0.123877	सुकरा उराँव , पिता–गन्दुरा उराँव, जाति– उराँव एवं वो गुंगा उराँव , पिता–बुधु उराँव, जाति– उराँव एवं वो जगतपाल उराँव , पिता–बुधाई उराँव, जाति– उराँव एवं वो ननकु उराँव , वो जोखना उराँव , पिता–जीता उराँव, जाति– उराँव एवं वो नडु उराँव , वो ठकरु उराँव , पिता–खुड़ा उराँव, जाति– उराँव

[फा.सं. RW/Ranchi/LA/Lohardaga Bypas/NH-143A/3D]

जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, लोहरदगा।

PR.NO.276104 Lohardaga(22-23):D

सम्पादक की कलम से...

कांग्रेस के तल्ख तेवर

झारखंड में कांग्रेस और जेएमएम की गठबंधन सरकार में ऑल इज वेल है, ये ठोक कर कभी किसी ने नहीं कहा। सदन से सड़क तक हमेशा कांग्रेस की नाराजगी साफ तौर पर देखने को मिली है। कई बार कांग्रेस के प्रदेश स्तर के नेता सीएम हेमंत सोरेन के सामने अपनी बात रखने की कोशिश भी की। लेकिन बात हमेशा आयी-गयी ही रही। बात विभागीय बोर्ड के बंटवारे, पेट्रोल में सब्सिडी या फिर नेतरहाट फायरिंग रेंज की अवधि विस्तार पर रोक लगाने की हो। कांग्रेस की भवें हमेशा जेएमएम के फैसले पर तनी रही हैं। हद तो यह है कि बड़े फैसलों के बारे में कांग्रेस को पता भी नहीं रहता और फैसला सरकार की तरफ से ले लिया जाता है। अभी पिछले दिनों सीएम हेमंत सोरेन ने नेतरहाट फायरिंग रेंज की अवधि विस्तार पर रोक लगा दी है। काफी दिनों से ये मांग थी कि फायरिंग रेंज की अवधि विस्तार ना दिया जाये। सीएम हेमंत सोरेन के इस फैसले से कांग्रेस खुश नहीं है। वजह यह कि फैसले से पहले कांग्रेस से पूछा तक नहीं गया कि ऐसा किया जाये या नहीं। कुछ कांग्रेस के दिग्गजों ने कहा कि उन्हें भी मीडिया के माध्यम से फैसले की जानकारी मिली। कांग्रेस के विधायक और पदाधिकारी हमेशा से दबी जुबान से जेएमएम की ओर से इग्नोरेंस की बात करते आये हैं। साफ कहते हुए सुना गया है कि वो सरकार में शामिल तो हैं, लेकिन उनकी सुनी नहीं जाती। यहां तक कि यूपीए की बैठक में भी खुद कांग्रेस एक बार शामिल नहीं हुई थी। एक बार फिर से गठबंधन सरकार में शामिल जेएमएम को कांग्रेस की जरूरत पड़ी है। दरअसल निर्वाचन आयोग में सीएम हेमंत सोरने से जुड़े खनन लीज मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद ऐसा माहौल बना है। निर्वाचन आयोग कभी भी अपना फैसला राज्यपाल को सुना सकता है। फैसला निगेटिव होगा या पॉजीटिव कहा नहीं जा सकता। लेकिन फिलहाल सधी हुई राजनीति यही कहती है कि अपने गठबंधन के साथियों को भरोसे में रखो। अब कांग्रेस अपना पूरा भरोसा देने के एवज में अपनी शर्तों पर बात करेगी। अपनी बात रखने या अपनी मांग न पूरी की जाने की सूरत में आगे की कार्यवाही से जेएमएम को अवगत जरूर करायेगी। अगर कांग्रेस यह मौका चूकती है, तो फिर से कांग्रेस सरकार में शामिल तो रहेगी। लेकिन लेवल बैकफुट का ही लगा रहेगा। झारखंड सरकार में शामिल रहने के बावजूद दबी-कुचली सी कांग्रेस के इस बार तेवर तल्ख है। अंदरखाने में उत्साह इतना बढ़ा है कि बहकी-बहकी बाते भी हो रही हैं। कुछ कांग्रेसियों का कहना है कि अगर निर्वाचन आयोग का फैसला पूरी तरह से सोरेन परिवार के लिए निगेटिव आया तो कांग्रेस शर्तों के एवज में ऊंची बोली भी लगा सकती है। क्योंकि मौके पर चौका मारने की राजनीति की दस्तूर कहती है कि सत्ता किसी हाल में ना जाये। सत्ता ना सही उसकी चौखट जरूर हाथ आये। यही हाल हाल के दिनों में देखने और सुनने को मिल भी रहा है। महागठबंधन दल की बैठक में कांग्रेस की अनुपस्थिति यह दर्शाने के लिए काफी है कि कांग्रेस वर्तमान हालात को देखते हुए सौदा करने के मूड में दिख रही है। जबकि दूसरी तरफ हेमंत सोरेन सरकार संकट के दौर से निकलने का जुगाड़ बैठा रही है। अब आगे-आगे होता है क्या यह देखने की बात है।

आज का इतिहास

1839 : ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने यमन के शहर अदन को जीत लिया।
1905 : बंगला साहित्यकार देवेन्द्रनाथ टैगोर ने आखरी सांस ली।
1910 : जर्मनी तथा बोलिविया के वाणिज्यिक तथा दोस्ताना समझौता समाप्त।
1920 : अलेक्जेंडर मिलरैंड ने फ्रांस में सरकार का गठन किया।
1921 : मध्य अमेरिकी देशों कोस्टारिका, ग्वाटेमाला, होंडुरस तथा अल सल्वाडोर ने समझौते पर हस्ताक्षर किये।
1927 : ब्रिटेन की सरकार ने अपनी सेना चीन भेजने का निर्णय लिया।
1938 : जनरल मोटर्स ने डीजल इंजन का बड़े स्तर पर उत्पादन शुरू किया।
1941 : ब्रिटेन ने अफ्रीकी देश इराटीरिया के खिलाफ आक्रमक रूख अपनाया।
1941 : ब्रिटेन की सेना ने अफ्रीकी देश सूडान के कसलफ पर कब्जा किया।
1942 : जापान की सेना ने बर्मा पर हमला किया।
1949 : कैरेबियाई देश क्यूबा ने इजरायल को मान्यता दी।
1966 : इंदिरा गांधी भारत की चौथी प्रधानमंत्री चुनी गयी।
1981 : अमेरिकी तथा ईरान के बीच समझौते के तहत 52 अमेरिकी बंधकों को रिहा किया गया।
1990 : ओशो के नाम से मशहूर रजनीश का पुणे में निधन।
1995 : हिन्दी साहित्यकार उपेंद्रनाथ अश्क का निधन।
2007 : जवाहर लाल नेहरू पुरस्कार ओमान के सुल्तान काबूस बिन सईद बिन तैमूर अल सईद को प्रदान करने का फैसला।
2010 : कन्नड़ फि ल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता के. एस. अशवाथ का निधन।
2012 : प्रसिद्ध संगीतकार तथा भारतीय, पाश्चात्य संगीत के उस्ताद एंथनी गोंजाल्विस का निधन।
2013 : स्काटलैंड के ग्लेन कोए में हिमस्खलन में चार पर्वतारोहियों की मौत।
2013 : नासा के क्यूरियोसिटी रोवर को मंगल ग्रह पर कैल्शियम जमा मिला।
2015 : राजनीतिक विचारक एवं लेखक रजनी कोठारी का निधन।
1778 : जेम्स कुक 'हवाई द्वीप समूह' की खोज करने वाले पहले यूरोपियन बने।
1782 : अमेरिकी राजनेता डेनियल वेब्सटर का जन्म।

जांच कैसे हो, फैसला करेगी सरकार

> .एक ऐसा निकाय बनाने हेतु एक विधेयक सभा के पास विचाराधीन है, जो जीवन बीमा निगम के पूरे विनियोजन की देखरेख करेगा।...मेरी यह इच्छा नहीं कि पॉलीसी धारकों को हानि हो और उन्हें केवल सरकारी उपक्रमों में पूंजी लगाने के लिए कहा जाए, जहां से संभवतः उन्हें पर्याप्त लाभ न हो। ...वास्तव में, तथ्य यह है कि जहां तक शेयरों का संबंध है, यदि मान लिया जाए कि उनके द्वारा दिये गये आंकड़े सही हैं, तो यह कहा जा सकता है कि जब कुछ शेयर कुछ कम कोट कर दिये गये थे, तो कुछ अधिक किये गये थे। मैं यह जानकारी 24 तथा 25 के बारे में दे रहा हूं। इस प्रकार यदि हम उस दिन को देखें, जिस दिन शेयर खरीदे गये थे।

मैं माननीय मित्र फिरोज गांधी को बधाई देता हूं कि उन्होंने प्रशासन की त्रुटियों को बिना गलती के पकड़ने की अपनी ख्याति को बनाये रखा है। मैंने उन्हें काफी ध्यानपूर्वक सुना है और मैं उनके भाषण में संगीत नाटक के तत्वों की प्रशंसा भी करता हूं। जैसा उन्होंने बताया, तथ्य यह है कि जीवन बीमा निगम ने 24 या 25 जून को बहुत से अंश खरीदे थे। इस सभा में की गई सारी आलोचना और प्रश्नों में एक गलती की गई है और वह यह कि यह कहा गया है कि एक विशेष व्यक्ति को यह सारी राशि दी गई है और यह कंपनी उसकी थी और उसकी सहायता के लिए अथवा उसे वित्तीय कठिनाई से निकालने के लिए राशि दी गई है। ...परंतु वस्तुतः तथ्य यह है कि इन कंपनियों के स्थापित होने में कुछ समय लगा था और जैसा फिरोज गांधी ने बताया है, उनमें से कुछ का कारोबार अच्छा रहा है। मुझे स्वयं इन कंपनियों का अधिक ज्ञान नहीं है...। संयोग की बात है कि फिरोज गांधी ने प्रशासन की अपेक्षा अथवा एक बुरे प्रयोजन के विनियोजन से भी अधिक आरोप लगाए हैं। ...मैं इस सभा के समक्ष उत्तरदायी हूं और केवल कुछ शब्दों से मैं इससे विमुक्त नहीं हो सकता। यहां उठाई गई बातों का उत्तर देने का प्रयत्न करूंगा। मैं अपने उत्तरदायित्व में नहीं कतराता और इसे कुछ पदाधिकारियों के कंधे पर नहीं फेंकना चाहता। सच बात यह है कि जीवन बीमा निगम का संचालन वित्त मंत्रालय नहीं करता। हम तो केवल उस समय हस्तक्षेप करते हैं, जब कर्मचारियों का विवाद हो, कोई गड़बड़ हो या जब कोई प्रश्न पूछा जाए। एक-दो बार मैंने अपने अधिकार का अतिक्रमण करते हुए वहां आकर उन्हें निपटारे के कुछ साधनों के सुझाव अवश्य दिये थे, जिनको निगम को स्वयं करना था। अतः निगम की व्यवस्था ऐसी है कि वित्त मंत्री के लिए उसके नित्यप्रति के कार्यों की देख-रेख करना न तो उपयुक्त ही है और न ही संभव, वह तो केवल उसके संचालन का ध्यान रख सकता है। ... मैं सभा को यह भी बता देना चाहता हूं कि पूंजी विनियोजन का नियंत्रण जीवन बीमा निगम के अधीन ही रखा गया है, क्योंकि मेरा विचार था कि निगम के हितों को मुख्य स्थान देना चाहिए। ...एक ऐसा निकाय बनाने हेतु एक विधेयक सभा के पास विचाराधीन है, जो जीवन बीमा निगम के पूरे विनियोजन की देखरेख करेगा।...मेरी यह इच्छा नहीं कि पॉलीसी धारकों को हानि हो और उन्हें केवल सरकारी उपक्रमों में पूंजी लगाने के लिए कहा जाए, जहां से संभवतः उन्हें पर्याप्त लाभ न हो। ...वास्तव में, तथ्य यह है कि जहां तक शेयरों का संबंध है, यदि मान लिया जाए कि उनके द्वारा दिये गये आंकड़े सही हैं, तो यह कहा जा सकता है कि जब कुछ शेयर कुछ कम कोट कर दिये गये थे, तो कुछ अधिक किये गये थे। मैं यह जानकारी 24 तथा 25 के बारे में दे रहा हूं। इस प्रकार यदि हम उस दिन को देखें, जिस दिन शेयर खरीदे गये थे, तो कह सकते हैं कि हमें थोड़ा लाभ हुआ। अगले दिन घाटा होना प्रारंभ हो गया। जांच का कोई प्रश्न ही नहीं है। ...चूंकि सभा में आरोप लगाये जा रहे हैं और संदेह की गुंजाइश है, इन सभी पदाधिकारियों को पहले साफ करना है, उनसे पहले पूछना है। हो सकता है, उन्होंने गलती की हो। उन्होंने कितनी गलती की है, इसका अनुमान लगाना है। मैं सभा को बतलाऊंगा कि हमें क्या करना चाहिए। मैं यह नहीं कहना चाहता कि जांच कब की जाए? जांच की जायेगी। सभा को सब कुछ बतलाया जायेगा, किंतु कब किया जायेगा, इस बात का निर्णय सरकार को स्वतः करना होगा। जांच अवश्य ही की जायेगी, किंतु किस प्रकार से की जायेगी, इसका निर्णय भी सरकार ही करेगी, क्योंकि कतिपय बातों का संरक्षण करना है। इस कारण इसका समय निर्धारित करना बड़े ही महत्व की बात है। मैं यह भी नहीं कह सकता कि शेयरों को बेचा जाए। यदि हम कठिनाई में हैं, तब भी ऐसी बातें करने में क्या लाभ है? जब तक शेयर ठोस न हों, वह इन्हें नहीं खरीदेंगे।... निस्संदेह, जांच भी की जायेगी । जांच करने में संसद सदस्यों को प्रतिनिधित्व मिलेगा या नहीं, मैं इस संबंध में पहले से कोई बात नहीं कहना चाहता। वास्तव में, यह निर्णय सरकार को करना है। सब बातों पर विचार किया जायेगा। दबाव से हां करने का कोई प्रश्न नहीं है। ...मैं वायदा नहीं करता, किंतु इतनी बात अवश्य कहता हूं कि जांच अवश्य होगी। (लोकसभा में दिये गये भाषण का अंश)

■ टी टी कृष्णमाचारी

लाइक,शेयर एंड सब्सक्राइब

'अच्छा सब तैयार है!' नई वेब सीरिज के निर्देशक ने कैमरामैन व कलाकार से पूछा। दोनों ने हाँ के प्रत्युत्तर में सिर हिला दिया। निर्देशक के एक्शन कहने के साथ अभिनय शुरू हुआ। कैमरामेन का कैमरा कलाकार पर केंद्रित था और कलाकार का ध्यान संवादों पर। कलाकार अपने अभिनय संवादों में बहते हुए कहने लगाः 'नमस्कार दर्शकों आज मैं सिखाऊँगा कि हमें किसी का खून करने के लिए तैयारी कैसे करनी चाहिए? होता यूँ है कि कई लोगों के भीतर जुर्म करने का कीड़ा मचलता रहता है। लेकिन उन्हें यह नहीं पता कि जुर्म कैसे करें। मन में रह-रहकर ख्याल आते रहते हैं कि जुर्म करने पर कहीं पकड़े तो नहीं जायेंगे? पकड़े जायेंगे तो पुलिस उनके साथ क्या करेगी? आदि-आदि।' निर्देशक ने कैमरामेन से कलाकार को क्लोजर में लेने का निर्देश दिया। कलाकार कैमरे की स्क्रीन पर जूम हो उठा था। कलाकार अपनी धारा प्रवाह में संवाद कहने की जगह उसमें जीने लगा और कहाः 'तो आज हम आपको चुटकियों में जुर्म चैनल के जरिये अपराध की दुनिया में न केवल प्रवेश करना सिखायेंगे बल्कि उसमें निपुण भी बनायेंगे। तभी वहाँ एक पुलिस अधिकारी आ गया। जब उसे निर्देशक से पता चला कि वह जुर्म की दुनिया में प्रवेश करने व निपुण बनाने के लिए वेब सीरिज बना रहा है तो उसका माथा ठनका। वह निर्देशक की क्लास लगाने ही वाला था कि निर्देशक बोल पड़ा - 'देखिये साहब! आजकल यूट्यूब पर गलाकाट कांपटीशन चल रहा है। हमारे चुटकियों में जुर्म चैनल के एक लाख सब्सक्राइबर्स हैं। उन्हें नये-नये विषय पर वीडियो बनाकर देने पड़ते हैं, नहीं तो हमारी कमाई गिर जाएगी।' पुलिस अधिकारी ने फटकारते हुए कहाः 'वेब सीरिज बनाने का इतना ही शौक है तो कुछ पकवान या फिर डैंस संबंधी वीडियो बनाओ। ऐसे जुर्म को बढ़ावा देने वाले वीडियो बनाते हुए तुम्हें शर्म नहीं आती?' निर्देशक ने भोले मन से कहाः 'आती है साहब! लेकिन क्या करें? खाने पकाने और डैंस जैसे विषयों पर असंख्य वीडियो बन चुके हैं। इसलिए दर्शकों को आकर्षित करने के लिए नये-नये विषय के साथ आगे आना पड़ता है। विश्वास न हो तो आप खुद ही यूट्यूब देख लीजिए। बिना चिकित्सा सीखे लोग घर पर ही गर्भवती स्त्री का ऑपरेशन कर रहे हैं। खून करने के तरीके और उससे बचने के उपाय बताये जा रहे हैं। चूंकि हमारे सब्सक्राइबर्स अधिक हैं इसलिए वे हमें कमेंट बॉक्स में नये-नये वीडियो बनाने पर मजबूर कर रहे हैं, नहीं तो अनसब्सक्राइब करने की धमकी दे रहे हैं। अब करें तो क्या करें?' यह सुनकर पुलिस अधिकारी ने माथा पीट लिया।

■ डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
मो. नं. 73 8657 8657

सौर ऊर्जा लक्ष्य की चुनौती

ऊर्जा संबंधी मामलों की स्थायी समिति ने संसद में पेश अपनी रिपोर्ट में कहा है कि केंद्र सरकार देश में अक्षय ऊर्जा की सत्तर फीसद योजनाओं को लागू करने का लक्ष्य पूरा नहीं कर पाई है। अभी तक केवल बीस फीसद सौर पार्कों को ही विकसित किया जा सका है। इस रिपोर्ट के मुताबिक केंद्र सरकार ने वर्ष 2022 तक पचास से अधिक सौर पार्क और अल्ट्रा मेगा सौर ऊर्जा परियोजनाओं के जरिये चालीस गीगावाट सौर ऊर्जा पैदा करने का लक्ष्य तय किया था। लेकिन हालत यह है कि तीन साल बाद भी ग्यारह सौर पार्कों को तो मंत्रालय से मंजूरी भी नहीं मिल पाई है। इस विलंब के कारण लक्ष्य निर्धारित करने की पूरी कवायद अर्थहीन हो गई है। स्थायी समिति के मुताबिक ग्यारह और सौर पार्कों को मंजूरी में देरी की वजह से चालीस गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य में 6.2 गीगावाट कमी आने की संभावना है। स्थायी समिति की रिपोर्ट में बताती है कि अब तक केवल सत्रह राज्यों में कुल पचास सौर पार्कों में से बाईस हजार आठ सौ उनयासी मेगावाट क्षमता के उनतालीस सौर ऊर्जा पार्क स्थापित करने के लिए स्वीकृति प्रदान की गई है। इनमें से भी महज आठ पार्कों का ही आधारभूत ढांचा पूर्ण रूप से विकसित हो पाया है, जिनमें केवल छह हजार पांच सौ अस्सी मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता है। इसके अलावा चार सौर पार्कों को आंशिक रूप से विकसित किया गया है, जिनकी सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता एक हजार तीन सौ पैंसठ मेगावाट बताई जा रही है। इसी पर चिंता जाहिर करते हुए स्थायी समिति का कहना है कि मंत्रालय 2015 से 2020 तक पांच वर्षों की अवधि में केवल आठ सौर पार्क ही विकसित कर सका है। वर्ष 2020 के बाद पूरी तरह से विकसित सौर पार्कों की संख्या में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि ये सौर पार्क परियोजनाएं आखिर लटक क्यों गईं? मंत्रालय ने ग्यारह सौर पार्क योजनाओं को लेकर विलंब के कारण भी नहीं बताये। इसलिए समिति ने इस देरी पर मंत्रालय से जवाब मांगा है। समिति ने इस पर भी खेद जताया कि विभिन्न राज्य सरकारों के पास उपलब्ध अधिशेष भूमि के उपयोग और सभी विमानपत्तनों को कोच्चि विमानपत्तन की तर्ज पर सौर परियोजना लगाने के लिए समिति की सिफारिश पर भी संबंधित मंत्रालय ने कोई पहल नहीं की। हालांकि लोकसभा में 'ऊर्जा संरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2022' पर चर्चा के दौरान विद्युत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने हाल ही में बताया था कि भारत सरकार पर्यावरण की चिंता के साथ ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम कर रही है और अक्षय ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने में बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और विकसित देश भी भारत से पीछे हैं। इस ऊर्जा संरक्षण विधेयक में आधुनिक ऊर्जा क्षमता के प्रावधान वाले प्रस्ताव हैं, जिनमें बड़ी इमारतों के लिए हरित और टिकाऊ विद्युत उपयोग वाले मानक बनाये जायेंगे, जिन्हें राज्य सरकार बदल सकती है। विधेयक में कम से कम एक सौ किलोवाट के विद्युत कनेक्शन वाली इमारतों के लिए नवीकरणीय स्रोत से ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने का प्रावधान है। सरकार का मानना है कि सभी देश जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वैश्विक तापमान से निपटने के लिए कार्बन डाईआक्साइड और ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कम करना चाहते हैं, और इसी संकल्प के तहत अक्षय ऊर्जा और स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की दिशा में अभियान शुरू हुआ है। पेरिस में हुए संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (काप-21) में भारत ने यह तय किया था कि वर्ष 2030 तक बिजली उत्पादन क्षमता का चालीस फीसद हिस्सा अक्षय ऊर्जा और स्वच्छ ऊर्जा जैसे गैर-जीवाश्म ईंधन वाले स्त्रोतों से पूरा किया जायेगा। इसी के तहत सरकार विद्युत चालित वाहनों की चार्जिंग भी अक्षय ऊर्जा से करने को बढ़ावा देने में लगी है। सरकार के सामने बड़ी चुनौती पेट्रोलियम पदार्थों और कोयले के आयात पर निर्भरता खत्म करने की है। दरअसल कोयला, गैस, पेट्रोलियम आदि ऊर्जा के परंपरागत साधन सीमित मात्रा में होने के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी हानिकारक साबित हो रहे हैं। ऐसे में बेहद जरूरी है कि ऊर्जा के ऐसे गैर परंपरागत स्त्रोतों को तेजी से विकसित किया जाए, जिनके क्षय भी न हो और वे प्रदूषण फैलाने वाले भी न हों। यही कारण है कि दुनियाभर में ऐसी ऊर्जा और तकनीक विकसित करने के प्रयास जारी हैं, जिनसे ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन न्यूनतम हो सके, धरती का तापमान बढ़ने से रोका जा सके और पर्याप्त ऊर्जा भी उपलब्ध हो। दुनियाभर में करीब चालीस फीसद बिजली कोयले से बनाई जाती है, जबकि भारत में साठ फीसद से ज्यादा बिजली कोयले और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले दूसरे ऊर्जा स्त्रोतों से पैदा की जाती है। सार्वजनिक क्षेत्र के सवा सौ से भी ज्यादा तापबिजली घरों में रोजाना अठारह लाख टन से भी ज्यादा कोयले की खपत होती है। इसी कोयले से न केवल वातावरण में बहुत बड़ी मात्रा में कार्बन उत्सर्जित होता है, बल्कि इतना कोयला जलाने से इससे होने वाली गर्मी और पारे का प्रदूषण भी पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचा रहा है।

■ योगेश कुमार गोयल

धर्म दर्शन

श्री मद्देवी भागवतमाहात्म्यम्

अथ प्रथमोऽध्यायः

लोककल्याणकारी शिवजी भी उन शक्तियोंके साथ वहां संग्राममें भगवती चण्डिकाके पास आकर उनसे कहने लगे-देवताओंकी कार्यसिद्धके लिये आप शुम्भ-निशुम्भ तथा अन्य जो भी दानव उपस्थित हैं, उन सबका वध कर दीजिये। साथ ही सारी असुर-सेनाका संहार करके और इस प्रकार संसारको भयमुक्त करके ये समस्त शक्तियां अपने-अपने स्थानोंको चली जायं। [आप यह कार्य सम्पन्न करें जिससे] देवता यज्ञभाग पाने लगें, ब्रह्मण [निर्भय होकर] यज्ञ आदि करनेमें तत्पर हो जायं, सभी स्थावर-जंगम प्राणी सन्तुष्ट हो जायं, सब प्रकारके उपद्रव और अकाल आदि आपदायं समाप्त हो जायं, मेघ समयपर वृष्टि करें और कृषि लोगोंके लिये अधिक फलदायिनी हो।। 29-30।।

व्यासजी बोले- लोकका कल्याण करनेवाले देवेश्वर शिवके ऐसा कहनेपर भगवती चण्डिकाके शरीरसे एक अद्भुत शक्ति प्रकट हुई। वह शक्ति अत्यन्त भंयकर तथा प्रचण्ड थी, वह सैकड़ों सियारिनोंके समवेत स्वरके समान ध्वनि कर रही थी और उसका रूप बहुत भयानक था। मन्द-मन्द मुसकानयुक्त मुखमण्डलवाली उस शक्तिने पंचमुख शिवजीसे कहा-हे देवदेव! आप दैत्यराज शुम्भके पास शीघ्र जाइये। हे कामुरिपु! इस समय आप मेरे दूतका काम कीजिये। हे शंकर! कामपीड़ित शुम्भ तथा मदोन्मत्त निशुम्भसे मेरे शब्दोंमें कह दीजिये-'तुम सब तत्काल स्वर्ग त्यागकर पाताललोक चले जाओ, जिससे देवगण सुखपूर्वक स्वर्गमें प्रविष्ट हो सकें और इन्द्रको स्वर्गलोक तथा अपना उत्तम इन्द्रासन पुनः प्राप्त हो जायं; साथ ही सभी देवताओंको उनके यज्ञभाग पुनः मिलने लगें। यदि जीवित रहनेकी तुमलोगोंकी बलवती इच्छा हो तो तुमलोग बहुत शीघ्र पाताललोक चले जाओ, जहां दानवलोग रहते हैं। अथवा अपने बलका आश्रय लेकर यदि तुम सब युद्धकी इच्छा रखते हो, तो मरनेके लिये आ जाओ, जिसमे मेरी सियारिने तुमलोगोंके कच्चे मांससे तृप्त हो जायं।। 31-39।।

व्यासजी बोले-चण्डिकाका यह वचन सुनकर शिव अपनी सभामें बैठ हुए दैत्यराज शुम्भके पास शीघ्र जाकर उससे कहने लगे।। 40।।

शिवजी बोले-हे राजन्! मैं त्रिपुरासुरका संहार करनेवाला महादेव हूं। अम्बिकाका दूत बनकर मैं इस समय तुम्हारा सम्पूर्ण हित करनेके लिये यहां तुम्हारे पास आया हूं।[देवीने कहलाया है कि] तुमलोग स्वर्ग तथा भूलोक त्यागकर शीघ्र पाताललोक चले जाओ, जहां प्रह्लाद तथा बलवानोंमें श्रेष्ठ राजा बलि रहते हैं। अथवा मरनेकी ही इच्छा हो तो तुरंत सामने आ जाओ; मैं तुम सबको संग्राममें शीघ्र ही मार डालूंगी। तुमलोगोंके कल्याणके लिये महारानी अम्बिकाने ऐसा कहा है।। 40-44।।

व्यासजी बोले- भगवतीका यह अमृत-तुल्य कल्याणकारी सन्देश उन प्रधान दैत्योंको सुनाकर शूलधारी भगवान् शंकर लौट आये।। 45।।

भगवती अम्बिकाने शिवजीको दूत बनाकर दानवोंके पास भेजा था, अतःवे सम्पूर्ण त्रिलोकीमें 'शिवदूती' इस नामसे विख्यात हुई।। 46।।

शंकरजी मुखसे कहे गये भगवतीके इस दुष्कर सन्देशको सुनते ही वे दैत्य भी कवच धारण करके तथा हाथोंमें शस्त्र ही युद्धके लिये निकल पड़े।। 47।।

- क्रमशः

संपादक के नाम पाठकों की पाती

बड़े सब्जी बाजार की आवश्यकता

यह शहर काफी पुराना है। यहां पहले सब्जी बाजार और पुराना खस्सी मार्केट लगभग एक ही जगह पर थे। बाद में खंस्सी मार्केट वहां कई वर्षो तक लगता रहा फिर बाद में वह भी वहां से खत्म हो गया है। हमीदगंज में भी एक खस्सी मार्केट हुआ करता था वह भी अब वहां पर नहीं रहा। अब वह नाम की ही खंस्सी मार्केट है। शहर की बढ़ती हुई आबादी व इसके क्षेत्रफल के कारण अभी सब्जी बाजार सत्तार सेठ चौक से लेकर मनी टेलर तक पहुंच गया है। पहले यह क्षेत्र मुहल्लों में आया करता था। वहीं मांस का मार्केट एक जगह नहीं होकर कई चौक-चौराहों पर दिखाई देने लगा है। शहर के कई स्थानों पर लोग सुविधा के अनुसार सब्जी बाजार लगाने लगे हैं। उनमें से गांधी मैदान के समीप, सुदना गायत्री मंदिर रोड में पीपल के पास, जेलहाता चौक सोहसा बस मालिक के आवास के सामने, बैरिया चौक, सिंचाई विभाग, रेड़मा पुराना रांची रोड आदि जगहों पर सब्जी बाजार लगता है। मैं आपके लोकप्रिय हिंदी दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से निगम व प्रशासन से आग्रह करता हूं कि शहरी क्षेत्र के लिए बढ़ती हुई आबादी के कारण एक सब्जी बाजार की आवश्यकता है। साथ ही मांस -मछली के लिए एक मार्केट की आवश्यकता पुराने खस्सी मार्केट की तरह की जरूरत है। कई बार सब्जी बाजार के कन्नीराम चौक पर सुबह 11-12 बजे थोक सब्जियों के टैम्पू व जीप से आने के कारण यहां पर जाम की स्थिति हो जाती है। इसलिए थोक सब्जी व्यापारियों के लिए खुदरा सब्जी बाजार से अलग व्यवस्था की जाये।

■ नवीन कुमार मेदिनीनगर।

संकोच की सीमा पार कर अब मुखर हो चला भारत

रूस-यूक्रेन संकट पर भारत की जैसी प्रतिक्रिया रही, उसने पश्चिमी देशों में तीखी बहस छेड़ दी थी। नई दिल्ली पर यूक्रेन का समर्थन नहीं करने और पश्चिम का पक्ष नहीं लेने का आरोप लगाया गया, क्योंकि उसने खुले तौर पर रूस को हमलावर नहीं कहा। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसका जवाब देते हुए कहा था कि चूंकि कुछ देशों से भारत सहमत नहीं हो सकता, इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि विवाद में किसी का पक्ष लेने से बचने की हमारी विदेश नीति है। 'इसका मतलब यह है कि हमारा अपना नजरिया है।' यह कहते हुए कि 'यूरोप को इस मानसिकता से बाहर निकलना होगा कि उसकी समस्या दुनिया की समस्या है, लेकिन दुनिया की समस्या उसकी समस्या नहीं है', जयशंकर ने स्पष्ट किया कि 'हम दुनिया की आबादी का पांचवां हिस्सा हैं, विश्व की पांचवीं-छठी बड़ी अर्थव्यवस्था हैं... मुझे लगता है, हम अपना पक्ष रखने के हकदार हैं। दुनिया में ऐसा कोई देश नहीं, जो अपने हितों की अनदेखी करता हो।' अंतरराष्ट्रीय संबंधों का बुनियादी सिद्धांत यही है कि राष्ट्रीय हितों को सबसे ऊपर रखा जाए। भारत ने भी अन्य देशों की तरह राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा नीतियों के निर्धारण में अपने हितों को महत्व दिया है। पर 75 साल के हिन्दुस्तान को अपनी विदेश नीति में 'भारत सबसे पहले' को आगे बढ़ाने के लिए जिस बात से ऊर्जा मिल रही है, वह है, इसकी बढ़ती क्षमताएं और भविष्य को लेकर सकारात्मक उम्मीदें। आज भारत के लोग अपने भविष्य को किसी भी बड़ी ताकत से अधिक आकांक्षा भरी निगाह से देखते हैं, और यही चीज भारत के घरेलू व विदेशी संबंधों को आकार दे रही है। इसके नतीजे भी उल्लेखनीय मिले हैं। बेशक, यूक्रेन संघर्ष पर भारत के रुख ने पश्चिमी दुनिया को निराश किया हो, पर नई दिल्ली के साथ अपने रिश्तों को पश्चिमी देशों ने खूब आगे बढ़ाया है। यही वजह है कि जब पश्चिम का मीडिया भारत को उसकी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी की 'याद' दिला रहा था, तब पश्चिमी देशों की हुकूमतें भारत की चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझ रही थीं, बल्कि रूस-यूक्रेन संघर्ष ने नई दिल्ली और पश्चिम को अधिक करीब ला दिया है। विश्व-व्यवस्था काफी तेजी से बदल रही है, जिससे ढांचागत बदलाव जरूरी हो गया है और इस जरूरत ने भारत और पश्चिम को बाध्य किया है कि वे 21वीं सदी की वास्तवविकताओं के अनुरूप एक-दूसरे से संबंधों का निर्वाह करें। मगर अपनी सामरिक प्राथमिकताओं को लेकर भारत की प्रतिक्रिया मुखर हुई है। आज के आत्मविश्वासी भारत को लेकर दुनिया भर में यही स्वर है कि यह ऐसा देश है, जो स्पष्ट रुख रखने वाला है; घरेलू हकीकतों व सभ्यतागत लोकाचार से जुड़ा हुआ है और अपने हितों को लेकर दृढ़ है। एस जयशंकर ने इस साल के रायसीना डायलॉग में कहा भी था कि दुनिया को खुश करने की कोशिश करने के बजाय 'हम कौन हैं' के आधार पर उनके साथ जुड़ने बेहतर है। अगर भारत अपनी पहचान और प्राथमिकताओं को लेकर आश्वस्त है, तो दुनिया भारत से उसकी शर्तों पर जुड़ेगी। नई दिल्ली अतीत के वैचारिक बोझ को परे झटक अब अपने विरोधियों को चुनौती देने और दोस्तों के साथ खड़े होने से नहीं हिचकती। चाहे शी जिनपिंग की बेल्ट ऐंड रोड इनीशिएटिव पर प्रश्न उठाना हो या चीनी सैन्य आक्रामकता का जवाब देना या औपचारिक गठबंधन के बिना अमेरिका के साथ रिश्ते आगे बढ़ाना या फिर अपनी क्षमताओं के निर्माण में पश्चिम से संबंधों को गति देना, भारत ने इन सब में व्यावहारिक रुख अपनाया है। भारत आज जिन चुनौतियों का मुकाबला कर रहा है, वे गंभीर हैं और उनके जल्द निपटने की संभावना नहीं है। चीन का उदय और भारतीय हितों पर उसके हमले नई दिल्ली को अपने पुराने रुख की पड़ताल के लिए मजबूर कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय का आकार बढ़ाने से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने तक कई ऐसे संस्थागत मुद्दे हैं, जिन पर ध्यान देना होगा। बहरहाल, इन चुनौतियों से निपटने के लिए नई दिल्ली अलग रुख अपनाने को तैयार है, जो काफी कुछ बयां करता है। 75 वर्षों का आजाद भारत अब विश्व-व्यवस्था में ऐसी अग्रणी भूमिका चाहता है, जो वैश्विक मानदंडों व संस्थागत ढांचे को आकार दे सके।

■ हर्ष वी पंत, प्रोफेसर

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पब्लिकेशन डिवीजन रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं-13 । प्रधान संपादक : **सुरेश बजाज,** संपादक : **हर्षवर्द्धन बजाज,** स्थानीय संपादक : **ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय** : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, **फोन नम्बर : 07759972937,** 06562-240042/ 222539, **फैक्स नम्बर** : 06562-241176/231257, **रांची कार्यालय :** 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, Ph. 0651-2283384/Fax 0651-2283386, **दिल्ली कार्यालय :** 25-LF, तानसेन मार्ग, नयी दिल्ली-1, **गढ़वा कार्यालय :** मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, **लातेहार कार्यालय :** रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार-829206, फोन : 9128656020, 7763034341, **लोहरदगा कार्यालय :** रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल में, आशा कॉम्प्लेक्स लोहरदगा-फोन : 7903891779, 8271983099, **ई-मेल :** rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)।

मेहंदी के साथ अंडा लगाने पर बालों को होते हैं कई लाभ

मेहंदी लगाने से बाल रूखे हो जाते हैं जिससे स्कैल्प यानी सिर की त्वचा पर भी रूखापन आ जाता है और फिर डैंड्रफ भी हो जाते हैं। ऐसे में मेहंदी और अंडे को साथ लगाने से स्कैल्प का ऑयल बैलंस में रहता है, जिससे बालों में नमी रहती है। यूं तो बालों की समस्या किसी भी मौसम में हो सकती है, लेकिन गर्मियों के शुरू होते ही हमारा अपने बालों पर खास ध्यान जाता है। इस खूबसूरत और चमकदार बनाने के लिए हम तरह-तरह के तरीकों को अपनाने लगते हैं। गर्मी के मौसम में अधिक्तर लोग अपने बालों पर ठंडक और अच्छे बनाने के लिए मेहंदी भी लगाते हैं। इससे बालों का रंग तो बदलता लेकिन वो रूखे हो जाते हैं। वहीं, अगर आप मेहंदी के साथ अंडा भी इस्तेमाल करते हैं तो आपके बालों को कई तरह के लाभ होते हैं। बालों का झड़नापन, सफेद बाल, बालों में पोषण की कमी, कमजोर बाल आदि कई समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। आज हम आपको मंहदी और अंडे को साथ में मिलाकर लगाने से क्या-क्या फायदे होते हैं उनके बारे में बताने जा रहे हैं।

बाल बाउंसी बनाए : ब्यूटी एक्सपर्ट्स कहते हैं कि बालों में पोषण की कमी होने के कारण बाल पतले और चिपचिपे हो जाते हैं। ऐसे में मेहंदी और अंडे को साथ में मिलाकर लगाने से इस समस्या को सही किया जा सकता है। अंडे में मौजूद बायोटिन और फॉलेट बालों को बाउंसी बनाता है। दोनों को साथ में मिलाकर लगाने से बाल सिल्की भी होते हैं।

स्कैल्प को नमी प्रदान करे : मेहंदी लगाने से बाल रूखे हो जाते हैं जिससे स्कैल्प यानी सिर की त्वचा पर भी रूखापन आ जाता है और फिर डैंड्रफ भी हो जाते हैं। ऐसे में मेहंदी और अंडे को साथ लगाने से स्कैल्प का ऑयल बैलंस में रहता है, जिससे बालों में नमी रहती है।

बालों को स्वस्थ रखे : ब्यूटी एक्सपर्ट्स कहते हैं कि आज के समय में अधिक्तर लोग अपने बालों पर तरह-तरह के प्रोडक्ट लगाते हैं। जिससे बाल धीरे-धीरे डैमेज हो जाते है। वहीं, कुछ अपने प्रोफेशन के कारण इन्हें इस्तेमाल करने के लिए मजबूर भी है। ऐसे में मेहंदी और अंडे को साथ लगाने से अपने बालों को नुकसान होने से बचाया जा सकता है। बालों को पोषण देने के लिए अंडे का पीला भाग काफी फायदेमंद साबित होता है। इसमें विटामिन ए, ई औप बायोटिन मौजूद होते हैं जो बालों को स्वस्थ रखते हैं।

बालों का झड़ना करे कम : सिर्फ मेहंदी लगाने से बालों के टूटनी की समस्या बढ़ जाती है। वहीं, अगर आप मेहंदी और अंडे को साथ मिलाकर लगाते हैं तो इस समस्या से राहत पाई जा सकती है। प्रोटीन के लिए अंडे को काफी अच्छा सोर्स माना जाता है। ऐसे में अंडे और मेहंदी को साथ मिलाकर लगाने से बालों का झड़पन कम किया जा सकता है, साथ ही बालों को मजबूती भी मिलती है।

नैचुरली स्ट्रेट रखे : कुछ लोग मेहंदी में अंडे का सफेद हिस्सा मिलाते हैं। हालांकि, मेहंदी में अंडे की जर्दी मिलानी चाहिए। इसे उपयोग करने वाले ज्यादातर लोगों का मानना है कि इससे बाल मजबूत और चमकदार होने के साथ नैचुरली स्ट्रेट होते हैं। अंडे की जर्दी में मौजूद प्लुटिन बालों को नैचुरली स्ट्रेट और सिल्की बनाएं रखता है।

ऐसे करे इस्तेमाल : अगर आपके बाल रूख, सफेद या बेजान हैं तो मेहंदी में अंडे का पीला भाग मिक्स करके लगा सकते हैं। इसके लिए एक कांच के बाउल में दो अंडे का पीला भाग और 100 ग्राम मेहंदी को मिक्स करके छोड़ दे। इसे बालों में लगाने से एक रात पहले मिक्स करके रख दें या फिर 1 से दो घंटे के बाद इसका इस्तेमाल करें। बालों पर लगाने के 2 घंटे बाद सिर को धो लें। वहीं, आप चाहें तो केवल अंडा भी अपने बालों पर लगा सकते हैं, इससे बाल सिल्की हो सकते हैं।

❖ सिमरन सिंह

अपनाएं ये टिप्स

- मेहंदी और अंडे को कांच के बाउल या लोहे की कड़ाई में ही मिक्स करें।
- मेहंदी और अंडे को मिक्स करने के आधे घंटे बाद ही इस्तेमाल करें। इससे केमिकल रिएक्शन होने से बचाव होगा।
- अगर आपको बांउसी बाल पसंद नहीं है तो आप अपने बालों में 1 चम्मच जैतुन या नारियल का तेल लगा सकते हैं।
- हफ्ते में दो बार बालों पर तेल जरूर लगाएं। अगर आप पूरे दिन नहीं लगा सकते तो सोने से पहले अपने बालों की तेल से मालिश करें और सुबह शैम्पू से हेयर वॉश कर लें।

केले के फूल से बाल व त्वचा को होते हैं कई फायदे

केले के फूल का इस्तेमाल ज्यादातर मंहगे हेयर सीरम, फेशियल ऑयल, क्रीम और स्क्रब के लिए किया जाता है। केले के फूल में एंटीऑक्सिडेंट एजेंट मौजूद होते हैं, जो बढ़ती उम्र में होने वाली त्वचा से जुड़ी समस्याओं से बचाने में मदद करता है।

आज के समय में त्वचा और बालों की समस्या से अधिक्तर लोग परेशान हैं और इसके समाधान के लिए वो तरह-तरह के तरीकों को अपनाते रहते हैं। बाजारों में भी इस जैसी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए कई तेल, क्रीम और दवा मौजूद हैं। हालांकि, इस तरह की समस्याओं को प्राकृतिक तौर पर सही करना ज्यादा बेहतर है, क्योंकि इससे आपकी त्वचा को किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचता है। वहीं, आज हम आपको केले के फूल से होने वाले फायदों के बारें में बताने जा रहे हैं, जिसके इस्तेमाल से आप अपनी सुंदरता को बढ़ा सकते हैं। केले के फूल का इस्तेमाल ज्यादातर मंहगे हेयर सीरम, फेशियल ऑयल, क्रीम और स्क्रब के लिए किया जाता है। केले के फूल में एंटीऑक्सिडेंट एजेंट मौजूद होते हैं, जो बढ़ती उम्र में होने वाली त्वचा से जुड़ी समस्याओं से बचाने में मदद करता है। जैसे- झुरियां, दाग-धब्बे और कालेपन की समस्यां दूर हो जाती है। केले के फूल से बने ब्यूटी प्रोडक्ट्स त्वचा और बाल दोनों के लिए अच्छे साबित होते हैं।

आज के समय में त्वचा और बालों की समस्या से अधिक्तर लोग परेशान हैं और इसके समाधान के लिए वो तरह-तरह के तरीकों को अपनाते रहते हैं। बाजारों में भी इस जैसी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए कई तेल, क्रीम और दवा मौजूद हैं। हालांकि, इस तरह की समस्याओं को प्राकृतिक तौर पर सही करना ज्यादा बेहतर है, क्योंकि इससे आपकी त्वचा को किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचता है।

बाल बढ़ाने में मददगार : अगर आप अपने बालों के झड़ने से परेशान हैं या फिर की तेल उपाय अपनाने के बाद भी बाल लांबे, घने और काले नहीं हो रहे हैं तो इससे छुटकारा पाने के लिए आप केले के फूल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए पहले केले के फूल को पीस लें, इसमें केले को भी मैश कर एक कटोरी में पेस्ट तैयार कर लें। अब इस बने हुए पेस्ट को अपने बालों के जड़ों पर अच्छे से लगाएं। इस तरह से हफ्ते में 2-3 बार लगाने पर आपके बाल बढ़ने शुरू हो जाएंगे और इससे जुड़ी अन्य समस्या भी दूर हो जाएंगी। बता दें कि इसमें एंटीऑक्सिडेंट मौजूद होता है जो बालों में मजबूती देने का कार्य करता है, साथ ही इसमें मौजूद ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मददगार साबित होता है।

झुर्रियां और फाइन लाइन्स होंगी दूर : त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि केले को एंटीऑक्सिडेंट और प्रकृति के बोटोक्स के तौर पर भी जाना जाता है, जोकि चेहरे से झुर्रियों और फाइन लाइन?स को कम करती है। इसके लिए आप केले के फूल को पीसकर अपनी डेली यूज वाली मॉइस्चराइजर या नॉर्मल क्रीम में मिलाकर लगा सकते हैं।

रूसी होंगी दूर : इसे उपयोग करने वाले ज्यादातर लोगों का मानना है कि केले के फूल या फिर केले से बने पैक के इस्तेमाल से बालों में हो रही रूसी को दूर किया जा सकता है। इसके लिए आपको केले के फूल को पानी में पहले उबालना है और फिर उसे अलग निकाल लेना। इसके बाद केले को पीसकर उसमें उबलें हुए केले के फूल को मिला दें, इसमें दूध और शहद भी मिलाकर एक पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को बालों की जड़ों पर लगाकर करीब 15 मिनट के लिए छोड़ दें। इस तरह से हफ्ते में दो बार करने पर आपके बाल रूसी मुक्त हो जाएंगे। ध्यान रहें आपको इस पेस्ट को पहले अपनी कोहनी या हाथ पर लगा है अगर किसी तरह की खुजली जलन हो तो ही इसे बालों पर इस्तेमाल करें।

इससे बनें स्क्रब का करें इस्तेमाल : त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि जिन स्क्रबों में अखरोट और एप्रीकॉट शामिल होते हैं वो हमारे चेहरे की पतली त्वचा को छिल सकती है। ऐसे में जरूरी है कि आप सिर्फ उन्हीं स्क्रब का इस्तेमाल करें जिसमें माइक्रोबीड्स या स्क्रब के छोटे कण और केले के फूल का पाउडर मौजूद हों। केले के फूल से बने स्क्रब को आप अपने चेहरे और गर्दन पर इस्तेमाल कर सकते हैं। इस स्क्रब को सिर्फ 10 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा पहले से चमकदार और साफ हो जाएगी।

हीलिंग बाम : केले का फूल केवल लगाने में ही नहीं बल्कि खाने में भी काम आता है। इसके सेवन से कई तरह की बीमारियां सही हो जाती हैं। इसमें इथेनॉल का अर्क मौजूद होता है, जो घावों को भरने में सहायाता करता है।

बच्चों को किस उम्र में खिलायें चॉकलेट?

चॉकलेट तो खाने में हर किसी को पसंद होती है। खासतौर पर बच्चे तो इसे बड़ी ही खुशी से खाते हैं। चॉकलेट में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं। इसका सेवन करने से शरीर का बेहतर तरीके से विकास करने के साथ कई बीमारियों से बचाव रहता है। साथ ही बच्चों को चॉकलेट खिलाने से दिल और दिमाग दोनों के लिए फायदेमंद होता है। मगर इसे सीमित मात्रा में खाना बेहद जरूरी है। नहीं तो यह सेहत को बिगाड़ने का काम करती है।

एक साल से कम उम्र के बच्चों को ना खिलाएं चॉकलेट : एक्सपर्ट्स के अनुसार, साल से कम आयु के बच्चों को चॉकलेट नहीं खिलानी चाहिए। हमेशा 1 साल और उससे बड़े बच्चे को ही चॉकलेट खाने को देना बेहतर होगा। खाने के लिए डार्क चॉकलेट का सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। असल में, इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होने से टेस्ट बरकरार रहने के साथ शरीर को कई फायदे मिलते हैं।

याददाशत बढ़ाए : चॉकलेट में एंटी-ऑक्सडेंट गुण होते हैं। ऐसे में इसके सेवन से दिमाग का विकास होने में मदद मिलती है। ऐसे में दिमाग तेज होने से स्मरण शक्ति मजबूत होती है।

ब्लड सकुर्लेशन में करे सुधार : यह शरीर में खून खून के थक्के बनने से रोकता है। ऐसे में ब्लड सकुर्लेशन बेहतर होने के साथ इससे जुड़ी परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

दिल के लिए फायदेमंद : एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर चॉकलेट का सेवन करने से बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है। वैसे तो बच्चों को कोलेस्ट्रॉल की ज्यादा परेशानी नहीं होती है। मगर फिर भी इसका सेवन करने से दिल स्वस्थ होने से इसे जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा कम रहता है।

मूड बनाए बेहतर : इसका सेवन करने से मूड सही होने में भी मदद मिलती है। इसे खाकर अंदर से खुशी मिलने के साथ सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। ऐसे मे व्यक्ति खुशनुमा महसूस करता है।

ज्यादा सेवन से बचें : अधिक मात्रा में इसका सेवन करने से बच्चों को रात को नींद न आने की परेशानी से गुजरना पड़ सकता है। इसके अलावा इसमें भारी मात्रा में चीनी होने से वजन बढ़ने और दांत से जुड़ी समस्या भी हो सकती है। ऐसे में बच्चों रोजाना चॉकलेट खिलाने की जगह हफ्ते में 2-3 बार और सीमित मात्रा में खिलाएं।

प्रेगनेंसी में खायें ये चीजें, तेजी से होगा बच्चे के दिमाग का विकास

प्रेगनेंसी में महिलाओं को अपना बहुत ही ध्यान रखना पड़ता है। असल में, मां द्वारा ही बच्चे को सही पोषण मिलने के साथ शारीरिक व मानसिक रूप से विकास होने में मदद मिलती है। इसके लिए महिलाओं को अपनी डेली डाइट में ऐसे आहार शामिल करने की जरूरत होती है जिससे उसे उसके बच्चे को सभी जरूरी तत्व मिल सके।

अंडा : कैल्शियम, विटामिन आदि तत्वों से भरपूर अंडों का सेवन करने से बच्चे का दिमाग बेहतर तरीके से विकास करता है। साथ ही इसका सेवन करने से स्मरण शक्ति मजबूत होने में मदद मिलती है।

ताजे व मौसमी फल : रोजान एक बाउल फलों का सेवन करने से भी बचके दिमाग में विकास होने में मदद मिलती है। इनमें विटामिन, कैल्शियम, फाइबर, एंटी-ऑक्सीडेंट तत्व होने से बच्चे को सभी जरूरी तत्व आसानी से मिल जाते हैं।

हरी-पत्तेदार सब्जियां : हरी व पत्तेदार सब्जियों में सभी जरूरी विटामिन्स और मिनरल्स होते हैं। साथ ही भारी मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट होनेसे रोजाना इनका सेवन करना चाहिए। इससे बच्चे के दिमाग का विकास होने में मदद मिलती है।

मछली : ओमेगा-3 फैटी एसिड के साथ इसमें बहुत से पोषक तत्व होते हैं। इसका सेवन करने से बच्चे का दिमाग विकसित होने के साथ ऊर्जा क संचार होता है। साथ ही विटामिन-डी का उचित स्त्रोत होने से इसे डप्ते में 2 कबार जरूर खाना चाहिए। इसे फ्राई या ग्रील करके खाया जा सकता है।

दालें : दालों में विटामिन्स, मिनरल्स, प्रोटीन, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं। इनका सेवन करने से बच्चे को सभी जरूरी तत्व मिलने के साथ बेहतर तरीके से विकास करने में मदद मिलती है। ऐसे में बच्चे के दिमाग का विकास होने के साथ बीमारियों से बचाव रहता है।

कद्दू, चिया व सूरजमूखी के बीजे : इस सम कद्दू, चिया व सूरजमूखी के बीजों का सेवन करने से शरीर को सभी उचित तत्व मिलते हैं। ऐसे में बच्चे का शारीरिक व मानसिक रूप से विकास होने में मदद मिलती है। साथ ही ये दिमाग के उन हिस्सों को ऊर्जा देते हैं, जो बातों को समझने व याद रखने में मदद करते हैं।

दही : प्रेगनेंसी के दौरान शरीर में आयोडीन सही मात्रा में मिलनी बहुत जरूरी होती है इससे ही बच्चे के दिमाग का सही तरीके से विकास होता है। ऐसे में इस समय महिलाओं को अपनी डाइट में दही जरूर शामिल करना चाहिए।

मानसून में स्किन की टैनिंग को दूर करने में मदद करते हैं ये टिप्स

स्किन के लिए बेसन व दही का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। जहां बेसन त्वचा की रंगत को हल्का करने में मदद करता है। वहीं दही में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा को मुलायम बनाता है। आप स्किन को डिटैन करने के लिए बेसन, दही और हल्दी का पेस्ट बना सकती है। मानसून एक ऐसा मौसम होता है, जिसमें सूरज की किरणें बहुत अधिक तेज नहीं होती है और इसलिए अधिकतर लोग इस मौसम में सनस्क्रीन को अप्लाई नहीं करते हैं। ऐसे में अधिकतर लोगों को स्किन में टैनिंग की समस्या का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण स्किन बहुत अधिक डल नजर आती है। इतना ही नहीं, मौसम में बदलाव का असर भी स्किन पर नजर आता है।

बेसन व दही का करें इस्तेमाल : स्किन के लिए बेसन व दही का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। जहां बेसन त्वचा की रंगत को हल्का करने में मदद करता है। वहीं दही में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा को मुलायम बनाता है। आप स्किन को डिटैन करने के लिए बेसन, दही और हल्दी का पेस्ट बना सकती है। आप चेहरा क्लीन करके इस पेस्ट को स्किन पर लगाएं और इसे 15 मिनट तक सूखने दें। इसके बाद, आप धोते समय इसे हल्के हाथों से स्क्रब करें।

दाल का करें इस्तेमाल : दाल सिर्फ सेहत के लिए अच्छी नहीं मानी जाती है, बल्कि यह स्किन को भी लाभ पहुंचाती है। इसके लिए आप थोड़ी मसूर की दाल लें और उसे रात भर कच्चे दूध में भिगो दें। अगली सुबह, भीगी हुई दाल को हल्दी के साथ पीसकर पेस्ट बना लें। अब आप अपनी स्किन को क्लीन करें और पेस्ट को अपनी त्वचा पर लगाएं। इसे कुछ देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अंत में, चेहरे को धो लें।

फलों से पाएं निखार : अगर आप अपनी स्किन को दमकती हुई बनाना चाहते हैं तो फलों की गुडनेस से उसे पैम्पर करें। आप स्किन को डिटैन करने के लिए पके पपीते, तरबूज, आलू, टमाटर और खीरा स्लाइस लेकर जेली जैसा पेस्ट बना लें। पेस्ट को 15 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें। अब इस पेस्ट को त्वचा पर लगाएं और इसे तब तक मलते रहें जब तक यह त्वचा में समा न जाए। उसके बाद फेस को क्लीन कर लें। अब आप भी इन उपायों को अपनाएं और मानसून में भी दमकती हुई स्किन पाएं।

❖ मिताली जैन

आज का राशिफल

मेष राशि : मन अशान्त रहेगा। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें। कारोबार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। वाणी में सौम्यता रहेगी।

वृष राशि : बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय में व्यवधान आ सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन राशि : आज धैर्यशीलता में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मन परेशान हो सकता है। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है।

कर्क राशि : आज नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी भी मिल सकती है। क्षणे रुष्टा-क्षणे तुष्टा के भाव मन में रहेंगे।

सिंह राशि : आय में वृद्धि होगी। मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। माता को स्वास्थ्य विकार रहेंगे। दिनचर्या अव्यवहारिक रहेगी।

कन्या राशि : परिवार का साथ मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती हैं। परन्तु जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला राशि : क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। कारोबार में बदलाव की सम्भावना बन रही है। परिवार का सहयोग मिलेगा। परिवार की समस्या परेशान कर सकती हैं।

वृश्चिक राशि : मित्रों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। किसी दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु राशि : किसी पुराने मित्र से पुनःसम्पर्क हो सकते हैं। वाहन की प्राप्ति हो सकती है। आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे। वाणी में कठोरता का प्रभाव रहेगा। बातचीत में संयत रहें।

मकर राशि : यात्रा लाभप्रद रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। मानसिक तनाव रहेगा। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुंभ राशि : रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार रहेंगे। खर्चों की अधिकता रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। उच्चशिक्षा के लिए यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन राशि : सन्तान सुख में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मसंयत रहें। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। माता को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

न्यूज गैलरी

शिवसेना सांसद संजय राउत को अदालत से फिर झटका

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की एक विशेष अदालत ने शहर में एक चॉल के पुनर्विकास में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन के मामले में शिवसेना के सांसद संजय राउत की न्यायिक हिरासत की अवधि सोमवार को पांच सितम्बर तक बढ़ा दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राउत (60) को गोरेगांव उपनगर स्थित पात्रा चॉल के पुनर्विकास में कथित वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में एक अगस्त को गिरफ्तार किया था। ईडी की हिरासत में रहने के बाद शिवसेना के नेता को आठ अगस्त को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रहे विशेष न्यायाधीश एमजी देशपांडे ने सोमवार को राउत की हिरासत अवधि पांच सितम्बर तक बढ़ा दी। ईडी ने अदालत को बताया कि मामले में उसकी जांच अब भी जारी है। ईडी की जांच पात्रा चॉल के पुनर्विकास में कथित वित्तीय अनियमितताओं और राउत की पत्नी तथा सहयोगियों से संबद्ध वित्तीय लेन-देन से जुड़ी है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के करीबी संजय राउत ने इन सभी आरोपों को खारिज किया है।

समलैंगिक सेक्स पर प्रतिबंध खत्म करेगा सिंगापुर

सिंगापुर (एजेंसी)। सिंगापुर समलैंगिक यौन संबंधों पर प्रतिबंध लगानेवाले कानून को रद्द कर देगा जिससे देश में ऐसे संबंध कानूनी रूप से वैध हो जायेंगे। प्रधानमंत्री ली सीन लूंग ने राष्ट्रीय टीवी पर यह घोषणा की है। उन्होंने कहा कि 377ए कानून को खत्म करने से देश के कानून वर्तमान सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुरूप हो जायेंगे और मुझे उम्मीद है कि समलैंगिक सिंगापुरियों को कुछ राहत मिलेगी। भारत, ताइवान और थाईलैंड के बाद सिंगापुर ऐसा देश होगा जहां समलैंगिक यौन संबंध कानूनी रूप से वैध होंगे। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक सिंगापुर में एलजीबीटी कार्यकताओं ने सरकार के इस कदम को मानवता की जीत बताया है।

नेपाल ने भारत को 111 मेगावाट अतिरिक्त बिजली बेचने का भेजा प्रस्ताव

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल ने अपने बिजली विनिमय बाजार के जरिये भारत को 111 मेगावाट अतिरिक्त बिजली बेचने का प्रस्ताव दिया है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के प्रबंध निदेशक प्रदीप थिके ने कहा कि एनईए ने देश के चार जल विद्युत संयंत्रों के माध्यम से उत्पादित बिजली की बिक्री के लिए भारत के केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण को प्रस्ताव भेजा है। एनईए भारतीय केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण से अनुमति मिलने के बाद भारत को अतिरिक्त बिजली का निर्यात करने में सक्षम होगा।

जयशंकर ने पराग्वे में महात्मा गांधी की प्रतिमा का किया अनावरण

असुन्सियोन (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को पराग्वे की राजधानी असुन्सियोन में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया। डॉ. जयशंकर पहली बार दक्षिण अमेरिका की अपनी छह दिवसीय यात्रा में यहां पहुंचे हैं। विदेश मंत्री ने ट्वीट किया कि असुन्सियोन में महात्मा गांधी जी की एक प्रतिमा का अनावरण करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं। शहर के प्रमुख तट पर इसे लगाने के लिए असुन्सियोन नगर पालिका के निर्णय की सराहना करता हूं। यह एकजुटता का प्रतीक है जो कोविड महामारी के दौरान इतनी दृढ़ता से व्यक्त किया गया था। उन्होंने ऐतिहासिक 'कासा डे ला इंडिपेंडेंसिया' का भी दौरा किया, जहां से पराग्वे का स्वतंत्रता आंदोलन दो शताब्दी से भी पहले शुरू हुआ था। साओ पाउलो में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करते हुए

उन्होंने कहा कि चीन के साथ संबंध बहुत कठिन दौर से गुजर रहे हैं । चीन ने 1990 के उस समझौते की अवहेलना की है जो सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों की भीड़ को प्रतिबंधित करता है। उन्होंने कहा कि चीन की कार्रवाई से दोनों देशों के संबंधों पर स्पष्ट असर पड़ता दिखाई दे रहा है।

ब्राजील में रूस-यूक्रेन जंग के साथ 'ऑपरेशन गंगा' की सफलता को किया याद

साओ पाउलो (एजेंसी)। ऑपरेशन गंगा के तहत रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान युद्ध क्षेत्र से अपने नागरिकों की भारत की सफल निकासी को याद करते हुए, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत बड़ी चीजों के लिए सक्षम है। उन्होंने कहा कि जैसा कि हम स्वतंत्रता के 75वें वर्ष का जश्न मना रहे हैं और बहुत आशावादी हैं। जयशंकर ने साओ पाउलो में एक भारतीय समुदाय के कार्यक्रम में कहा, यह एक ऐसा भारत है जो बड़ी चीजों में सक्षम है। हमने यूक्रेन-रूस संघर्ष के दौरान एक संगठित प्रयास के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को बाहर निकाला। कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा कि चीन ने सीमा समझौतों की अवहेलना की है और गालवान घाटी गतिरोध बढ़ रहा है, क्योंकि दोनों देशों के बीच संबंध बहुत कठिन दौर से गुजर रहे हैं। जयशंकर ने तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में ब्राजील के साओ पाउलो में भारतीय समुदाय से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि चीन के साथ 1990 के दशक में हमारे पास समझौते हैं जो सीमा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सैनिकों को लाने पर रोक लगाते हैं। उन्होंने इसकी अवहेलना की है। आप जानते हैं कि गलवान घाटी में क्या हुआ था। उस समस्या का समाधान नहीं हुआ है और यह स्पष्ट रूप से प्रभावित कर रहा है। भारत और चीन के बीच मौजूदा सीमा स्थिति पर कड़ा संदेश देते हुए जयशंकर ने कहा कि संबंधों में सुधार एकतरफा नहीं हो सकते और इसे बनाये रखने के लिए आपसी सम्मान होना चाहिए। वे हमारे पड़ोसी हैं। हर कोई अपने पड़ोसी के साथ रहना चाहता है। निजी जीवन में भी और देश के हिसाब से भी। लेकिन हर कोई उचित शर्तों पर साथ मिलना चाहता है। मुझे आपका सम्मान करना चाहिए। आपको मेरा सम्मान करना चाहिए। इसलिए हमारे दृष्टिकोण से, हम बहुत स्पष्ट हैं कि हमें संबंध बनाना है और परस्पर सम्मान होना चाहिए। प्रत्येक के अपने हित होंगे और हमें इस बात के प्रति संवेदनशील होने की आवश्यकता है कि संबंध बनाने के लिए दूसरों के लिए क्या चिंताएं हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि चीन ने भारत के साथ सीमा समझौतों की अवहेलना की है, जिससे द्विपक्षीय संबंधों पर असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्थायी संबंध एकतरफा नहीं हो सकते है और इसमें परस्पर सम्मान होना चाहिए।

मुठभेड़ में सरफराज अहमद नामक पुलिसकर्मी घायल

आतंकवादियों और सुरक्षाबलों में मुठभेड़, तीन आतंकी घिरे

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर के नौहट्टा इलाके में रविवार रात आठ बजे सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। तीन आतंकियों को घेर लिया गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ में सरफराज अहमद नामक एक पुलिस कर्मी घायल हुआ। जिसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। एक आतंकवादी भी घायल हुआ है। लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादियों द्वारा उपयोग में लाई गई स्कूटर, एक एके-47 रायफल और दो ग्रेनेड मुठभेड़ वाली जगह से बरामद किए गए हैं। तलाशी अभियान जारी है। इधर, शाम साढ़े सात बजे के आसपास राजौरी के कांद्रा हिल इलाके में भी सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई है। सुरक्षाबलों ने इलाका घेर लिया है।

रूस में आईएस का आतंकी गिरफ्तार

मॉस्को (एजेंसी)। रूस में सोमवार को इस्लामिक स्टेट (आईएस) के फिदायीन को गिरफ्तार किया है। रूसी सुरक्षा एजेंसियों ने ये गिरफ्तारी की है। एजेंसियों ने दावा किया है कि सुसाइड बॉम्बर भारत में धमाके की साजिश रच रहा था। उसके निशाने पर सत्ताधारी दल के नेता थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूस की फेडरल सिक्योरिटी सर्विस ने प्रतिबंधित आईएस के एक सदस्य की को गिरफ्तार किया है। वह सेंट्रल एशियाई देश का मूल निवासी है। पकड़े गये आईएसआईएस आतंकी को तुर्की में आत्मघाती हमलावर के रूप में भर्ती किया था। उसे भारत में आतंकी हमला करने के लिए रूस छोड़कर जाने के आदेश दिये गये थे।

भाजपा बोली - केजरीवाल का अहंकार दिल्ली के लोग करेंगे चकनाचूर

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने सोमवार को दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के उस दावे को अनर्गल करार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि केंद्र की सत्ताधारी पार्टी से जुड़ने के एवज में उनके खिलाफ सभी मामले बंद करने का प्रस्ताव दिया गया है। भाजपा ने आरोप लगाया कि इस प्रकार की बयानबाजी कर दिल्ली की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी आबकारी नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामले को भटकाने का प्रयास कर रही है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मैं इतना ही कहूंगा कि जिनकी नीयत खोटी है, सोच छोटी है, उनको कोई क्या तोड़ेगा?" दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उनका अहंकार तो दिल्ली की जनता तोड़ रही है। उन्होंने कहा कि ये सब अनर्गल बातें करना बंद कीजिए। आपको अगर इस बात का अहंकार है कि भ्रष्टाचार करके जनता के पैसे

■ अनर्गल दावे कर रहे सिसोदिया

लूटकर उत्तर भी नहीं देंगे...तो आपका अहंकार भी टूटेगा...और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जनता के एक-एक पैसे की वसूली हो। बता दें कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली आबकारी नीति के क्रियान्वयन में कथित अनियमितताओं के संबंध में दर्ज एक प्राथमिकी में सिसोदिया समेत 15 अन्य लोगों तथा संस्थाओं को नामजद किया है। भाटिया ने दावा कि भाजपा की ओर से इस मुद्दे पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं लेकिन मुख्यमंत्री केजरीवाल चुप हैं क्योंकि वह निरूत्तर हैं।

केजरीवाल का फूट चुका है भांडा

मोहल्ला क्लिनिक नहीं मोहल्ला ठेका है दिल्ली का नया मॉडल : अनुराग ठाकुर

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक बार फिर से आम आदमी पार्टी और दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला। उन्होंने सोमवार को कहा कि केजरीवाल मॉडल का भांडा फूट चुका है। मोहल्ला क्लिनिक से मोहल्ला ठेका यह अरविंद केजरीवाल मॉडल है। मोहल्ला क्लिनिक में दवा नहीं मिली, मोहल्ला ठेका से घर-घर शराब पहुंचाने का काम हुआ। इतना ही नहीं उन्होंने आगे कहा कि देश में पहली बार हुआ कि जिसके पास शिक्षा विभाग है उसके पास शराब विभाग भी है। अरविंद केजरीवाल सत्येंद्र जैन को

ईमानदारी का सर्टिफिकेट बांटते थे। वे तीन महिने से जेल में हैं। अरविंद केजरीवाल ने किताब तो स्वराज लिखी लेकिन यह शराब राज लेकर आये।

बेटी की गुंडागर्दी पर शर्मिंदा हुए मिजोरम के मुख्यमंत्री, सरेआम मांगी माफी

आइजोल (एजेंसी)। मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरामथांगा की बेटी मिलारी छंगटे का एक डॉक्टर के साथ बदतमीजी का वीडियो वायरल होने के बाद अब सीएम ने इस पर माफी मांगी है। दरअसल, मुख्यमंत्री जोरामथांगा की बेटी मिलारी ने मिजोरम की राजधानी ऐजौल के एक क्लिनिक में डॉक्टर के साथ मारपीट की थी जिसका एक वीडियो भी सामने आया था और आलोचनाओं का सामना करने के अब सीएम ने अपनी बेटी की इस शर्मनाक हरकत पर माफी मांगी है। रिपोर्टों के अनुसार घटना बुधवार 17 अगस्त की बतायी जा रही है जब मिलारी छंगटे को एक स्किन स्पेशलिस्ट से ट्रिटमेंट लेने के लिए क्लिनिक जाने से पहले अपॉइंटमेंट लेने के लिए कहा गया तो इस दौरान सीएम की बेटी इतना भड़क गयी कि उसने सीधे डॉक्टर पर ही हमला कर दिया। वहीं, इस घटना का जब वीडियो वायरल हुआ तो सीएम जोरमथांगा ने सार्वजनिक माफी पत्र पोस्ट कर माफी मांगी। माफीनामे में उन्होंने और उनकी पत्नी ने लिखा कि उनके पूरे परिवार के पास डॉक्टर के प्रति उनकी

बेटी के व्यवहार के बचाव में कुछ नहीं कहना है और उन्होंने डॉक्टर से माफी मांगी जिसे उनकी बेटी ने पीटा था।

अडानी के कारण एमएसपी नहीं हो रही है लागू : मलिक

- ब्यूरो

नयी दिल्ली। मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने किसानों के आंदोलन पर कहा कि एमएसपी (मिनिमम सपोर्ट प्राइस) देश में इसलिए लागू नहीं हो रही, क्योंकि प्रधानमंत्री का एक दोस्त है, जिसका नाम अडानी है। वह पिछले पांच साल के भीतर एशिया का सबसे अमीर आदमी बन गया। सत्यपाल मलिक ने कहा कि देश के किसानों को हराया नहीं जा सकता। जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती, वह अपना विरोध जारी रखेंगे। सत्यपाल मलिक ने कहा कि अगर एमएसपी को लागू नहीं किया गया और इसकी कानूनी गारंटी नहीं दी, तो फिर एक और लड़ाई होगी। इस बार यह भयंकर लड़ाई होनेवाली है। आप इस देश के किसान को नहीं हरा सकते, क्योंकि ईडी या आयकर विभाग के अधिकारी नहीं भेज सकते तो आप किसानों के कैसे डरायेंगे। जांच एजेंसियों का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। इसमें निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। मैं भाजपा में ही 8-10 लोगों के नाम गिना सकता हूं। एजेंसियों को निष्पक्ष रूप से काम करने देना चाहिए।

अडानी ने पानीपत में गोदाम बनाकर गेहूं स्टॉक किया : सत्यपाल मलिक ने कहा कि अडानी ने पानीपत में एक बड़ा गोदाम बना

■ किसानों को हराया नहीं जा सकता
■ एमएसपी को लागू नहीं किया गया, तो फिर एक और लड़ाई होगी

लिया है और सस्ते दामों पर खरीदे गये गेहूं से उसका स्टॉक भी कर लिया। जब महंगाई होगी, तब उस गेहूं को बेच देंगे। ऐसे प्रधानमंत्री के दोस्त मुनाफा कमायेंगे और किसानों को नुकसान होगा। इसके खिलाफ बड़ी लड़ाई लड़ी जायेगी।

गुवाहाटी एयरपोर्ट का किस्सा सुनाया : सत्यपाल मलिक ने गुवाहाटी एयरपोर्ट का भी एक किस्सा भी सुनाया। सत्यपाल मलिक ने कहा कि मैं जब भी कहीं जाता हूं तो गुवाहाटी हवाई अड्डे से ही जाता हूं। एक बार गुवाहाटी हवाई अड्डे पर गुलदस्ता पकड़े एक महिला से मिला। जब मैंने पूछा कि वह कहां से है, तो उसने जवाब दिया हम अडानी की तरफ से आये हैं। मैंने पूछा इसका क्या मतलब है। उन्होंने कहा कि यह हवाई अड्डा अडानी को सौंप दिया गया है। अडानी को हवाई अड्डा, बंदरगाह, प्रमुख योजनाएं दी गयी हैं और एक तरह से देश को बेचने की तैयारी है, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। सत्यपाल मलिक ने किसान आंदोलन के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई मुलाकात की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी और कहा था कि किसान दिल्ली की सीमाओं पर बैठे थे। उनमें से प्रत्येक व्यक्ति 40 गांवों का मुखिया था, 700 किसान मारे गये। जब एक कुत्ता मर जाता है तो दिल्ली से शोक संदेश भेजा जाता है। किसानों के लिए कोई शोक संदेश नहीं भेजा गया। बाद में किसानों के खिलाफ लाये गये तीनों काले कृषि कानून वापस लेने पड़े और माफी भी मांगनी पड़ी।

पाकिस्तान में हिंदू सफाईकर्मी की ईशनिंदा के आरोप में बेरहमी से पिटाई

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में एक हिंदू सफाई कर्मी को ईशनिंदा के आरोप में लोगों ने बेरहमी से पीटा। खबरों के मुताबिक, व्यक्ति की मौत हो गयी। हालांकि, कुछ खबरों में बताया जा रहा है कि व्यक्ति बच गया है। पीड़ित की पहचान अशोक कुमार के नाम से हुई है। पाकिस्तानी पत्रकार नायला इनायत ने ट्वीट करके बताया- पाकिस्तान के हैदराबाद में हिंदू सफाईकर्मी अशोक कुमार को कुरान का अपमान करने के आरोप में धारा 295बी के तहत गिरफ्तार किया गया है। दुकानदार बिलाल अब्बासी के साथ झगड़ा होने के बाद बिलाल ने

अशोक के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी। इस शिकायत के बाद गुस्साई भीड़ अशोक को अपनी गिरफ्त में लेने के लिए उसके अपार्टमेंट के आसपास इकट्ठा हो गयी। हैदराबाद पुलिस लाठी-डंडों के इस्तेमाल से भीड़ को हटाया। लोकल मीडिया के मुताबिक, एक मुस्लिम महिला ने कुरान में आग लगायी थी।

दिसम्बर में श्रीलंकाई नागरिक की हत्या की थी : पाकिस्तान में ईशनिंदा के कट्टर कानूनों के चलते कई लोगों की पीट-पीटकर हत्या की गयी है। दिसम्बर 2021 में ईशनिंदा के आरोप में श्रीलंकाई फैक्ट्री मैनेजर को भीड़ ने पहले पीटकर मार डाला और फिर आग लगा दी।

ईडी ने राजीव कुमार से पूछा कि कैसे अमित अग्रवाल के संपर्क में आए

राजीव ने खुद को ट्रैप करने की बात बतायी

ईडी ने राजीव कुमार से सोमवार को दिन भर पूछताछ की

नवीन मेल संवाददाता

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजीव कुमार से सोमवार को दिन भर पूछताछ की। शेल कंपनियों व अवैध खनन से जुड़ी पीआईएल करने वाले अधिवक्ता राजीव कुमार से ईडी ने पूछा कि वह इस मामले में कारोबारी अमित अग्रवाल के संपर्क में कैसे आए, कब कब उनकी बात या मुलाकात अमित अग्रवाल से हुई। ईडी यह भी पड़ताल कर रही है कि याचिका दायर करने के बाद से राजीव कुमार कब कब कोलकाता गए थे। सोमवार को ईडी ने पूछताछ के दौरान राजीव कुमार से यह भी पूछा कि उनके लिए एयर टिकट और होटल की बुकिंग किसने करायी थी। पूछताछ में आए तथ्यों के आधार पर ईडी इस मामले में संबंधित अन्य लोगो से भी पूछताछ करेगी।

साजिश कर ट्रैपिंग की बात बतायी :

ईडी सूत्रों के मुताबिक, राजीव कुमार ने पूछताछ में बताया है कि उन्हें साजिश के तहत ट्रैप कर फंसाया गया। ईडी ने 31 जुलाई का पूरा घटनाक्रम राजीव कुमार से जाना है। हालांकि ईडी को राजीव कुमार ने क्या बताया, इस बात की पूरी जानकारी नहीं मिल पायी है। गौरतलब है कि याचिका मैनेज करने के बाद पैसे मांगने का आरोप अमित अग्रवाल ने राजीव कुमार पर लगाया था। जिसके बाद 31 जुलाई को राजीव कुमार को बंगाल पुलिस ने 50 लाख नकदी के साथ ट्रैप किया था। इसके बाद उन्हें रिमांड पर लेकर 14 दिनों तक बंगाल पुलिस की डिटेक्टिव विभाग ने पूछताछ की थी।

भारतीय शिक्षण पद्धति प्रारंभ से ही उन्नत रही है: डॉ. राजकुमार

रांची। रांची विश्वविद्यालय के यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र में आयोजित संकाय प्रेरण कार्यक्रम में सोमवार को नई शिक्षा नीति पर डीएसडब्ल्यू डॉ राजकुमार शर्मा का व्याख्यान आयोजित किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षण पद्धति प्रारंभ से ही उन्नत रही है। नई शिक्षा नीति में स्नातक के एक पत्र के रूप में भारत को जानना समझना शामिल है। इसमें योग व स्वास्थ्य शिक्षा अनिवार्य पत्र के रूप में सभी के लिए पढ़ना आवश्यक है। द्वितीय सत्र में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो सत्यनारायण मुंडा ने प्रकृति संरक्षण और आदिवासी जीवन दर्शन विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि आदिवासियों की जीवनशैली प्रकृति के अनुकूल है। यह जीवन दर्शन आधुनिक भौतिकवादी सभ्यता व सोच से उत्पन्न बहुआयामी संकटों का समाधान करने वाला है।

उन्होंने कहा कि आदिवासी दर्शन और समाज के प्रति बुद्धिजीवियों का दृष्टिकोण पूर्वाग्रह से ग्रसित रहा है। आज की युवा पीढ़ी को सजग होने की आवश्यकता है। तृतीय सत्र में रांची विश्वविद्यालय के वीमेंस स्टडी सेंटर की समन्वयक डॉ ममता कुमारी ने मानवाधिकार और मौलिक अधिकार पर व्याख्यान दिया।

e-Procurement Cell

Office of the Superintending Engineer, Building Construction Department, Chotanagpur Circle, Line Tank Road, Ranchi

e-Procurement Notice

Tender Reference No.-BCD/SECNC/04/BCD, Building Div. No.-1, Ranchi/2022-23 **Date:-22-08-2022**

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू०)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि	वेबसाईट में निविदा डालने की अंतिम तिथि एवं समय	वेबसाईट में अपलोड किये गये दस्तावेज की हार्ड कॉपी जमा करने की तिथि एवं समय	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या।
1.	Renovation of Boundary Wall, Guard Room, Barrack, Santri Post, Out House & Dispensary at C.M. House, Kanke Road, Ranchi for the year 2022-2023	Rs. 77,95,900.00	4 (Four) Months	27.08-2022	05.09.2022 11:00 AM	05.09.2022 11:30 AM	07.09.2022 11:30 AM	Office of the Superintending Engineer, Building Construction Department, Chotanagpur Circle, Line Tank Road, Ranchi	0651-2200049	0651-2200049

○ इस निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना/बदलाव/संशोधन का अवलोकन http://jharkhandtenders.gov.in पर किया जा सकता है।

Note : New Updated UCAN Registration is mandatory for the Bidders.

PR 276146 Building Construction Dept Chotanagpur Circle (22-23)D

नोडल पदाधिकारी
भवन निर्माण विभाग, छोटानागपुर अँचल, राँची।

बीआईटी मेसरा ने ब्रेन मशीन इंटरफेस पर हुआ कार्यशाला

रांची। बिड़ला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी), मेसरा में ब्रेन मशीन इंटरफेस पर कार्यशाला की शुरूआत सोमवार को हुई। कार्यशाला 28 अगस्त तक चलेगी। यह विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), विज्ञान विभाग की ओर से प्रायोजित की गई है। उद्घाटन समारोह में डॉ संजय कुमार, उपाध्यक्ष, न्यूरोसर्जरी, पारस एचईसी अस्पताल बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे। उन्होंने उपचार की गुणवत्ता में सुधार के लिए चिकित्सा और इंजीनियरिंग क्षेत्रों के बीच संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया।

पृष्ठ एक के शेष

मानदेय के अलावे आयुष चिकित्सकों को...

और श्री सत्य साईं हॉस्पिटल के बीच एमओयू हुआ। एमओयू के अंतर्गत प्रतिवर्ष झारखंड के एक हजार हार्ट मरीजों का मुफ्त इलाज गुजरात के श्री सत्य साईं हॉस्पिटल में होगा। झारखंड सरकार इन मरीजों के यात्रा पर प्रति मरीज 10 हजार रुपया खर्च करेगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसे एतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि इस एमओयू से श्री सत्य साईं हॉस्पिटल राजकोट और अहमदाबाद में झारखंड के युवा तथा वयस्कों का मुफ्त हार्ट का इलाज होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पैसे के अभाव में जो लोग इलाज नहीं करा पाते हैं ऐसे में यह व्यवस्था उनके लिए मील का पत्थर साबित होगा।

मानदेय के अलावे आयुष चिकित्सकों को मिलेगा हर माह इंसेंटिव : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज एक नयी पीढ़ी इस व्यवस्था को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। आज 217 चिकित्सकों की नियुक्ति हो रही है, इन चिकित्सकों के माध्यम से सुदूरवर्ती ग्रामीणों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था को ठीक रखने को लेकर चिंतन करती रहती है। फिर भी ठीक नहीं हो पाती है। सरकार के आप अंग हैं और बेहतर से बेहतर काम करेंगे। सरकार आपको इंन्सेटिव भी देने का काम करेगी। सैलरी के अलावे हर महिने 15 हजार इंसेंटिव देने का काम करेगी।

देवदूत के रूप में लोगों को चिकित्सा उपलब्ध करायें : बन्ना गुप्ता : इस अवसर पर स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सानिध्य में स्वास्थ्य विभाग दिन प्रतिदिन बेहतर दिशा की ओर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज खुशी का दिन है कि मुख्यमंत्री के द्वारा 217 आयुष प्रक्षेत्र के डॉक्टरों को संविदा आधारित नियुक्ति पत्र मिली है। उन्होंने नवनियुक्त चिकित्सकों से अपील की कि आप जहां कार्यरत रहें वहां मरीजों का इलाज मुस्कुराता चेहरा और मधुरवाणी के साथ करें ताकि लोगों को लगे कि आप उनके परिवार के ही सदस्य हैं। जब आप आत्मीयता के साथ मरीजों का चिकित्सा करेंगे तो उनकी आधी बीमारी आपके द्वारा उन्हें छू लेने से ठीक हो जायेगी। उन्होंने कहा कि आयुष प्रक्षेत्र का बहुत बड़ा दायरा है। आयुष पद्धति लोगों को बड़ी बीमारी होने से पहले ही बचाती है। आप सभी आयुष प्रक्षेत्र के नवनियुक्त डॉक्टर्स मुख्यमंत्री के द्वारा भेजे गये देवदूत के रूप में लोगों के बीच चिकित्सा उपलब्ध कराने का कार्य करें।

स्वास्थ्य से जुड़े तीन नये एप्प का शुभारंभ : मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्वास्थ्य सेवा से संबंधित तीन एप्प का शुभारंभ किया। इसके अंतर्गत आयुष योगा एप्प, आयुष पेशेंट मॉनिटरिंग एप्प तथा जीवन दूत एप्प शामिल है। इस अवसर पर राज्य के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, अपर मुख्य सचिव-सह-प्रधान सचिव स्वास्थ्य विभाग अरुण कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, आयुष के नोडल अधिकारी भुवनेश प्रताप सिंह, श्री सत्य साईं हार्ट हॉस्पिटल के प्रतिनिधि सहित आयुष प्रक्षेत्र के नवनियुक्त सभी डॉक्टर्स उपस्थित थे।

टिपल मर्डर से दहला...

दौरान उसका ममेरा भाई हेमंत ने उसके पिता, छोटा भाई और ममेरे भाई को मार डाला। खूंटी के डीएसपी अमित कुमार ने बताया कि घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपी हेमंत ने पुलिस को बताया कि वह उन लोगों के साथ कमाने के लिए ओडिशा गया था। उसका पैसा उन लोगों ने रख लिया था, मांगने पर उसे पैसे नहीं दी, इसलिए वह कुदाल से मार कर हत्या कर दी। डीएसपी ने बताया कि आरोपी दिमागी हालत से ठीक नहीं लगता है। फिलहाल पुलिस उससे हत्या के और भी कारणों की जानकारी ले रही है। उन्होंने कहा कि मेडिकल जांच के बाद ही आरोपी के दिमागी बीमारी के बारे पता चल सकता है।

राज्यभर के साइबर अपराधियों की...

अधिकारियों के दल ने देवघर, जामताड़ा में साइबर अपराध प्रभावित इलाकों का दौरा किया था। इस दौरे के बाद साइबर अपराध प्रभावित इलाकों को लेकर विशेष कार्ययोजना पर भी काम शुरू हुआ है। गृह मंत्रालय की टीम ने दौरे के बाद राज्य पुलिस के आला अधिकारियों से भी मुलाकात कर कई जानकारियां शेयर की थीं।

पूर्व में भी साइबर अपराधियों की संपत्ति हुई है जब्त : राज्य में पूर्व में भी साइबर अपराधियों के खिलाफ मनी लाउंड्रिंग की कार्रवाई ईडी ने की थी। साल 2020 में ईडी ने जामताड़ा के कुख्यात साइबर अपराधी प्रदीप कुमार मंडल, पिंटू मंडल, अंकुश कुमार मंडल, संतोष मंडल और गणेश मंडल के मिरगा गांव में तीन अचल संपत्तियों, चार वाहनों के साथ बैंक में जमा रकम जब्त की थी। जामताड़ा के नारायणपुर थाना में प्रदीप मंडल समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ 22 जुलाई 2016 को मामला दर्ज किया गया था। इस दर्ज केस में चार्जशीट के आधार पर ईडी ने केस टेकओवर किया था। ईडी ने जांच में पाया है कि साइबर अपराधी प्रदीप मंडल ने साइबर फ्रॉड कर काफी संपत्ति अर्जित की है।

साइबर अपराध उन्मूलन के लिए अलग-अलग रणनीतियों पर हो रहा काम : राज्य के जामताड़ा, देवघर, गिरिडीह, धनबाद जिले से साइबर अपराध को सर्वाधिक अंजाम दिया जाता है। साइबर अपराध से प्रभावित इलाकों में युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए साइबर हब बनाने पर जोर दिया जा रहा है। साइबर अपराध में कम पढ़े-लिखे युवा ज्यादा सक्रिय हैं, ऐसे में इन युवाओं को साइबर से जुड़ी नौकरियों में कैसे जोड़ा जाये इसे लेकर भी योजना पर काम किया जा रहा है।

रजिस्ट्री सं.डी.एल.–33004/99 REGD. NO. D.L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India
सी.जी.–डी.एल.–अ.-11052022-235708
CG-DL-E-11052022-235708
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II–खण्ड 3–उप-खण्ड (ii)
PART II--Section 3--Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2065] नई दिल्ली, मंगलवार, मई 10, 2022/वैशाख 20, 1944
No. 2065] NEW DELHI, TUESDAY, MAY 10, 2022/VAISAKHA 20, 1944

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 मई, 2022

का.आ. 2172(अ).–केन्द्रीय सरकार ने, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 (1956 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3क की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 5255(ई.) दिनांक 17.12.2021, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खण्ड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित की गई थी, द्वारा झारखंड राज्य के लोहरदगा जिले में NH-143A के कि.मी. 12.80 से कि.मी. 29.08 तक लोहरदगा शहर के आसपास बाईपास का निर्माण, अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचालन के लिए उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और उक्त अधिसूचना का सार उक्त अधिनियम की धारा 3क की उपधारा (3) के अधीन तारीख "01.02.2022" को "हिन्दुस्तान" और तारीख "02.02.2022" को "दैनिक जागरण" दोनों में प्रकाशित किया गया था ;

और आक्षेप प्राप्त हुए थे और सक्षम प्राधिकारी ने उन पर विचार कर लिया है और आक्षेपों को अननुज्ञात कर दिया है ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, सक्षम प्राधिकारी की उक्त रिपोर्ट प्राप्त हो जाने पर और उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जन किया जाना चाहिए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (2) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन पर, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर आत्यन्तिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो जाएगी।

अनुसूची

झारखण्ड राज्य के लोहरदगा जिले में NH-143A के कि.मी. 12.80 से कि.मी. 29.08 तक लोहरदगा शहर के आसपास बाईपास का निर्माण के लिए अर्जन की जाने वाली भूमि का संरचना सहित अथवा संरचना रहित विवरण।

राज्य का नाम: झारखण्ड जिले का नाम: लोहरदगा

क्रमिक संख्या	सर्वेक्षण संख्या	भूमि का प्रकार	भूमि की प्रकृति	भूमि का क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	भूस्वामी हितबद्ध व्यक्तियों का नाम
1	2	3	4	5	6
तालुक का नाम: सेन्हा					
गांव का नाम: अरू					
1	1100	निजी	नाला	0.0236746	अनाबाद बिहार सरकार
2	1103	निजी	टांड 2	0.1372724	त्रीवेणी देवी , पिता–विन्दरी लाल, जाति– अग्रवाल
3	1104	निजी	टांड 2	0.0896803	त्रीवेणी देवी , पिता–विन्दरी लाल, जाति– अग्रवाल
4	1105	निजी	टांड 2	0.0137191	त्रीवेणी देवी , पिता–विन्दरी लाल, जाति– अग्रवाल
5	1108	निजी	वारी टांड 1	0.0664104	मंगरा धोबी , पिता–बसुवा धोबी, जाति– – एवं वो सुखना धोबी वो गन्दरा धोबी , पिता–बलू धोबी, जाति– धोबी
6	1109	निजी	वारी टांड 1	0.0647916	देवनाथ कोइरी , पिता–महादेव कोइरी, जाति– कोइरी
7	1110	निजी	मोटा आर	0.046297	अनाबाद बिहार सरकार
8	1111	निजी	टांड 2	0.0836099	बलराम उराँव , पिता–धना उराँव, जाति– उराँव
9	1112	निजी	टांड 2	0.1129098	मुदो उराँव व लक्षुमन उराँव , पिता–सनिया उराँव, जाति– – एवं व जोगो उराँव , पिता–जतरू उराँव, जाति– – एवं व मंगरा उराँव व भुखा उराँव , पिता–सोमरा उराँव, जाति– उराँव
10	1170	निजी	दोन 2	0.0030352	शनिया उराँव वो वदे उराँव , पिता–गन्दुर उराँव, जाति– उराँव
11	1171	निजी	दोन 2	0.0547956	वीरीया उराईन , पति–हन्दु उराँव, जाति– उराँव
12	1172	निजी	दोन 2	0.1552813	मुदो उराँव व लक्षुमन उराँव , पिता–सनिया उराँव, जाति– – एवं व जोगो उराँव , पिता–जतरू उराँव, जाति– – एवं व मंगरा उराँव व भुखा उराँव , पिता–सोमरा उराँव, जाति– उराँव
13	1173	निजी	दोन 2	0.1528531	सिकन्दर मियां वो रोपन मियां वो जलील मियां , पिता–बालक मियां, जाति– – एवं वो वरतू मियां वो अब्दुल मियां , पिता–करीम मियां, जाति– – एवं वो छेदी मियां वो कुरमान मियां वो गफूर मियां , पिता–हजरन मियां, जाति– जोलहा
14	1174	निजी	दोन 2	0.1406313	सिकन्दर मियां वो रोपन मियां वो जलील मियां , पिता–बालक मियां, जाति– – एवं वो वरतू मियां वो अब्दुल मियां , पिता–करीम मियां, जाति– – एवं वो छेदी मियां वो कुरमान मियां वो गफूर मियां , पिता–हजरन मियां, जाति– जोलहा
15	1175	निजी	दोन 2	0.0796439	एतवा उराँव वो वुधुआ उराँव वो बन्धवा उराँव , पिता–मौआ उराँव, जाति– उराँव
16	1176	निजी	दोन 2	0.0338729	शनिया उराँव वो वदे उराँव , पिता–गन्दुर उराँव, जाति– उराँव
17	1177	निजी	दोन 2	0.1133954	शुकर महतो , वो मंगरी देवी , पिता–जैराम महतो, जाति–
18	1200	निजी	पुरानी परती	0.0333468	वकास्त भुईहरी
19	1201	निजी	पुरानी परती	0.032416	वकास्त भुईहरी
20	1202	निजी	दोन 2	0.0666127	गोन्दला लोहरा , पिता–मंगल लोहरा, जाति– लोहारा एवं वो जगा लोहरा , पिता–कमल लोहरा, जाति– लोहारा एवं वो विरू लोहरा , वो धीरन लोहरा , पिता–मरथ लोहरा, जाति– लोहारा
21	1203	निजी	दोन 2	0.0452853	गोन्दला लोहरा , पिता–मंगल लोहरा, जाति– लोहारा एवं वो जगा लोहरा , पिता–कमल लोहरा, जाति– लोहारा एवं वो विरू लोहरा , वो धीरन लोहरा , पिता–मरथ लोहरा, जाति– लोहारा
22	1204	निजी	दोन 2	0.0357345	वीरन लोहार व धीरन लोहार , पिता–मरत लोहार, जाति– – एवं वो जगत लोहार , पिता–कमल लोहार, जाति– – एवं वो गोन्दल लोहार , पिता–मंगल लोहार, जाति– लोहार
23	1205	निजी	दोन 2	0.0729259	विरसा उराँव , पिता–करमा उराँव, जाति– – एवं वो वुधू उराँव वो वीजल उराँव वो वुधराम उराँव वो फगुवा उराँव वो मंगरा उराँव वो सोमरा उराँव , पिता–मौला उराँव, जाति– – एवं वो टोला उराँव वो सुका उराँव , पिता–जेका उराँव, जाति– – एवं वो वुधू उराँव , पिता–चरवा उराँव, जाति– – एवं वो लूले उराँव , पिता–गन्दरू उराँव, जाति– – एवं वो चरवा उराँव वो वोले उराँव , पिता–फगुवा उराँव, जाति– उराँव
24	1210	निजी	दोन 2	0.017847	वकास्त भुईहरी
25	1211	निजी	दोन 2	0.151639	वकास्त भुईहरी
26	1213	निजी	पुरानी परती	0.017847	वाकास्त भुइहरी
27	1214	निजी	भिंड	0.0061109	अनावाद बिहार सरकार
28	1215	निजी	पुरानी परती	0.0388911	वकास्त भुईहरी
29	1233	निजी	दोन 2	0.0143667	वकास्त भुईहरी
30	1234	निजी	टांड 2	0.0350465	रमेश्वर महतो , पिता–भगत महतो, जाति– कोइरी
31	1248	निजी	टांड 2	0.0493727	दशई चमार , पिता–लगनू चमार, जाति– चमार
32	1249	निजी	टांड 2	0.0068798	दशई चमार , पिता–लगनू चमार, जाति– चमार
33	1255	निजी	दोन 2	0.0237556	मकसुदन लोहरा , पिता–हगरू लोहरा, जाति– – एवं वो जगवा लोहरा वो सुकदेव लोहरा , पिता–महादेव लोहरा, जाति– – एवं वो मनराज लोहार , पिता–मोहन लोहार, जाति– लोहार
34	1256	निजी	दोन 2	0.1819911	महली उराँव वो खुदना उराँव , पिता–जेना उराँव, जाति– उराँव
35	1257	निजी	दोन 2	0.1836099	शिवनाथ लोहरा , पिता–जगमन लोहरा, जाति– लोहारा
36	1260	निजी	दोन 2	0.1190611	मकसुदन लोहरा , पिता–हगरू लोहरा, जाति– – एवं वो जगवा लोहरा वो सुकदेव लोहरा , पिता–महादेव लोहरा, जाति– – एवं वो मनराज लोहार , पिता–मोहन लोहार, जाति– लोहार
37	1261	निजी	दोन 2	0.0987859	मकसुदन लोहरा , पिता–हगरू लोहरा, जाति– – एवं वो जगवा लोहरा वो सुकदेव लोहरा , पिता–महादेव लोहरा, जाति– – एवं वो मनराज लोहार , पिता–मोहन लोहार, जाति– लोहार
38	1262	निजी	दोन 2	0.1813436	वकास्त भुईहरी
39	1263	निजी	दोन 2	0.0488062	वकास्त भुईहरी
40	1270	निजी	दोन 2	0.0016592	गेडीया उराँव , पिता–लोधा उराँव, जाति– उराँव
41	1271	निजी	दोन 2	0.0078915	सेख वहाव मियां , पिता–सेख महली, जाति– मोमीन
42	2118	निजी	दोन 2	0.2067989	वकास्त भुईहरी
43	2119	निजी	दोन 1	0.0244435	बन्धना उराँव वो एतवा उराँव वो मटरू उराँव , पिता–जुरा उराँव, जाति– – एवं वो शनिया उराँव उर्फ एतवा उराँव वो विरसा उराँव , पिता–तुलसी उराँव, जाति– उराँव
44	2124	निजी	दोन 1	0.0240389	बन्धना उराँव वो एतवा उराँव वो मटरू उराँव , पिता–जुरा उराँव, जाति– – एवं वो शनिया उराँव उर्फ एतवा उराँव वो विरसा उराँव , पिता–तुलसी उराँव, जाति– उराँव
45	2127	निजी	दोन 2	0.1370295	चन्द्र साह , पिता–जगमन साह, जाति– तेली एवं वो देवी दयाल साह , वो खुशी दयाल साह , वो पंचम साह , वो मकुन्द साह , पिता–लालमन साह, जाति– तेली एवं वो सुखदेव साह , वो मदरा साह , पिता–जगमोहन साह, जाति– तेली
46	2128	निजी	दोन 2	0.126548	वकास्त भुईहरी
47	2129	निजी	दोन 2	0.1227843	वकास्त भुईहरी
48	2130	निजी	दोन 1	0.0100769	शेख खजरू वो डहरू , पिता–शेख अली, जाति– मोमीन
49	2131	निजी	दोन 1	0.0439093	शेख खजरू वो डहरू , पिता–शेख अली, जाति– मोमीन
50	2134	निजी	दोन 1	0.2655605	वकस्त भुइहरी
51	2135	निजी	दोन 2	0.2402671	भिनसरिया उराँव , पिता–झरीया उराँव, जाति– उराँव
52	2136	निजी	दोन 2	0.1617968	वकास्त भुईहरी
53	2137	निजी	दोन 2	0.0121004	भिनसरिया उराँव , पिता–झरीया उराँव, जाति– उराँव
54	2138	निजी	दोन 1	0.0632942	खेदु मियां , पिता–करीम मियां, जाति– – एवं वो रोजन मियां वो सुभान मियां वो सेरा मियां वो मनो मियां वो जमीर मियां , पिता–अब्दुल मियां, जाति– मुसलमान
55	2143	निजी	दोन 2	0.1889923	वकास्त भुईहरी
56	2145	निजी	दोन 1	0.0541481	एतवा उराँव व राम नवमी उराँव , पिता–विरसा उराँव, जाति– – एवं वो टुइचा उराँव व विरसा उराँव , पिता–तुलसी उराँव, जाति– उराँव
57	2146	निजी	दोन 2	0.1271145	एतवा उराँव व राम नवमी उराँव , पिता–विरसा उराँव, जाति– – एवं वो टुइचा उराँव व विरसा उराँव , पिता–तुलसी उराँव, जाति– उराँव
58	2154	निजी	दोन 2	0.0245245	देवनाथ महतो , पिता–महादेव महतो, जाति– – एवं वो सम महतो , पिता–गन्दरा महतो, जाति– कोइरी
59	2155	निजी	दोन 2	0.1173209	दशई चमार , पिता–लगनू चमार, जाति– चमार
60	2156	निजी	दोन 1	0.141724	चरकू साह , पिता–सकुरा साह, जाति– तेली
61	2157	निजी	परती	0.0048159	सोमा उराँव वो एतवा उराँव , पिता–वुधूआ उराँव, जाति– – एवं वो सोमरो उराईन , पिता–चोरवा उराँव, जाति– – एवं वो घुरा उराँव , पिता–वुधूआ उराँव, जाति– – एवं वो छवला उराँव वो रोपना उराँव , पिता–अकवा उराँव, जाति– – एवं वो सुकरा उराँव , पिता–शनिया उराँव, जाति– उराँव
62	2163	निजी	दोन 2	0.3262647	वकास्त भुईहरी
63	2164	निजी	दोन 1	0.0757183	तिलुआ महली , पिता–रामचरण महली, जाति– महली एवं वो संतु महली , पिता–बुचा महली, जाति– महली एवं वो भुखन महली , पिता–बलकू महली, जाति– महली
64	2165	निजी	दोन 1	0.0833671	तिलुआ महली , पिता–रामचरण महली, जाति– महली एवं वो संतु महली , पिता–बुचा महली, जाति– महली एवं वो भुखन महली , पिता–बलकू महली, जाति– महली
65	2166	निजी	दोन 1	0.0045326	तिलुआ महली , पिता–रामचरण महली, जाति– महली एवं वो संतु महली , पिता–बुचा महली, जाति– महली एवं वो भुखन महली , पिता–बलकू महली, जाति– महली
66	2167	निजी	दोन 2	0.1222987	तिलुआ महली , पिता–रामचरण महली, जाति– महली एवं वो संतु महली , पिता–बुचा महली, जाति– महली एवं वो भुखन महली , पिता–बलकू महली, जाति– महली
67	2168	निजी	दोन 1	0.0529745	शहरू उराँव , पिता–छोटया उराँव, जाति– – एवं वो सुकरा उराँव , पिता–भुखा उराँव, जाति– उराँव
68	2169	निजी	दोन 1	0.1060704	मंगरा उराँव , पिता–कमरू उराँव, जाति– उराँव
69	2170	निजी	दोन 1	0.1024686	मंगरा उराँव , पिता–वुधूवा उराँव, जाति– उराँव
70	2171	निजी	दोन 2	0.0395386	भिनसरिया उराँव , पिता–झरीया उराँव, जाति– उराँव
71	2173	निजी	दोन 2	0.0093889	विरसु उराँव वो विहारी उराँव , पिता–महली उराँव, जाति– – एवं वो वुधूवा उराँव , पिता–जोगी उराँव, जाति– उराँव
72	2174	निजी	दोन 1	0.0060704	चन्द्र साह , पिता–जगमन साह, जाति– तेली एवं वो देवी दयाल साह , वो खुशी दयाल साह , वो पंचम साह , वो मकुन्द साह , पिता–लालमन साह, जाति– तेली एवं वो सुखदेव साह , वो मदरा साह , पिता–जगमोहन साह, जाति– तेली
73	2365	निजी	दोन 1	0.0061918	मकसुदन लोहरा, फादर– हगरू लोहरा, केस्ट– अन्ड देट जगवा लोहरा, देट शुकदेव लोहरा, फादर– महादेव लोहरा, केस्ट– अन्ड देट मनराज लोहार, फादर– मोहान लोहार, केस्ट– ब्लैकस्मिट (करन्ट– शिवनाथ लोहरा, फादर– जगमोहन लोहरा, केस्ट लोहरा)
74	2369	निजी	दोन 2	0.0554431	शेख वरातू , पिता–शेख करीम, जाति– – एवं व शेख सिकन्दर व शेख तैयद व शेख जलील , पिता–शेख बालक, जाति– – एवं व अब्दुल , पिता–शेख करीम, जाति– मुसलमान
75	772	निजी	नदी	0.1760421	अनावाद बिहार सरकार

[फा.सं. RW/Ranchi/LA/Lohardaga Bypas/NH-143A/3D]

जिला भू–अर्जन पदाधिकारी,
लोहरदगा

PR 276120 Lohardaga(22-23).D

न्यूज गैलरी

कोरिक ने वापसी में जीता अपना पहला मास्टर्स एक हजार खिताब

मेसन (एजेंसी)। क्रोएशिया के बोर्ना कोरिक ने चोट के बाद यादगार वापसी करते हुए सोमवार को सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में स्टेफानोस सितसिपास को मात देकर अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीता। कोरिक ने यूनान के चौथी सीड सितसिपास को एक घंटे 57 मिनट चले फाइनल में 7-6 (0), 6-2 से मात दी। 2020 के बाद अपना पहला टूर-स्तरीय फाइनल खेल रहे क्रोएशियाई खिलाड़ी ने खिताब तक के सफर में राफेल नडाल को मात दी थी। फाइनल के पहले सेट में वह 1-4 से पिछड़ गये थे, लेकिन उन्होंने दबाव से उभरते हुए अपने यूनानी प्रतिद्वंदी को दो सेट में शिकस्त दी। कोरिक कंधे की चोट के कारण पिछले सीजन ज्यादातर आयोजनों से बाहर रहे थे। जब वह सिनसिनाटी ओपन में आए थे तब उनकी रैंकिंग 152 थी लेकिन अपने दमदार प्रदर्शन के दम पर वह एटीपी रैंकिंग में 29वें स्थान पर आ गए हैं। कोरिक ने जीत के बाद कहा कि यह एक बेहद मुश्किल मैच था। मैं शुरूआत में बहुत अच्छा नहीं खेल रहा था और वह मुझ पर दबाव डाल रहे थे। मैंने बाद में बेहतर सर्व करना शुरू किया और उन्हें कड़ी टक्कर दी। दूसरा सेट शायद इस साल का मेरा सर्वश्रेष्ठ सेट था।

एमबापे ने आठ सेकंड में दागा गोल, 30 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी की

लिली/फ्रांस (एजेंसी)। फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर कायलिन एमबापे ने केवल आठ सेकंड में गोल करके फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में पिछले रिकॉर्ड की बराबरी की। एमबापे के शुरू में किए गए इस गोल की बदौलत उनकी टीम पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने मैच में आखिर तक अपना दबदबा बनाए रखा और लिली को 7-1 से करारी शिकस्त दी। दर्शक अभी अपनी सीट पर बैठ पाते और विरोधी टीम के खिलाड़ी संभल पाते कि एमबापे ने लियोनेल मेसी के पास पर गोल दाग दिया। एमबापे ने मैच में कुल तीन गोल किए। एमबापे ने आठ सेकंड में गोल करके माइकल रियो के 1992 में बनाए गए रिकॉर्ड की बराबरी की।

इंग्लैंड की टीम दिसंबर में पाकिस्तान में तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को बताया कि इंग्लैंड की टीम दिसंबर में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत उनके देश में तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी। इस दौरे पर पहला टेस्ट रावलपिंडी में एक से पांच दिसंबर, दूसरा टेस्ट नौ से 13 दिसंबर तक मुल्तान में जबकि तीसरा टेस्ट मैच कराची के नेशनल स्टेडियम में 17 से 21 दिसंबर तक खेला जायेगा। कराची में पाकिस्तान का रिकॉर्ड शानदार रहा है जहां टीम को 44 मैचों में सिर्फ दो में हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड की टीम 2005 के बाद पहली बार पाकिस्तान में टेस्ट मैच खेलेगी। टीम इससे पहले टी-20 विश्व कप की तैयारियों के तहत पाकिस्तान में सात मैचों की टी-20 श्रृंखला खेलेगी। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्लेयर कोनोर ने कहा कि हम पिछले कुछ महीनों से पीसीबी के साथ काम कर रहे है।

हॉकी इंडिया में चुनाव प्रक्रिया शुरू, निर्वाचन अधिकारी की हुई नियुक्ति

नयी दिल्ली (एजेंसी)। बिहार सरकार के पूर्व चुनाव अधिकारी अजय नायक को नौ अक्टूबर तक कराए जानेवाले हॉकी इंडिया के चुनावों के लिए निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) और वर्तमान में देश में खेल का संचालन कर रही प्रशासकों की समिति (सीओए) के बीच हुई बैठक के दौरान नियुक्ति की गई थी। बैठक में एफआईएच के कार्यकारी अध्यक्ष सैफ अहमद, सीईओ थियरी वील और सीओए के सदस्यों न्यायमूर्ति अनिल आर दवे, एसवाई कुरैशी और जफर इकबाल ने भाग लिया। एके मजूमदार को सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। हॉकी इंडिया ने एक बयान में कहा कि वे तत्काल प्रभाव से अपना पदभार ग्रहण करेंगे। एफआईएच का दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भविष्य की योजना पर चर्चा करने और हॉकी इंडिया के संभावित निलंबन को टालने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में था। वर्तमान में दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश पर सीओए हॉकी इंडिया का संचालन कर रहा है। एफआईएच ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह ह्यअदालत को तीसरे पक्ष के रूप में नहीं मानता जिससे 13 से 29 जनवरी तक भुवनेश्वर और राउरकेला में होने वाले पुरुष विश्व कप से पहले प्रतिबंध की आशंका खत्म हो गई है।

विश्व चैम्पियनशिप में लक्ष्य की विजयी शुरुआत

टोक्यो (एजेंसी)। भारत के युवा शटलर लक्ष्य सेन ने बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में अपने अभियान की शानदार शुरूआत करते हुए सोमवार को पहले राउंड में डेनमार्क के हांस क्रिस्टियन विटिंगस को 2-0 से मात दी। नौंवी सीड सेन ने टोक्यो मेट्रोपोलिटन जिम्नेशियम में डेनमार्क के दिग्गज खिलाड़ी को 21-12, 21-11 के सीधे गेमों में मात दी। 20 वर्षीय सेन ने विश्व चैंपियनशिप 2021 में कांस्य पदक जीता था। वह पिछले आयोजन में वरीयता सूची से बाहर थे, लेकिन उन्होंने टोक्यो ओलंपिक के सेमीफाइनलिस्ट केविन कॉर्डन सहित कई बड़े खिलाड़ियों को हराया था। सेन को सेमीफाइनल में हमवतन किदांबी श्रीकांत से हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। इसी बीच, अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की भारतीय जोड़ी ने महिला युगल के पहले राउंड में मालदीव की आमिनत नबीहा और फातिमा नबाहा को 21-7, 21-9 से मात दी। ईशान भटनागर और तनीषा क्रास्टो की मिश्रित युगल जोड़ी ने डेनमार्क के पैट्रिक स्कील और फ्रांज़िस्का वोल्कमैन को 21-12, 21-13 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। 2019 चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता बी साई प्रणीत हालांकि चीनी तापेई के चोऊ टेइन चेन से 15-21, 21-15, 15-21 से हारने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गये। साथ ही मालविका बंसोड़ को महिला एकल मैच में डेनमार्क की लिन क्रिस्टोफरसन से 21-14, 21-12 से हार मिली। पुरुष युगल के पहले राउंड में मनु अत्री और बी सुमीत रेड्डी को हिरोका ओकामुरा और मासायुकी ओनोडेरा की जापानी जोड़ी से 11-21, 21-19, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा।

भारत ने जिम्बाब्वे पर किया क्लीन स्वीप

तीसरे वनडे में 13 रन से दी मात, सिकंदर रजा ने खेली शतकीय पारी

हरारे (एजेंसी)। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरा वनडे मुकाबला 13 रन से जीत लिया। इस जीत के साथ ही केएल राहुल की कप्तानी में टीम इंडिया ने वनडे सीरीज 3-0 अपने नाम कर ली। आखिरी वनडे में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 50 ओवर में 8 विकेट खोकर 289 रन बनाए थे। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 49.3 ओवर में 276 रन ही बना पायी। जिम्बाब्वे के लिए सिकंदर रजा ने 95 गेंद में 115 रन की शानदार पारी खेली। एक समय ऐसा लगा कि वो अपनी टीम को मुकाबला जीता देंगे, लेकिन शार्दूल ठाकुर की गेंद पर शुभमन गिल ने शानदार कैच पकड़ा और उनकी पारी खत्म कर दी। आवेश खान ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। दीपक चाहर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव के खाते में दो-दो विकेट आये। टीम इंडिया के लिए मैच में सबसे ज्यादा रन शुभमन गिल के बल्ले से निकले। उन्होंने अपने इंटरनेशनल करियर का पहला शतक जड़ा। पंजाब के इस बल्लेबाज ने 97 गेंद में 130 रन बनाए। वहीं, ईशान किशन ने भी अपने वनडे करियर की दूसरी फिफ्टी लगाई। ब्रैड एवंस ने शानदार गेंदबाजी की और जिम्बाब्वे के लिए सबसे ज्यादा 5 विकेट झटके। शुभमन गिल ने अपने वनडे करियर का पहला शतक बनाने के लिए 82 गेंद का सामना किया। वहीं, ईशान किशन 50 रन बनाकर रनआउट हुए। ईशान के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आए दीपक हुड्डा कुछ कमाल नहीं कर पाए और सिर्फ 1 रन बनाकर ब्रैड एवंस का शिकार बने। इससे पहले ब्रैड एवंस ने टीम इंडिया को पहला झटका दिया। पूरी तरह से सेट हो चुके कप्तान केएल राहुल को उन्होंने 30 रन के स्कोर पर क्लीन बोल्ड कर दिया। धवन और राहुल के बीच पहले विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी हुई। ब्रैड एवंस ने केएल राहुल के बाद शिखर धवन को भी अपना शिकार बनाया। गब्बर 40 रन बनाने के बाद शॉन विलियम्स को एक आसान सा कैच दे बैठे।

गिल का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहला शतक, रोहित शर्मा को पछाड़ा

हरारे (एजेंसी)। जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे और सीरीज के अंतिम वनडे मैच में भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पहला शतक लगा दिया है। इस शतक के साथ ही उन्होंने बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करते हुए रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया है। शुभमन गिल ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 82 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 100 रन बनाए। इसी के साथ ही वह वनडे में देश से बाहर शतक लगाने वाले तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 22 साल 348 दिन में यह कमाल किया और रोहित शर्मा को पछाड़ा। रोहित ने 23 साल 28 दिन में वनडे में ये रिकॉर्ड बनाया था। रोहित ने भी वनडे में जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक लगाया था। वहीं, पहले नंबर पर युवराज सिंह और दूसरे पर विराट कोहली हैं जिन्होंने क्रमशः 22 साल 41 दिन और 22 साल 315 दिन में ये रिकॉर्ड बनाया था।

न्यायालय ने कहा- सीओए को बर्खास्त माना जाये

एआईएफएफ के चुनाव एक सप्ताह के लिए स्थगित

नयी दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को निर्देश दिया कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के कामकाज के संचालन के लिए नियुक्त तीन सदस्यीय प्रशासकों की समिति को बर्खास्त माना जाये। समिति के अध्यक्ष उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एआर दवे थे। न्यायालय ने कहा कि भारत में अंडर-17 महिला विश्व कप के आयोजन और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (फीफा) द्वारा एआईएफएफ पर लगाया निलंबन रद्द कराने के लिए इसने अपने पूर्व आदेश में बदलाव किया है। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड और एएस बोपन्ना ने 28 अगस्त को होनेवाले चुनाव एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिये हैं ताकि मतदाता सूची में बदलाव और नामांकन प्रक्रिया की शुरूआत हो सके। पीठ ने कहा कि एआईएफएफ चुनाव के लिए मतदाता सूची में प्रदेश और केंद्रशासित प्रदेश संघों के 36 प्रतिनिधि होने चाहिए जैसा कि फीफा ने मांग की है। न्यायालय ने फीफा से बातचीत के बाद पूर्व आदेश में बदलाव की खेल मंत्रालय की अपील पर यह आदेश दिया। उच्चतम न्यायालय ने कहा अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के चुनाव के लिए सीओए के द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारी उमेश सिन्हा और तपस भट्टाचार्य को अदालत द्वारा नियुक्त माना जायेगा। न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के दैनिक कामकाज को निकाय के कार्यवाहक महासचिव संभालेंगे। इसने कहा कि एआईएफएफ की कार्यकारी समिति में 23 सदस्य होंगे जिनमें छह नामचीन खिलाड़ी (दो महिला खिलाड़ी) होंगे। न्यायालय ने 17 अगस्त को केंद्र से एआईएफएफ पर फीफा का लगाया निलंबन रद्द कराने और भारत में अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी सुनिश्चित कराने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने को कहा था।

न्यूजीलैंड ने विंडीज के खिलाफ जीती ऐतिहासिक श्रृंखला

बारबाडोस (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने टॉम लैथम (69) और डैरिल मिशेल (63) के अर्द्धशतकों की बदौलत वेस्ट इंडीज को तीसरे एकदिवसीय मैच में पांच विकेट से हराकर कैरिबियन में अपनी पहली एकदिवसीय श्रृंखला जीती। वेस्टइंडीज ने रविवार को बारबाडोस के केनसिंगटन ओवल में न्यूजीलैंड को 50 ओवर में 302 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे उन्होंने 47.1 ओवर में ही हासिल कर लिया। ब्लैक कैप्स ने टॉस जीतकर वेस्ट इंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किया। शाई होप और काइल मेयर्स ने कैरिबियाई टीम को मजबूत शुरूआत दिलाते हुए 34.5 ओवर में 173 रन की साझेदारी की। मेयर्स ने 110 गेंदों पर 12 चौके और तीन छक्के लगाते हुए 104 रन बनाये, जबकि होप ने 51 (100) रन की पारी खेली। इसके बाद कप्तान निकोलस पूरन ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 55 गेंदों पर चार चौकों और नौ छक्कों की बदौलत 91 रन बनाये। अल्जारी जोसेफ ने 6 गेंदों में 20 रन के योगदान के साथ विंडीज को 301 रन तक पहुंचाया। न्यूजीलैंड के लिए 302 रन का पीछा करते हुए मार्टिन गप्टिल, डेवन कॉनवे, कप्तान लैथम और मिशेल ने अर्द्धशतक जड़ते हुए टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। गप्टिल (57) और कॉनवे (56) के बीच दूसरे विकेट के लिये 82 रन की साझेदारी हुई। इसके अलावा मैन ऑफ द मैच लैथम ने 75 गेंदों पर छह चौकों की बदौलत 69 रन बनाये।

टिम पेन प्रथम श्रेणी क्रिकेट में करेंगे वापसी

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। यह 37 वर्षीय खिलाड़ी तस्मानिया क्रिकेट के सीईओ डोम बेकर के साथ चर्चा के बाद से 2022-2033 के घरेलू सत्र में तस्मानिया के लिए खेलने की संभावना है। पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को हिला देनेवाले कुख्यात सेक्सटिंग कांड के बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज को उनके अनुबंध से मुक्त कर दिया गया था। उन्हें कप्तानी से हटा दिया गया और साथ ही पैट कमिंस को उनकी जगह दे दी गई। रिपोर्ट के अनुसार तस्मानियाई 'ताजा' लग

रहा था और नेट्स में उत्कृष्ट था। हालांकि वह अभी भी तस्मानियाई बोर्ड के साथ अनुबंध में नहीं है। फिर भी उनके गर्मियों में खेलने की उम्मीद है। तस्मानिया 6 अक्टूबर को क्वींसलैंड से एलन बॉर्डर फील्ड में खेलेगा। 2021 में एशेज की शुरूआत से ठीक पहले पाइन ने ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान के रूप में पद छोड़ने का फैसला किया और अपने मानसिक स्वास्थ्य के कारण क्रिकेट से अनिश्चितकालीन अवकाश ले लिया। दुनियाभर में बहुत सारे लोगों ने उनसे खेल से संन्यास लेने की उम्मीद की थी लेकिन ऐसा नहीं है कि वह दूर जाना चाहते हैं। डोम बेकर ने सोमवार को कहा कि पूर्व कप्तान उनके कार्यालय आए और पूछा कि क्या वह टीम के साथ अभ्यास कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे राज्य में हर कोई उन्हें अपनी शर्तों पर अपना करियर खत्म करते देखना चाहता है।

एशिया कप में शाहीन की जगह लेंगे हसनैन

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद हसनैन 27 अगस्त से शुरू होने वाले टी20 एशिया कप में शाहीन शाह अफरीदी की जगह लेंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। शाहीन जुलाई में श्रीलंका के खिलाफ खेले गये पहले टेस्ट के दौरान चोटिल हो गये थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की चिकित्सीय सलाहकार समिति ने शनिवार को बताया कि उन्हें चार से छह हफ्ते और आराम करने की जरुरत है। हसनैन ने 18 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पाकिस्तान की ओर से खेलते हुए 17 विकेट चटकाए हैं।

डुप्लेसी को कप्तान बनाकर बोला सीएसके प्रबंधन- परिवार में उनकी हुई है वापसी

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स की जोहानिसबर्ग फ्रेंचाइजी ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसी की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह सीएसए टी-20 लीग के शुरूआती चरण में मार्की खिलाड़ियों में से एक के तौर पर अहम भूमिका निभाएंगे। डुप्लेसी इंडियन प्रीमियर लीग में 2016 और 2017 (जब टीम को निलंबित कर दिया गया था) को छोड़कर 2011 से 2021 तक चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का हिस्सा थे और हाल में उन्हें जोहानिसबर्ग फ्रेंचाइजी ने टीम में शामिल किया। हालांकि, डुप्लेसी पिछले आईपीएल सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिए खेले थे। सीएसके के मुख्य कार्यकारी अधिकारी केएस विश्वनाथन ने कहा- फाफ (डुप्लेसी) पिछले 10 वर्षों में चेन्नई सुपर किंग्स की रीढ़ रह चुके हैं। वह हमारी टीम के सबसे निरंतर प्रदर्शन करनेवाले खिलाड़ियों में से एक थे। हम पिछले

आईपीएल की नीलामी में उन्हें खरीदने में भाग्यशाली नहीं रहे, लेकिन हम मौका ढूंढ रहे थे और यह सीएसए (दक्षिण अफ्रीका) टी-20 लीग में मिल गया। उन्होंने कहा कि हम खुश हैं कि फाफ सुपर किंग्स परिवार में फिर वापस आ गए हैं। फाफ के लिए वापसी के लिए यह बहुत अच्छा मौका होगा कि वह ऐसा ही अच्छा प्रदर्शन करें जैसा उन्होंने सीएसके के लिए किया था। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर परिस्थितियों को देखते हुए उनका अनुभव काफी अहम होगा। मुझे भरोसा है कि टीम में उनके आने से हमारा भविष्य अच्छा होगा। सीएसए टी-20 लीग का शुरूआती चरण जनवरी-फरवरी 2023 में खेला जायेगा और टूर्नामेंट की सभी छह फ्रेंचाइजी को आईपीएल की मौजूदा टीमों ने खरीदा है। सीएसके के अलावा मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स, सनराइजर्स हैदराबाद, राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स द्वारा खरीदी गयी टीमें इसमें खेलेंगी।

वेस्टइंडीज पर धीमी ओवर गति के लिए लगा भारी जुर्माना

ब्रिजटाउन/बारबाडोस (एजेंसी)। वेस्टइंडीज पर रविवार को बारबाडोस में तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 40 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी के रिची रिचर्डसन मैच रेफरी के एलीट पैनल ने निकोलस पूरन की कप्तानी वाली टीम ने निर्धारित समय भत्ते से दो ओवर कम फेंकने के बाद यह फैसला सुनाया। आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है। खिलाड़ियों पर उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। जब उनकी टीम आर्वटित समय में गेंदबाजी करने में विफल रहती है। इसके अलावा आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग खेलने की स्थिति के अनुच्छेद 16.12.2 के अनुसार, एक पक्ष को प्रत्येक ओवर शॉर्ट के लिए एक अंक का दंड दिया जाता है।